R.N.I. No.ÙPHIN/2010/39063

हिन्दी दैनिक

सिन्धु टाइम्स

सिन्ध सदियों से हमारे देश की पहचान है, यह नदी गुज़रे जहां से समझो हिन्दुस्तान है।

वर्ष : 11
अंक : 272
पृष्ठ : 8
मूल्य - 2 रुपये

3 सपा अपनी सरकार के विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को सामने रखकर चुनाव में उतरेगी

लखनऊ, गुरुवार, 15 जुलाई 2021

गांवों में पशुओं के लिए शुरु होगी एम्बुलेंस सेवागांवों में पशुओं के लिए शुरु होगी 8

संक्षिप्त- समाचार

मोदी सरकार की नीतियों से बहुत असुरक्षित हो गया है देशराहुल

नयी दिल्ली वार्ता कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में देश बहुत असुरक्षित हो गया है और इससे पहले कभी हालात ऐसे नही रहे।
श्री गांधी ने ट्वीट किया मोदी सरकार ने विदेश तथा रक्षा नीति को देशीय राजनैतिक हथकंडा बनाकर हमारे देश को कमज़ोर कर दिया है।
भारत इतना असुरक्षित कभी नहीं रहा।क

ट्रिब्यूनल सदस्य का कार्यकाल चार साल करने संबंधी प्रावधान निरस्त

नयी दिल्ली वार्ता
न्यायाधिकरण सुधार की दिशा में केंद्र सरकार के प्रयासों को बुधवार को उस वक्त एक झटका लगा जब उच्चतम न्यायालय ने विभिन्न न्यायाधिकरणों के सदस्यों का कार्यकाल चार साल निर्धारित करने के प्रावधानों को दरकिनार कर दिया।
न्यायालय ने 2.1 के बहुमत के फैसले में न्यायाधिकरण सुधार अध्यादेश 2021 के उस प्रावधान को निरस्त कर दिया जिसके तहत विभिन्न न्यायाधिकरणों के सदस्यों का कार्यकाल चार वर्ष निर्धारित किया गया है।न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति एस रवीन्द्र भट ने सहमति का फैसला दिया, जबकि न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता ने खंडपीठ के दोनों न्यायाधीशों के निर्णय से असहमति जतायी।

टीके की कमी को लेकर राहुल का फिर सरकार पर हमला

नयी दिल्ली वार्ता कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में कोरोना के इलाज के लिए वैक्सीन की कमी को लेकर सरकार पर बुधवार को फिर हमला किया और तंज कसते हुए कहा कि उसके पास जुमले तो बहुत हैं लेकिन वैक्सीन नहीं है।श्री गांधी ने ट्वीट किया 'जुमले हैं वैक्सीन नहीं।'इसके साथ ही उन्होंने एक दैनिक में छपी खबर को भी पोस्ट किया जिसमे 'राज्यों के पास कम पड़ी वैक्सीन' शीर्षक से कहा गया है कि दिल्ली सहित कई राज्यों में वैक्सीन की कमी के चलते टीकाकरण पर असर। मध्यप्रदेश में वैक्सीन की पिछले एक दिन में केवल 38 हजार खुराख दी गई।

थोक महंगाई 12.07 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली वार्ता कच्चे तेल, ईंधन और तिलहन उत्पादों की कीमतों में मजबूती बने रहने के कारण जून 2021 में थोक मूल्यों पर आधारित थोक मुद्रास्फीति की दर 12.07 प्रतिशत पर दर्ज की गयी है।सरकार के बुधवार को यहां जारी आंकड़ों में बताया गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने के कारण घरेलू बाजार में ईंधन की कीमतों में मजबूती बनी हुई है। मई 2021 में थोक मुद्रास्फीति की दर 12.27 प्रतिशत रही थी। पिछले छह महीने के दौरान थोक मुद्रास्फीति की दर दोहरे अंकों में रही हैं।
आंकड़ों के अनुसार जून 2021 में खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति दर 6.66 प्रतिशत दर्ज की गई है। इसके अलावा प्राथमिक वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति दर 7.74 प्रतिशत और विनिर्मित उत्पादों की दर 10.88 प्रतिशत रही है।

कोविड से बचाव के उपायों को सख्ती से लागू करें राज्यः गृह मंत्रालय

नयी दिल्ली वार्ता। देश के कुछ हिस्सों विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों के पर्यटन स्थलों , सार्वजनिक परिवहन, दुकानों और मॉल में बढ रही भीड़ के मामलों को गंभीरता से लेते हुए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से कोविड से बचाव के सभी एहतियाती उपायों को सख्ती से लागू करने को कहा है।

केन्द्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर कहा है

कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर अभी खत्म नहीं हुई है इसलिए किसी तरह की कोताही या ढिलाई बरतना खतरनाक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के मामलों में कमी आने के साथ ही राज्यों और केन्द्र शासित

प्रदेशों ने चरणबद्ध तरीके से गतिविधि शुरू कर दी हैं लेकिन यह जरूरी है कि इस दौरान किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतनी है।उन्होंने कहा कि केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा निर्देशों के उल्लंघन के कारण किसी भी क्षेत्र में कोरोना संक्रमण के मामले बढने पर वहां तुरंत पाबंदियां लागू करनी होगी और इसके लिए वह प्रतिष्ठान, परिसर या दुकान आदि को ही जिम्मेदार माना जायेगा। इस तरह के मामलों में दोषियों के खिलाफ संबंधित कानूनों के तहत कार्रवाई भी की जायेगी। गृह मंत्रालय ने दोहराया है कि जिस क्षेत्र में पाबंदी लगायी जाती है उस क्षेत्र के अधिकारी को ही लापरवाही के लिए जिम्मेदार भी ठहराया जायेगा।

पत्र में कहा गया है कि देश के कई हिस्सों विशेष रूप से सार्वजनिक परिवहन और पर्वतीय क्षेत्रों के पर्यटन स्थलों पर

कोरोना से बचाव के उपायों की अनदेखी की जा रही है जो चिंता का विषय है क्योंकि इससे एक बार फिर संक्रमण

बढने का खतरा पैदा हो सकता है। पत्र में कहा गया है कि दुकानों , मॉल, बाजारों , साप्ताहिक बाजारों , रेस्त्रां, बार, मंडियों , बस स्टेशनों , रेलवे स्टेशनों, जिम , विवाह स्थलों आदि में कोविड उपयुक्त व्यहवार को लागू करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी।

पत्र में इस बात पर विशेष रूप से जोर दिया गया है कि कोरोना टीकाकरण की प्रक्रिया गति पकड रही है लेकिन हमें

किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतनी है और कोविड उपयुक्त व्यवहार को 'दवाई भी कडाई भी' के मंत्र के साथ सख्तीसे लागू करना है। उन्होंने कहा कि कोरोना जांच की दर में भी किसी तरह की कमी नहीं लानी है।

पत्र में कहा गया है कि भले ही पोजीटीविटी दर में कमी आ रही हो लेकिन हमें यह सुनिश्चित करने की कोशिश करनीहै कि संक्रमण के मामले दोबारा न बढें। इसके लिए टेस्ट, ट्रेक, ट्रीट, टीकाकरण और कोविड उपयुक्त व्यवहार कोलागू करने की पांच सूत्री रणनीति पर काम करना होगा।

गृह सचिव ने सभी मुख्य सचिवों से कहा है कि वे जिला अधिकारियों तथा स्थानीय अधिकारियों को भीड़ भाड़नियंत्रित करने के सभी उपाय लागू करने के निर्देश दें। उन्होंने कहा कि इसके अलावा सामाजिक दूरी बनाये रखने,मास्क लगाने तथा कोविड उपयुक्त व्यवहार के बारे में सभी लोगों को प्रचार माध्यमों के जरिये जागरूक किया जाना चाहिए।

उत्तर प्रदेश को 109 लाख टन अनाज का आवंटन

नयी दिल्ली वार्ता प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत उत्तर प्रदेश को नि:शुल्क वितरण के लिए 109.33 लाख टन खाद्यान्न का आवंटन किया गया है। इस योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश के 14.71 करोड़ से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। इन खाद्यान्नों की लागत 40,093 करोड़ रुपये है।केन्द्र सरकार खाद्य सब्सिडी, अंतरराज्यीय परिवहन, डीलर मार्जिन आदि सहित इस तरह के वितरण के लिए पूरी लागत वहन कर रही है और भारतीय खाद्य निगम द्वारा राज्य सरकार को खाद्यान्न नि:शुल्क जारी किया जा रहा है।

इस योजना के तहत प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज (जिसमें 3 किलो गेहूं और 2 किलो चावल शामिल है) को अतिरिक्त रूप से लाभार्थियों को वितरित किया गया। इस योजना के तहत देश में सबसे ज्यादा आवंटन उत्तर प्रदेश में हुआ है।

केन्द्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 11 फीसदी की बढ़ोतरी, नहीं मिलेगा बकाया

नयी दिल्ली वार्ता सरकार ने कोरोना महामारी से उत्पन्न संकट के चलते केन्द्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते पर लगी रोक को हटाते हुए इसे बहाल करने का निर्णय लिया है। महंगाई भत्ते की दर में 11 फीसदी की बढोतरी कर इसे 28 फीसदी पर तय किया गया है और यह दर इसी साल एक जुलाई से लागू होगी।केन्द्रीय कर्मचारियों को भत्ते पर लगी रोक के समय यानी एक जनवरी 2020 से लेकर 30 जून 2021 तक के महंगाई भत्ते के बकाया का भुगतान नहीं किया जायेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के निर्णय को मंजूरी दी गयी।सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मंत्रिमंडल ने केन्द्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते तथा पेंशनभोगियों को मिलने वाली महंगाई राहत पर लगी रोक को हटा लिया है। उन्होंने कहा कि महंगाई भत्ते की दर 17 फीसदी थी और अब इसे 11 फीसदी बढाकर 28 फीसदी किया गया है। नयी दर इसी वर्ष एक जुलाई से लागू होगी।

कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न संकट के चलते केन्द्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते पर एक जनवरी 2020 से रोक लगा दी गयी थी। पत्र सूचना कार्यालय ने एक ट्वीट कर स्पष्ट किया कि कर्मचारियों को भत्ते पर लगी रोक के समय यानी एक जनवरी 2020 से लेकर 30 जून 2021 तक के महंगाई भत्ते के बकाया का भुगतान नहीं किया जायेगा।

सरकार के इस निर्णय से महंगाई भत्ते की बकाया राशि का इंतजार कर रहे कर्मचारियों को निराशा हाथ लगी है।

परिधान निर्यात पर शुल्क छूट मार्च 2024 तक बढ़ी

नयी दिल्ली वार्ता भारतीय परिधानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने और घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने सिले सिलाये वस्त्र और परिधानों पर मौजूदा निर्यात शुल्क छूट को मार्च 2024 तक बढ़ाने का फैसला किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इस प्रस्ताव के अनुसार सिले सिलाये वस्त्रों और परिधानों पर केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए विभिन्न शुल्कों को निर्यात कारोबारियों को वापस किया जाएगा। यह छूट भारतीय निर्यातक को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाएगी।मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने संवाददाताओं को बताया कि सरकार ने परिधान और सिले सिलाये वस्त्रों के निर्यात पर राज्य और केंद्रीय करों और शुल्क की छूट को मौजूदा दरों पर 31 मार्च 2024 तक जारी रखने को मंजूरी दी है। इससे निर्यातकों को एक स्थिर और दीर्घ नीति बनाने में मदद मिलेगी। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय परिधान अन्य देशों के परिधानों की तुलना में सस्ते होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से स्टार्टअप्स और उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलेगा और लाखों नौकरियों का सृजन होगा तथा आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

श्री ठाकुर ने बताया कि सरकार के इस निर्णय के संबंध में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय जल्द ही अधिसूचना जारी करेगा उन्होंने कहा कि परिधान और सिले सिलाये वस्त्रों के लिए निर्यात छूट जारी रखने से इन उत्पादों को सभी करों और शुल्क में छूट मिलेगी।

राष्ट्रीय आयुष मिशन 2025-26 तक रहेगा जारी

नयी दिल्ली वार्ता सरकार ने राष्ट्रीय आयुष मिशन को पांच वर्ष के लिए बढ़ाते हुए इसे वर्ष 2025-26 तक जारी रखने का निर्णय लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस संबंध में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि कोरोना काल में आयुष मंत्रालय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राष्ट्रीय आयुष मिशन को एक अप्रैल 2021 से लेकर 31 मार्च 2026 तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है। इस पर कुल 4607 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें केंद्र सरकार की तीन हज़ार करोड़ जबकि राज्य सरकारों की 6407 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी होगी।उन्होंने कहा, इस मिशन के तहत देशभर में 12,000 आयुष वेलनेस केंद्र स्थापित किए जाएंगे। छह आयुष महाविद्यालय और 12 आयुष स्नातकोत्तर संस्थाओं का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा 10 अंडर ग्रेजुएट संस्थानों के आधारभूत संरचना में सुधार किया जाएगा।

श्री ठाकुर ने कहा इस मिशन को बीमारियों से बचाव के उपायों पर केंद्रित किया जाएगा। लोगों के बीच प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इससे बीमारियों की रोकथाम होगी। स्वास्थ्य व्यवस्था पर बीमारी का भार कम होगा।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय आयुष मिशन की शुरुआत 15 सितंबर 2014 को की गयी थी। कोरोना काल को देखते हुए सरकार के इस फैसले को अहम माना जा रहा है। कोरोना से बचाव और इलाज में आयुष विभाग ने कई आयुर्वेदिक दवाओं के प्रचलन को बढ़ावा दिया।

अन्य पिछड़ा वर्ग उप-वर्गीकरण आयोग का कार्यकाल बढ़ा

नयी दिल्ली वार्ता सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग में उप वर्गीकरण के मुद्दे की जांच के लिए गठित आयोग का कार्यकाल अगले छह माह तक बढ़ा दिया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां आयोजित केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के भीतर उप-वर्गीकरण के मुद्दे की जांच के लिए संविधान के अनुच्छेद 340 के तहत गठित आयोग के कार्यकाल के ग्यारहवें विस्तार को मंजूरी दी गयी है। अब 31 जुलाई 2021 को समाप्त हो रहा आयोग का कार्यकाल छह महीने बाद 31 जनवरी 2022 को समाप्त होगा।उन्होंने कहा कि कार्यकाल के प्रस्तावित विस्तार से आयोग विभिन्न पक्षों के और परामर्श के बाद ओबीसी के उप-वर्गीकरण के मुद्दे पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकेगा।उन्होंने बताया कि आयोग की अवधि को विस्तार देने के आदेश को राष्ट्रपति के अनुमोदन से अधिसूचित किया जाएगा।

लखनऊ में एटीएस ने आंतकी संगठन से जुड़े तीन और लोगों को किया गिरफ्तार

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने अलकायदा के सहयोगी संगठन गजवातुल हिन्द (एक्यूआईएस) से जुड़े आंतकियों के तीन और सहयोगियों को लखनऊ से गिरफ्तार किया है।

एटीएस प्रवक्ता ने आज शाम यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को गिरफ्तार किए गये आतंकी मिनहाज और मुसीरुद्दीन से पूछताछ के बाद उनके तीन सहयोगियों शकील ,मोहम्मद मुस्तकीम और मोहम्मद मुईद को एटीएस ने लखनऊ के वजीरगंज और न्यू हैदराबाद इलाके से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरेपियों में मोहम्मद मुईद मुजफ्फरनगर जिले के तितावी इलाके के मांडी गांव का रहने वाला है।

उन्होंने बताया कि एसटीएस ने 11 जुलाई को लखनऊ के काकोरी इलाक से एक ऑपरेशन में अंसार गजवातुल हिन्द से जुड़े दो आतंकियों मिन्हाज़ और मुशीरुद्दीन गिरफ्तार किया था । इस सम्बन्ध में एटीएसए थाने पर मामला दर्ज किया गया था। गिरफ्तार आंतकियों को एटीएस ने 14 दिन पुलिस कस्टडी रिमांड पर पूछताछ पर लिया था। पूछताछ के क्रम में कुछ नाम प्रकाश में आए थे ,जिनको एटीएस मुख्यालय पर पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

प्रवक्ता ने बताया कि पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार तीनों लोगों ने अपना अपराध स्वीकार भी कर लिया,जिसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है । गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई कीजाएगी । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में बांसमंडी निवासी 35 वर्षीय शकील के अलावा तकिया तारनशाह मदेगंज सीतापुर रोड निवासी 44 वर्षीय मोहम्मद मुस्तकीम और न्यू हैदरगंज कैम्पल रोड निवासी 29 वर्षीयमोहम्मद मुईद शामिल है, यह आरोपी मुजफ्फरनगर का रहने वाला है।

गौरतलब है कि लखनऊ के दुबग्गा क्षेत्र से रविवार को गिरफ्तार किये गये दो आतंकवादियों मिनहाज और मसीरूद्दीन को 12 जुलाई को कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत में पेश किया गया जहां से दोनो को 14 दिन की रिमांड पर एटीएस को सौंप दिया गया था। इन आतंकवादियों के पास से विस्फोटक, प्रेशर कुकर और हथियार भी मिले थे।

बंधुआ बाल मजदूरी पर रोक लगाने का विधेयक पारित करने की मांग

नयी दिल्ली वार्तानोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित बाल अधिकार कार्यकर्ता कैलाश सत?यार्थी ने बंधुआ बाल मजदूरी और बाल तस्करी के तेजी से बढ़ते मामलों पर रोक लगाने के लिए राजनीतिक दलों और सांसदों से संसद के आगामी मानसून सत्र में बाल तस्करी निरोधक विधेयक पारित करने की मांग की है।

श्री सत्यार्थी ने बुधवार को यहां कि इस विधेयक का पारित होना उन 12 लाख भारतीयों की शानदार जीत कही जाएगी, जिन?होंने वर्ष 2017 में देश?यापी 'भारत यात्रा' की थी और बाल तस्करी के विरुद्ध मजबूत कानून बनाने की मांग की थी।

श्री सत्यार्थी ने कहा कि कानून बनाने की इस मांग को अंजाम तक पहुंचाने के लिए देशभर के बाल अधिकार कार्यकर्ता, सामाजिक संगठन सदस?य और मुक?त बाल मजदूर नेता भी जन-जागरुकता अभियान चलाएंगे और अपने-अपने स्थानीय सांसदों से मिलेंगे और उनसे बाल तस्करी विरोधी विधेयक पारित करने की अपील करेंगे।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने भारत में सबसे अधिक बच्चों को प्रभावित किया है और खासकर वंचित बच्चों की सुरक्षा के खतरों को बढ़ाया है। कोरोनाकाल में बाल श्रम और बाल तस्करी के मामलों में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि हर दिन आठ बच्चे तस्करी के शिकार होते हैं।

पीयूष गोयल राज्यसभा में सदन के नेता बनाये गये

नयी दिल्ली वार्ता केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पीयूष गोयल को राज्यसभा में सदन का नेता बनाया गया है।श्री गोयल को पूर्व केन्द्रीय मंत्री थावरचंद गहलोत की जगह यह जिम्मेदारी दी गयी है।संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को ट्वीट कर श्री गोयल को नयी जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी।श्री जोशी ने कहा , श्री पीयूष गोयल जी को राज्यसभा में सदन का नेता नियुक्त किये जाने पर बधाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने श्री गोयल को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। राष्ट्र सेवा में इसी जोश के साथ काम करने के लिए उन्हें शुभकामनाएं। उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रहे श्री गहलोत इससे पहले राज्यसभा में सदन के नेता की जिम्मेदारी संभाल रहे थे लेकिन मोदी मंत्रिमंडल के विस्तार और पुनर्गठन से पहले उन्हें कर्नाटक का राज्यपाल नियुक्त कर दिया गया था।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ आरजेडी का हल्लाबोल, 18 और 19 जुलाई को करेगी विरोध प्रदर्शन

पटना वार्ता। देश में बढ़ती महंगाई को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को राज्य और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर गरीबों का खून चूसने का काम कर रही हैं। लगातार पेट्रोल, डीजल, एलपीजी की कीमतें आसमान छूती जा रही हैं। आने वाली 18 तारीख को बिहार के सभी प्रखंडों में हम इसका विरोध प्रदर्शन करेंगे और 19 तारीख को हर जिला मुख्यालय में इसका विरोध करेंगे।हमने बिहार विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा है, विधायकों में भय का वातावरण है। जनता का सवाल उठाने गए और वहां लात-घूंसे, डंडे पड़ रहे हैं। इस बारे में आपने जांच की होगी, उसका क्या नतीजा है। क्या विधानसभा में विधायकों की सुरक्षा की गारंटी होनी चाहिए या नहीं?

सिद्धू को पंजाब की कमान देने पर कैसे राजी हो गए कैप्टन अमरिंदर

पीके के दखल के बाद निकला सुलह का फॉर्मूला

अमृतसर वार्ता। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच शुरू हुआ विवाद अब शांत होता नजर आ रहा है। एक बड़े बदलाव पर एकमत होते हुए पार्टी नेताओं ने पंजाब की कमान नवजोत सिंह सिद्धू को देने का फैसला कर लिया है। वहीं उनके नेतृत्व में एक अनुसूचित जाति और एक सवर्ण हिंदू को कार्यकारी अध्यक्ष का पद देकर अकाली दल और मायावती के गठजोड़ की हवा निकालने की तैयारी हो गई है। कैप्टन अमरिंदर सिंह की सोनिया से मुलाकात के बाद इस फॉर्मूले को निकाला गया जिससे कैप्टन अमरिंदर सिंह भी सहमत बताए जाते हैं। वहीं, पार्टी के वर्तमान अध्यक्ष सुनील जाखड़ को जल्दी ही केंद्रीय टीम में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है।पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सुलह का यह फॉर्मूला सोनिया गांधी की प्रशांत किशोर से मुलाकात के बाद लिया गया है। प्रशांत किशोर ने पंजाब की जमीनी स्थिति की जानकारी पार्टी आलाकमान को देते हुए बताया था कि विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए पार्टी को दोनों ही धुरंधर नेताओं की सख्त जरूरत है। इन दोनों के बीच सत्ता का संतुलन बनाकर दोनों नेताओं के अनुभव का लाभ पार्टी उठा सकती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए नवजोत सिंह सिद्धू को पंजाब की कमान देने का फैसला किया गया।कैप्टन तक यह संदेश लेकर गए किशोर

वहीं, प्रशांत किशोर के माध्यम से सोनिया गांधी के इस निर्णय की जानकारी कैप्टन अमरिंदर सिंह तक पहुंचा दी गई जो इसके पहले से ही कैप्टन के बेहद करीबी हैं और पंजाब को जीत दिलाने के लिए रणनीति बना रहे हैं। इस फैसले से कैप्टन अमरिंदर सिंह भी सहमत बताए जा रहे हैं। वैसे अब तक कैप्टन सिद्धू को पंजाब का अध्यक्ष बनाए जाने के खिलाफ चल रहे थे।दरअसल, पंजाब में अनुसूचित जाति समुदाय की भागीदारी लगभग एक तिहाई है। अकाली दल ने बहुजन समाज पार्टी के साथ गठजोड़कर कांग्रेस के सामने एक नई चुनौती स्थिति खड़ी कर दी है। सत्ता विरोधी लहर के साथ अगर अकाली-बसपा समीकरण काम करता है तो इससे कांग्रेस को नुकसान हो सकता है। लिहाजा बहुत सोच-समझकर इस रणनीति को ध्वस्त करने के लिए पार्टी में दो कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का फैसला कर लिया गया है।

जनहित में संचालित योजना का लाभ पात्र जनो को समय से उपलब्ध कराया जाये:योगी

गोरखपुर,संवादाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो भी योजनाएं जनहित में संचालित की जाती है उसका लाभ पात्र जनो को समय से उपलब्ध कराया जाये और विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करने के बजाये सभी को सहयोग करना चाहिए।

श्री योगी गोरखपुर प्रवास के दूसरे दिन बुधवार को यहां योगी राज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षा गृह एवं सांस्कृतिक केन्द्र

में आयोजित विभिन्न अवस्थापना विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विकास की स्वीकृत योजनाओं में समग्रता छिपी होती है। सबका साथ और सबका विकास का भाव निहित होता है। उन्होंने कहा कि हम सबका दायित्व है कि स्वीकृत परियोजनाओं को समय से पूर्ण की जाये और यह हर नागरिक के जीवन में परिवर्तन लायेगा।

उन्होंने कहा कि विकास किसी क्षेत्र विशेष के लिए सीमित नही है

योगी ने गोरखपुर जनता दरबार में सुनी 300 से अधिक फरियादियों की समस्या

गोरखपुर,संवादाता। उत्तर प्रदश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज यहां गोरखनाथ मंदिर परिसरमें लगे जनता दरबार में 300 से अधिक फरियादियों की समस्या सुनी और उनके समाधान का आश्वासन दिया।श्री योगी अपने गोरखपुर प्रवास के दूसरे दिन बुधवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे अपने कक्ष से निकले औरसीधे गुरू गोरक्षनाथ के दर्शन को पहुंचे। उन्होंने विधिवत पूरे विधि विधान से पूजा अर्चन की और उसके बाद ब्रहमलीन गुरू अवेद्यानाथ के समाधि स्थल पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया।

इसी क्रम मुख्यमंत्री गौशाला पहुंचे और गायों को गुड चना खिलाया। गोखनाथ मंदिर में परंपरागत पूजा-अर्चना के बाद जनता दरबार में फरियादियों के बीच पहुंचे और वहां मौजूद 300 से अधिक फरियादियों की समस्याएं सुनी और समाधान का आश्वासन दिया। साथ ही इस बावत अधिकारियों को निर्देश भी देते रहे।

बल्कि पूरे जिले के जनमानस के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए होता है। विकास के लिए धन की कमी नहीं है, आवश्यकता है कि उपलब्ध धनराशि का समयबद्ध ढंग से सदुपयोग किया जाये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास हर नागरिक के जीवन में परिवर्तन,खुशहाली एवं रोजगार के अवसर सृजित करने के साथ ही आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करेगी। विकास का कोई विकल्प नहीं होता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर समेत पूरे प्रदेश

में कोरोना का सफलतापूर्वक मुकाबला करने के साथ-यसाथ विकास की परियोजनाओं को भी तेजी के साथ आगे बढाने का कार्य हो रहा है और जीवन के साथ ही जीविका को भी बचाया गया है।

उन्होंने कहा कि कोरोना कमजोर हुआ है समाप्त नही, इसके प्रति लापरवाही नहीं होनी चाहिए, हर व्यक्ति मास्क पहने यह सुरक्षा प्रदान करता है और मास्क तमाम प्रकार के इंफेक्शन से बचाने में सफल है, इसके प्रति सभी को जागरूक किया जाये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल खण्ड के दौरान इसके नियंत्रण में निगरानी समितियों द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। यह समितियां मेडिकल किट वितरण से लेकर घर-घर जाकर स्क्रीनिंग का कार्य कर रही हैं। निगरानी समितियों से जुड़े हुए लोगों को सम्मानित करना हमारा दायित्व बनता है, सभी के सामूहिक प्रयासों का ही परिणाम है कि आज प्रदेश में कोरोना नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि कोरोना के लक्षण दिखते ही इसे छिपाने के बजाये जांच कराकर उपचार करायें।

उन्होंने कहा कि कोरोना से बचने के नियमों, मापदण्ड का पालन करते हुए वैक्सीनेशन हर व्यक्ति अवश्य कराये।

प्रधानमंत्री ने पूरे देश में निशुल्क वैक्सीनेशन की व्यवस्था प्रदान की है, वैक्सीनेशन कोरोना से बचाव का सुरक्षा कवच है, सतर्कता व सावधानी ही इस महामारी से बचाव है।

श्री योगी ने कहा कि केन्द्र सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है, इसका लाभ हर पात्र को पहुंचाया जाये। हम सभी को निर्बाध रूप से इन योजनाओं का स्वागत करना चाहिए कोरोना के कारण जिन बच्चों ने अपने माता-पिता को खोया है, ऐसे बच्चों के या उनके कानूनी अभिभावक के बैंक खाते में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत जल्द ही 4,000 दिए जाएंगे और निशुल्क आधुनिक शिक्षा की व्यवस्था के साथ ही कोरोना के कारण निराश्रित महिलाओं को पेंशन तथा उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार दिया जायेगा ताकि वे आत्मनिर्भर होकर रह सके। केन्द्र/प्रदेश सरकार उनके सहयोग हेतु तत्पर है।

उन्होंने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर से बचाव की तैयारियां शुरू हो गयी है, बच्चों को मेडिसिन किट वितरण के

साथ ही सफाई, सेनेटाइजर आदि की कार्यवाही चल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना पटरी व्यवसाइयों के लिए एक अच्छी योजना है जिसमें गरीब पटरी

व्यवसाइयों को मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि एक जिला एक उत्पाद के तहत ठोस कार्ययोजना तैयार कर बैंकों से ऋण प्राप्त किया जा सकता है ताकि बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिले।

उन्होंने कहा कि गोरखपुर के विकास संबंधी सभी मांगों को पूरा किया जा रहा है। बी.आर.डी. मेडिकल कालेज

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है, एम्स व फर्टिलाइजर का लोकार्पण अक्टूबर माह में प्रस्तावित है, बेहतर स्वास्थ्य

सुविधाओं के दृष्टि से एम्स का निर्माण कराया गया है वही फर्टिलाइजर से रोजगार के अवसर सृजित होगे। पर्यटन विकास के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार भी सृजित करता है। विकास को स्थायी रूप से बनाये रखने के लिए स्थानीय स्तर पर उसकी देखभाल/रखरखाव किया जाये ताकि इसका लाभ आने वाली पीढ़ी को मिले।

इसके पूर्व उन्होंने गोरखपुर जिले में कुल 8025.47 लाख रुपये की लागत की 123 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया जिसमें कुल 3953.53 लाख की 48 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 4071.94 लाख रुपये की लागत की 75 परियोजनाओं का लोकार्पण सम्मिलित है। यह परियोजनाएं विधानसभा क्षेत्र गोरखपुर ग्रामीण, पिपराइच, सहजनवा, बासगांव,खजनी के विकास कार्यों की है।

इटावा सफारी पार्क में टिकट घोटाला

इटावा,संवादाता। देश भर के पर्यटकों को आकर्षित करने वाली उत्तर प्रदेश की इटावा सफारी पार्क मे टिकट घोटाला सामने आने से हडंकप मच गया है। सफारी सूत्रों के अनुसार टिकट घोटाला करीब दस लाख के आसपास माना जा रहा है लेकिन अधिकारिक तौर पर इसको मात्र दो लाख 58 हजार रूपये ही बताया गया है ।सफारी पार्क के निदेशक के.के.सिंह ने बुधवार को टिकट घोटाले की पुष्टि करते हुए बताया कि टिकट खिड़की पर टिकटों की बिक्री में घालमेल करके इटावा सफारी को ढाई लाख से अधिक का चूना लगाया गया। टिकट घोटाले करके सफारी को चूना लगाने का कारनामा करने वाले सफारी के स्थाई और अस्थाई कर्मी ही है ।

इस घोटाले के सामने आने के बाद सफारी के चतुर्थ श्रेणी के कर्मी सोहन सिंह को निलंबित कर वन दरोगा अशोक कुमार शर्मा को स्थानांतरित कर दिया गया था लेकिन अस्थाई कर्मियो के खिलाफ आज तक कोई भी कार्यवाही अमल मे नही लाई गई है ।स्थाई कर्मियो के खिलाफ कार्यवाही किये जाने और अस्थाई कर्मियो को राहत दिये जाने को लेकर सफारी प्रबंधन पर सवालिया निशान भी लग रहा है ।

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष उदयभान सिंह यादव ने इस मुद्दे के सामने आने के बाद बताया कि जब कभी किसी भी संस्था मे घोटाला सामने आता है तो फिर उच्च स्तरीय जांच कराई जाती है लेकिन सफारी के घोटाले मे ऐसा ना करके अधिकारियो ने घोटाले की रकम को बंदरबांट करने का काम किया है ।

सफारी पार्क को वर्ष 2019 में 25 अक्टूबर को पर्यटकों के लिए खोला गया था। मुख्य द्वार पर टिकट खिड़की बनाई गई थी ।इसी टिकट खिड़की से टिकटों की बिक्री की जाती थी। मामला यह रहा कि इस खिड़की पर बैठने वाले जिम्मेदार कर्मचारियों ने टिकट मशीन के पासवर्ड को जान लिया और टिकटों में पर्यटकों की संख्या में हेरफेर करके हेराफेरी करते रहे। यह मामला जब 4 माह तक चलता रहा तब किसी तरह सफारी के एक तत्कालीन अधिकारी के संज्ञान में आया तो मामले की जांच बैठा दी गई ।

एक कर्मी को निलंबित कर दिया गया और एक को स्थानांतरित कर दिया गया है लेकिन जिन अस्थाई कर्मियो ने इस घोटाले को अंजाम दिया उनके खिलाफ कोई कार्यवाही अमल मे नही लाई गई है ।इस दौरान दूसरी ओर से मामले को दबाने की कोशिश भी होती रही । कोरोना महामारी के बाद अक्टूबर 2020 में सफारी को खोला गया लेकिन पूरा महीना बीतने से पहले ही सफारी के तत्कालीन डायरेक्टर वी.के.सिंह का तबादला हो गया ।इसके बाद राजीव मिश्रा सफारी के डायरेक्टर बनकर आए । उन्होंने इस मामले को लेकर एक दरोगा को कई पत्र लिखे और स्पष्टीकरण मांगा लेकिन पूरा मामला साफ हो पाता इससे पहले 31 मार्च को डायरेक्टर राजीव मिश्रा भी रिटायर हो गए।राजीव मिश्रा के रिटायर होने के बाद वन संरक्षक ए.के.सिंह को सफारी का डायरेक्टर बनाया गया । इस बीच जिन कर्मचारियों ने घालमेल किया था उनसे घालमेल की गई 2 लाख 58 हजार की रकम की वसूली की जाती रही ।

इटावा में अस्पताल मे प्रसूता की मौत के बाद परिजनो का हंगामा

इटावा संवादाता। उत्तर प्रदेश में इटावा के सिविल लाइन इलाके मे रेल बाजार रोड पर एक निजी हास्पिटल में बच्चे को जन्म देने के बाद महिला की मौत पर जमकर हंगामा हुआ ।

पुलिस ने आज यहां कहा कि रघुकुल हास्पिटल में महिला की मौत का मामला सामने आया है। महिला के परिजनों ने हंगामा किया है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

उन्होने बताया कि सीएमओ स्तर से अस्पताल को लेकर रिर्पोट मांगी गई है इस मामले मे दोनो पक्षो की ओर से अगर कोई मामला दर्ज कराया जायेगा तो पुलिस जांच कर कार्यवाही सुनिश्चित करेगा ।इकदिल के मानिकपुर अड्डा आसाई निवासी जय प्रकाश सिंह ने गर्भवती पत्नी शिल्पी (23) को प्रसव पीड़ा होने पर स्टेशन रोड स्थित एक निजी हास्पिटल में सोमवार को भर्ती कराया था। मंगलवार शाम को महिला ने एक बेटी को जन्म दिया। इसके बाद महिला की तबीयत खराब होने लगी। इस दौरान परिजनों ने डॉक्टर व हॉस्पिटल स्टाफ से महिला के पास जाने के बात कहा।

आरोप है कि डाक्टर व हास्पिटल स्टाफ ने उन लोगों को शिल्पी से नहीं मिलने दिया। रात करीब 10 बजे डाक्टर महिला को सैफई रेफर करने की बात कहने लगे।

हास्पिटल स्टाफ महिला को स्ट्रेचर से बाहर निकालकर लाया और एंबुलेंस में रखने लगा। इस दौरान देखा, तो महिला की मौत हो चुकी थी। जब उन लोगों ने हास्पिटल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगा डाक्टर से शिकायत की ।तो डाक्टरों व स्टाफ ने मिलकर मारपीट शुरू कर दी। जिसमें परिवारी नीरज समेत तीन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पर सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से पूछताछ की।

परिजनों का आरोप है कि आपरेशन के नाम पर उनसे मोटी रकम जमा करवा ली गई और उन्हें अस्पताल से बाहर कर दिया गया। अंदर महिला को उचित इलाज नहीं दिया गया। बाद में उसे हास्पिटल के बाहर रख दिया गया और इलाज के लिए कहीं और ले जाने की सलाह दी गई। जब महिला के मृत होने का पता परिजनों को चला तो उन लोगों ने उसका विरोध किया। जिस पर अस्पताल कर्मचारियों ने उनसे मारपीट की जिसमें परिवार के दो सदस्य घायल हो गए।

झांसी पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर बरामद की चोरी की पांच मोटरसाइकिलें

झांसी संवादाता। उत्तर प्रदेश के झांसी में पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

यहां पुलिस लाइन में पत्रकारों को जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक -सदर (एसपी सिटी) विवेक त्रिपाठी ने बुधवार को बताया कि झांसी एसएसपी शिवहरि मीना के निर्देश पर चिरगांव थाना पुलिस क्षेत्र में गश्त करते हुए चैकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को पता चला कि चिरगांव-गुरसरांय मार्ग पर झाड़ियों के पास दो संदिग्ध व्यक्ति हैं। सूचना को गम्भीरता से लेते हुए पुलिस बताये गये स्थान पर पहुंची और दविश देकर दो लोगों को गिरफ्तार किया।

इसके अलावा झाड़ियों में छिपी चोरी की 5 बाइकें भी बरामद की। पुलिस दोनों को पकड़ कर थाने ले आई और तलाशी के दौरान उनके पास से तमंचा और कारतूस भी बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार पकड़े गये बदमाशों ने अपना नाम उमाकांत लोधी निवासी नरौल थाना रावतपुरा जिला भिंड और मनोज कुमार राजपूत निवासी दबरा बुजुर्ग थाना चिरगांव बताया। दोनों बदमाश शातिर हैं, वह मौका पाते ही बाइकों को चोरी कर लेते थे। इसके बाद उन वाहनों को कम कीमतों में बेच देते थे। अब तक उन्होंने कई वाहनों को चोरी किया है। पकड़े गये चोरों के खिलाफ सम्बधित धाराओं में मामला दर्ज करते हुए कार्यवाही की गई।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मृत्यु

बलिया,संवादाता। उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के चितबड़ागांव क्षेत्र में बुधवार को बाइको की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मृत्यु हो गयी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार करीमुद्दीनपुर निवासी 45 वर्षीय रविन्द्र जायसवाल गाजीपुर से बाइक पर सवार होकर बलिया जा रहा था और बांसडीहरोड निवासी 38 वर्षीय मुकेश मौर्य बलिया से चितबड़ागांव आ रहा था। नगरपंचायत कार्यालय के पास दोनों बाइकों में आमने सामने की टक्कर हो गई,जिससे दोनों गंभीर रुप से घायल हो गये ।उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल भेजा गया जहां उपचार के दौरान रविन्द्र जायसवाल की और मुकेश मौर्य की वाराणसी ले जाते समय रास्ते में मृत्यु हो गई।

विदेशी यात्रा पर जाने वालों को एक माह के अंदर लग जायेगी कोविशील्ड की दूसरी डोज़

झांसी संवादाता। विदेश यात्रा पर जाने वालों के लिए सरकार ने कोरोना वैक्सीन के दो टीकों के बीच 84 दिनों के अनिवार्यता के नियम में ढील दी है और अब ऐसे लोगों को एक माह के भीतर ही कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरी डोज़ भी दी जा सकेगी।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ? रविशंकर ने बुधवार को बताया कि प्रदेश सरकार ने विदेश यात्रा पर जाने वालों के लिए 84 दिन की बाध्यता खत्म कर दी है। वह कोविशील्ड वैक्सीन की पहली डोज लगने के एक माह के अंदर दूसरी डोज लगवा सकते हैं। इसके लिए यहां ऐसे लोगों मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के कमरा न? 12 में अपर शोध अधिकारी से मिल सकते है। वहाँ पुष्टि कराने के बाद वह झोकन बाग स्थित नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर टीका लगवा सकते है ।उन्होने बताया कि सिर्फ विदेश यात्रियों को ही यह सुविधा दी जा रही है। ऐसे लोगों को दूसरी डोज के लिए अपने साथ पासपोर्ट लाना अनिवार्य है। पासपोर्ट में दर्ज विदेश यात्रा की तिथि को पोर्टल में डालकर सत्यापित किया जाएगा। स्टूडेंट जो विदेश पढ़ने जा रहे हों, विदेश में नौकरी करने जा रहे लोग, ओलंपिक गेम्स में शामिल होने जा रहे एथलीट, स्पोर्ट्स पर्सन, साथ में जाने वाला स्टाफ को यह सुविधा दी जायेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मृत्यु, शव पेड़ पर लटका मिला

रायबरेली,संवादाता। उत्तर प्रदेश में रायबरेली जिले के ऊंचाहार इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की मृत्यु हो गयी,जिसका शव आज पेड़ पर फंदे से लटका मिला ।पुलिस सूत्रों ने बुधवार को यहां यह जानकारी दी । उन्होंने बताया कि थाना ऊंचाहार इलाके में उसरैना गांव के बाहर पुलिया के पास स्थित बबूल के पेड़ में एक युवक का शव फंदे से लटका मिला। उसकी शिनाख्त गांव के ही 35 वर्षीय शिव चन्द्र के रुप में की गई ।उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थित स्पष्ट होगी।

प्रवर्तन निदेशालय ने खनन ठेकों में लगी एमएलसी की दो कंपनियों का मांगा पूरा ब्यौरा

सहारनपुर,संवादाता। सहारनपुर के बहुचर्चित खनन कारोबारी बहुजन समाज पार्टी (बसपा) एमएलसी इकबाल उर्फ बाल्ला की 111 मुखौटा कंपनियों में से दो कंपनियों का पड़ौसी राज्य हरियाणा में मिले ठेके का पूरा ब्यौरा और भुगतान संबंधी विवरण मांगा है ।विभाग सूत्रों के अनुसार यह ब्यौरा उपनिदेशक प्रवर्तन निदेशालय लखनऊ पुगालिया चंदन राजेंद्र की ओर से मांगा गया है। उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर सीरियस फोर्ड इन्वेस्टीगेशन आफिस ने इकबाल बाल्ला की कंपनियों की जांच की थी। उसके बाद प्रवर्तन निदेशालय लखनऊ ने इन कंपनियों की जांच की थी। जिसमें पाया गया कि काले धन को शुद्ध करने का घोटाला किया गया। वर्ष 2015 में सहारनपुर माईन्स और अपार माईंस ने हरियाणा के यमुना नगर में चार खनन ठेके नीलामी में लिए थे और नौ करोड़ रूपए जमा कराए गए थे ।उन्होंने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय के सक्रिय होने पर दो ठेकों को हरियाणा सरकार ने जांच कर निरस्त कर दिया था। जांच में पाया गया कि इन कंपनियों ने ब्लैक मनी का इस्तेमाल किया है। हरियाणा सरकार ने लापरा और नंदगढ़ खनन के ठेके निरस्त कर दिए जबकि दो ठेके अभी जारी हैं ।सूत्रों के अनुसार संयुक्त निदेशक के निर्देश पर उपनिदेशक पीसी राजेंद्र ने हरियाणा के खनन विभाग के महानिदेशक को पत्र लिखकर इकबाल बाल्ला की हरियाणा में खनन ठेकों से संबंधी पूरे दस्तावेज मांगे हैं। जांच में पता चला है कि इन ठेकों में हरियाणा के इनेलो के नेता दिलबाग सिंह भी शामिल हैं।

गन्ने की फसल को लेकर किसानों का रूझान बढ़ा- मिश्र

सहारनपुर,संवादाता। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में किसानों का गन्ने की फसल को लेकर रुझान बढ़ा है,जिसके रकबे में करीब छह हजार हेक्टेयर की बढ़ोतरी हुई है।

गन्ना उपायुक्त डा. दिनेश्वर मिश्र ने आज यहां बताया कि सहारनपुर जिले में इस बार गन्ने का क्षेत्रफल 1-13 लाख हेक्टेयर हो गया है जो पिछली बार यह 1-07 लाख हैक्टेयर था। उन्होंने कहा कि गत वर्ष के मुकाबले इस बार छह हजार हेक्टेयर गन्ने का रकबे में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि इस बार नई पेराई सत्र में जिले की सभी चीनी मिलों को उनकी क्षमता के मुताबिक गन्ने की आपूर्ति हो सकेगी ।डा. मिश्र ने बताया कि जिले में छह चीनी मिलें हैं। उनकी कुल पेराई क्षमता 42750 टन प्रतिदिन है। उन्होंने बताया कि पेराई सत्र 2020×21 में सहारनपुर जिले में 852-09 लाख कुन्तल गन्ने का उत्पादन हुआ था। इसमें से 503-12 लाख कुन्तल गन्ना चीनी मिलों द्वारा खरीदा गया था। सभी छह चीनी मिलों द्वारा 53-43 लाख कुन्तल चीनी का उत्पादन किया गया थाउन्होंने बताया कि किसानों के इस बार गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाने का कारण यह माना जा रहा है कि चुनाव वर्ष के चलते प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अवश्य ही गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी कर सकते हैं।

व्यापारियों के बीच जाकर खोलेंगे भाजपा सरकार की पोल: अभिमन्यु गुप्ता

झांसी संवादाता। समाजवादी पार्टी व्यापार सभा प्रदेश महासचिव अभिमन्यु गुप्ता ने उत्तर प्रदेश के झांसी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि यह सरकार व्यापारियों को छलने का काम कर रही है इसलिए व्यापारियों के बीच जाकर इस सरकार की पोल खोलने का काम किया जायेगा।

यहां पार्टी जिला मुख्यालय किसान बाजार मे सपा प्रदेश महासचिव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार व्यापारियों के साथ छलावा कर रही है। सरकार ने अपनी योजनाओं में व्यापारियों को कोई सुविधा प्रदान नहीं की, बल्कि कोरोना संकट में व्यापारियों पर सरकार द्वारा राजस्व वसूली का बोझ डाला जा रहा है बिजली बिल, व्यापार कर, अतिक्रमण के नाम पर वसूली, जीएसटी के नाम पर व्यापारियों का शोषण किया जा रहा है । इसको लेकर भाजपा सरकार के शोषण और व्यापारियों के साथ हुए छल की व्यापारी चौपाल लगाकर पोल खोलेंगे। व्यापार सभा प्रत्येक बाजार में अपना संगठन तैयार करने का अभियान चलाएगी। इसके तहत दो माह बाद संगठन का विस्तार उपरांत मंडल स्तर पर सम्मेलन झांसी में आयोजित किया जाएगा।

सपा की व्यापारी सभा हर बाजार में सक्रिय रूप से अपने प्रतिनिधि नियुक्त करेगा, पूरे प्रदेश की 403 विधानसभा में हम अपनी कार्यकारिणी गठित करेंगे, हमारे व्यापार सभा के सभी साथी और सभी पदाधिकारी लगातार बाजार, व्यापारियों ,दुकानदारों और बुंदेलियों के बीच जाकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की पोल खोलेंगे और उन्हें अगर आज अपना अस्तित्व बचाना है और यदि आने वाली पीढ़ियों को बचाना है उनके लिए स्वर्णिम भविष्य चाहिए तो समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव का साथ उन्हें देना होगा।

पिछले साल सितम्बर से ही यह मुहिम चलायी जा रही है लेकिन इस पर भी कोविड का असर रहा और मार्च से ही कोविड काल में पूरा कामकाज रूका रहा। अब स्थितियां फिर से ठीक होने के कारण झांसी आ पाया हूं और आज भी संगठन के पदाधिकारियों से बात हो पायी है। अब हम सितम्बर में पूरे मंडल का एक बड़ा सम्मेलन करेंगे और व्यापारियों की आवाज को बुलंद कर समाजवादी पार्टी के घोषणापत्र में शामिल करायेंगे तथा यहां के व्यापारियों को न्याय दिलायेंगे।

निवर्तमान जिलाध्यक्ष महेश कश्यप ने कहा कि भाजपा सरकार किसानो पर टैक्स का बोझ लाद रही है जबकि पूंजीपतियों को सरकार ज्यादा सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। संगठन को दुरुस्त किया जाएगा और अच्छे एवं अनुभवी कार्यकर्ताओं को पार्टी के संगठन में जिम्मेदारी दी जाएगी। जिलाध्यक्ष अजय पं सतेन्द्रपुरी गोस्वामी ने कहा कि भाजपा सरकार से व्यापारियों का मोहभंग हो चुका है, व्यापारियों के साथ सरकार ने छलावा किया है। आगामी समय में व्यापारी अब समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने को संकल्पित हैं।

देवी-देवताओं पर अपमानजनक पोस्ट करने वाले डिप्टी सीएमओ पर कार्रवाई की मांग

इटावा,संवादाता। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में तैनात डिप्टी सीएमओ श्रीनिवास यादव की ओर से देवी देवताओ को लेकर सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट को लेकर हिंदु वादी संगठनो का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है । संगठनों के गुस्से की पीछे अहम कारण यह है कि अभी तक आरोपी डिप्टी सीएमओ के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है ।

इसी को लेकर हिंदु सेवा समिति के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने आज इटावा कचहरी पर बडी तादात मे समर्थको को लेकर प्रदर्शन कर आरोपी डिप्टी सीएमओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर अधिकारियो को ज्ञापन सौंपा।

प्रदीप शर्मा ने कहा कि आस्था बहुत बड़ी चीज है और अगर कोई हमारी आस्था से खिलवाड़ करता है या कोई देवी देवताओ को लेकर मजाक करता है तो उसका अंजाम ठीक नहीं होगा। भारत में देवी-देवताओं को बहुत सम्मान की दृष्टी से देखा जाता है और लोग उनके सामने शीश झुकाते हैं ,लेकिन जब कोई उसका मजाक बनाता है तो लोगों में गुस्सा व रोष आना स्वभावित है।

गौरतलब है कि इटावा में स्वास्थ्य विभाग के तैनात डिप्टी सीएमओ श्री निवास यादव के पर आरोप है कि उन्होंने एक व्हाट्सप्प ग्रुप में हिन्दू देवी देवताओं व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। जिसका स्क्रीनशाट शोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। यह सूचना सोशल मीडिया पर वायरल होते ही विभिन्न हिन्दूवादी संगठनों के साथ भाजपा नेताओं ने मामले की शिकायत आलाधिकारियों से कर आरोपी के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने के लिए कहा गया था ।आरोपी पर कोई कार्रवाई न होने को लेकर नाराज हिन्दू सेवा समिति के कार्यकर्ताओं ने अध्यक्ष प्रदीप शर्मा के आह्वान पर कचहरी परिसर में धरना प्रदर्शन किया।

छह असलहा तस्कर गिरफ्तार,हथियार बरामद

बस्ती, संवादाता। उत्तर प्रदेश में बस्ती जिला पुलिस ने हर्रैया इलाके में हुई मुठभेड़ में छह असलहा तस्करों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से बड़ी संख्या में हथियार बरामद किये ।पुलिस प्रवक्ता ने यहां यह जानकारी दी। उन्होने बताया हर्रैया थाने की पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान छह असलहा तस्करों अखिलेश शर्मा,राजन तिवारी उर्फ राजनाथ तिवारी,राहुल सिंह उर्फ अमिताभ सिंह,राजू पाठक,विनय भाष्कर सिंह और विशाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से दो 32 बोर की देशी पिस्टल, विभिन्न बोर के आठ तमंचे और कुछ जिंदा व खोखा कारतूस और दो मोटर साइकिल बरामद की ।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों ने बताया गया कि इन लोगों का एक संगठित गिरोह हैं, जिसका लीडर विशाल सिंह,राजन तिवारी उर्फ राजनाथ तिवारी है ।

मां बेटे की रहस्यमय हत्या

बुलंदशहर संवादाता। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के खुर्जा नगर में मां बेटे की रहस्यमई तरीके से हत्या कर दी गई । बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी ।

पुलिस ने आज यहां कहा कि खुर्जा नगर के हरी एंक्लेव कॉलोनी में रश्मि अपने बेटे विनोद के साथ रहती थी जबकि पति समेत अन्य परिवार के सदस्य गांव में रहते हैं। मंगलवार रात करीब 11 बजे कॉलोनी वासी लोगों को उनके घर से बदबू आई, तो उन्होंने घर में झांक कर देखा। बरामदे में मां बेटे के पैर दिखाई दिए जबकि मकान में बाहर से ताला लगा हुआ था। पुलिस द्वारा मकान का ताला तोड़कर अंदर जाने पर बरामदे में मां बेटे के शव पडे हुए मिले । शव दो-तीन दिन पुराने लग रहे थे तथा उनसे बदबू आ रही थी।

Email: sindhutimes99@gmail.com

web: www.sindhutimes.in

लखनऊ, बुधवार, 14 जुलाई 2021

राजधानी

सिन्धु टाइम्स 3

सपा अपनी सरकार के विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को सामने रखकर चुनाव में उतरेगी

लखनऊ ब्यूरो। समाजवादी पार्टी(सपा) अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी सरकार के विकास कार्यों और उपलब्धियों को सामने रखकर चुनाव में उतरेगी।

सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की अध्यक्षता में विधान परिषद सदस्यों की बैठक प्रदेश में राजनीतिक-आर्थिक स्थिति पर चर्चा के साथ अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में संकल्प लिया गया कि आगामी चुनावों में पार्टी अपनी सरकार के विकास कार्यों और उपलब्धियों को सामने रखकर चुनाव में उतरेगी। भाजपा सरकार अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में हर मोर्चे पर विफल रही है।

बैठक में कहा कि भाजपा राज में किसानों और नौजवानों की सबसे ज्यादा दुर्दशा हुई है। भाजपा ने किसानों के साथ किया एक भी वादा पूरा नहीं किया है न तो उसकी फसल की एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर खरीद हुई और नहीं वादे के अनुसार उसे लागत का डयोढ़ा मूल्य मिला। उसकी आमदनी दुगनी करने का वादा भी भाजपा ने नहीं निभाया हैं। उल्टे किसान की खेती पूंजी घरानों की बंधक बनाने के लिए तीन काले कृषि कानून आ गए हैं। किसानों के आंदोलन को दबाने की साजिशें हो रही हैं।

सपा नेताओं ने यह भी कहा गया कि नौजवानों को नौकरी देने के नाम पर सिर्फ उन्हें बहकाने का काम किया गया है। भाजपा सरकार ने प्रदेश के नौजवानों को चार लाख नौकरियां देने का झूठा वादा किया। नौजवान नौकरी के लिए मारा-मारा फिर रहा है। औद्यौगिक संस्थान कर्मचारियों की छंटनी कर रहे है जिससे बेरोजगारी बढ़ रही है। नौजवानों का भविष्य अंधकार में है।

बैठक में कहा गया कि भाजपा राज में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। महिलाओं और बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ी है। व्यापारियों के अपहरण और हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। जनता महंगाई से परेशान है। पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, तेल, खाद्य पदार्थ सभी के भाव आसमान छू रहे हैं, विकास कार्य ठप्प हैं।

विधान परिषद सदस्यों ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र विरोधी दल है। उसकी मानसिकता एकाधिकारी प्रवृर्ति की है। इसके चलते संवैधानिक संस्थाओं को लगातार कमजोर किया जा रहा है। देश संक्रमण की स्थिति में है।

बैठक में अखिलेश यादव ने सभी से वैक्सीन लगवाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कोरोना संकट से बचाव के लिए हमें सतर्क और सजग रहना होगा।

पार्टी नेताओं ने कहा गया कि प्रदेश की जनता के समक्ष जो चुनौतियां है उनके निवारण में समाजवादी पार्टी ही सक्षम है। समाजवादी पार्टी ही राज्यों को विकास के रास्ते पर ले जा सकती है। जनता का भरोसा समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर है।

बैठक में राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो0 रामगोपाल यादव, नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद अहमद हसन तथा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सपा जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में धांधली के आरोप के साथ कल करेगी विरोध प्रदर्शन

लखनऊ ब्यूरो। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री खिलेश यादव ने क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत के अध्यक्षों के चुनाव में भाजपा सरकार द्वारा की गई कथित धांधली के विरोध में 15 जुलाई को तहसील स्तर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील की है।श्री अखिलेश यादव आज पार्टी मुख्यालय में विधान परिषद सदस्यों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में समाजवादी पार्टी के सदस्य बहुमत में जीते थे। लेकिन भाजपा सरकार ने सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग करते हुए अध्यक्ष के पदों पर अपना कब्जा जमा लिया। भाजपा सरकार ने कई जनपदों में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों के नामांकन पत्र नहीं दाखिल होने दिए, कई क्षेत्र पंचायत सदस्यों का अपहरण कर लिया गया और कईयों का पुलिस द्वारा उत्पीड़न कराया गया है।

कानपुर में साइबर ठगों ने अंतराष्ट्रीय कालसेंटर की आड़ में किया ठगी का बड़ा खेल

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के कानपुर में अंतराष्ट्रीय काल सेंटर की आड़ में चल रहे ठगी के बड़े नेटवर्क का पुलिस कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच ने खुलासा किया है।

काल सेंटर के नाम पर अमेरिकी लोगों के सिस्टम और डेटा का हैक कर ठगों के इस गिरोह ने करीब नौ लाख डालर की ठगी कर डाली है।पुलिस ने काल सेंटर के मैनेजर व मास्टर माइंड समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से आज मिली जानकारी के अनुसार थाना काकादेव क्षेत्र में चल रहे इस काल सेंटर को नोयडा निवासी मुनेंद्र चला रहा था।मुनेंद्र ने पुणे विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंगकी पढ़ाई की है।पिछले साल लाकडाउन में मुनेंद्र दिल्ली की एक कंपनी के संपर्क में आया और इसके बाद काकादेव में काल सेंटर की स्थापना की । अंतराष्ट्रीय कालसेंटर से लोगों की मदद की जगह ठगी का धंधा तेजी से चल रहा था।

अंतराष्ट्रीय काल सेंटर के द्वारा वह लोगों को बिल्कुल अनोखे अंदाज में फंसाते थे। किसी भी साइट पर आने वाले विज्ञापन जैसे 10 दिन में मोटापा घटाएं, पेट कम करें, घुटनों को मजबूत करें, लंबाई बढ़ाए, झड़ने वाले बालों को रोके आदि को जैसे ही अमेरिका में बैठा कोई व्यक्ति क्लिक करता था। वैसे ही मालवेयर जो कि एक प्रकार का वायरस होता था उसके सिस्टम में आ जाता था।

मडियांव इलाके में युवक ने की आत्महत्या

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में लखनऊ के मड़ियांव क्षेत्र में एक युवक ने नशे में घर में आकर झगड़ा करने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।पुलिस सूत्रों ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बड़ा खुदान नौबस्ता निवासी 24 वर्षीय शैलेश कुमार वर्मा कल रात शराब के नशे में घर आया और परिजनों से झगड़ा करने लगा, जिसपर परिवार के सभी लोग घर की छत पर चले गये थे। उन्होंने बताया कि रात करीब दस बजे शैलेश ने कमरा बन्द कर पंखे में दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली,जिससे उसकी मृत्यु हो गई।उन्होंने बताया कि मृतक अविवाहित था जो मजदूरी करता था। उन्होंने बताया शैलेश मूल रुप से सीतापुर जिले के तहरपुर इलाके का रहने वाला था।

युवक की चाकू मारकर हत्या,आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के रूद्रपुर क्षेत्र में बुधवार को एक हमलावार ने घर से खेत की ओर गये युवक की चाकू से हत्या कर दी।पुलिस अधीक्षक डा.श्रीपति मिश्र ने यहां बताया कि क्षेत्र के तिवई गांव के शत्रुघ्न का बेटा राहुल आज सुबह गांव से खेत की ओर गया था । इसी बीच पहले से घात लगाकर बैठे गांव के ही वकील नामक हमलावर ने चाकू से ताबड़तोड़ प्रहार कर उसे गम्भीर रुप से घायल कर फरार हो गया। उन्होंने बताया कि घायल युवक को अस्पताल भेजा गया,जहां उसकी मृत्यु हो गई।उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में मामला दर्ज कर हत्यारोपी वकील को रुद्रपुर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अखिलेश को आत्मावलोकन की जरूरत - स्वतंत्रदेव

लखनऊ ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने मंगलवार को कहा कि पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक अपनी राजनीतिक जमींन गंवा चुके सपा प्रमुख अखिलेश यादव को आत्मावलोकन की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि आंतकियों की पैरोकारी करने वाले लोगों के मुंह से अपराध व आंतक पर सवाल खड़े करना शोभा नहीं देता है। लोकतंत्र की दुहाई देने वाले लोग जनादेश को स्वीकार करने के बजाय कभी खुलेआम अधिकारियों को सत्ता में आने पर निपट लेने की धमकी देते है तो कभी आंतकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने वाली पुलिस पर अविश्वास की बाते करके आंतकियों के हौसले बुलंद करते है। उनकी राजनैतिक महत्वाकांक्षाएं देश व प्रदेश की सुरक्षा के विपरीति धारा में बहती रही है।श्री सिंह ने कहा समाजवादी सरकार में सत्ता के कई केन्द्र हुआ करते थे। उस दौर में मुख्यमंत्री के साथ ही नेता जी (मुलायम सिह यादव) , चाचा जी (शिवपाल यादव), ताऊ जी (प्रो रामगोपाल यादव) और उनके मुंह बोले चचा (आजम खां) सत्ता का संचालन किया करते थे। आज सपा प्रमुख अपने कार्यकाल को याद करके भाजपा पर व्यर्थ आरोप लगा रहे है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार ने सुदृढ़ कानून व्यवस्था से भयमुक्त उत्तर प्रदेश की परिकल्पना को साकार रूप दिया, भ्रष्टाचार पर सशक्त प्रहार हुआ, कोविड महामारी पर नियत्रंण, प्रदेश में फैला सड़को का जाल व सुचारू विद्युत आपूर्ति जैसे निर्णयों व योजनाओं ने विश्व के सामने योगी को सशक्त मुख्यमंत्री के रूप प्रस्तुत किया है। सपा प्रमुख की हताशा व निराशा का कारण मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार की जनता में लगातार बढ़ रही लोकप्रियता है।

प्रतापगढ़ में कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को भेजा जायेगा जेल-अंतिल

प्रतापगढ़,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने कहा है कि कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को जेल भेजा जायेगा।

श्री अंतिल ने आज यहां संवाददताओं के साथ बातचीत करते हुए कहा कि हम चाहते है कि जिले में आने व रहने वाले हर व्यक्ति में सुरक्षा का भाव व सम्मान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करके जेल भेजा जाएगा और किसी को भी किसी को भी कानून को तोड़ने नहीं दिया जाएगा। इसके लिए भले ही मुझे खुद मुकदमा दर्ज कराने के लिए वादी बनना पड़े।पुलिस अधीक्षक कहा कि,जन सुनवाई व विवेचना समय से हो ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने कहा कि शराब माफियाओं के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करके सजा दिलाई जाएगी उन्होंने कहा कि अपराध में जो भी पुलिसकर्मी संलिप्त होगा उसे भी जेल भेजा जायेगा।गौरतलब है कि प्रतापगढ़ में नए पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने कल देर शाम अपना कार्यभार संभाला था। इसके पहले श्री अंतिल प्रतापगढ़ के पड़ोसी जिले फतेहपुर में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पद पर तैनात रहे। वर्ष 2015 बैच के आईपीएस अधिकारी श्री अंतिल मूल रूप से हरियाणा के रहने वाले हैं। इनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए 2020 के स्वतंत्रता दिवस पर उन्हें गैलेंट्री अवार्ड से सम्मानित किया गया था।

रुद्रपुर में मंत्री ने किया कोविड हेल्प डेस्क का शुभारंभ

देवरिया,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री जयप्रकाश निषाद ने आज जिले के रूद्रपुर स्वास्थ्य केंद्र पर भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) द्वारा सेवा ही संगठन अभियान के तहत कोविड हेल्प डेस्क का उद्घाटन किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यहां से उन लोगों को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मदद दी जाएगी जो कोरोना का वैक्सीन लगवाने आयेंगे। सेवा ही संगठन के तहत पार्टी के कार्यकर्ता कोरोना के आरम्भ से ही लोगों की सेवा कर रहे है। इस हेल्प डेस्क पर कोरोना संक्रमित मरीजों के स्वास्थ्य सुविधाओं संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी जाएगी,इसके अलावा वैक्सिनेशन के लिये आने वाले लोगों को जलपान,मास्क,सैनिटाइजर आदि भी कार्यकर्ताओ द्वारा दिया जायेगा।श्री निषाद ने विपक्षी दलों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जहां एक ओर भाजपा के कार्यकर्ता लोगों की सेवा में लगे है,वही विपक्षी दल लोगों की सेवा के बजाय भ्रम फैलाने में लगे है।

उप्र में कोरोना के 90 नये मामले

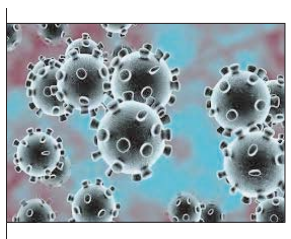

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के लगातार घटते मामलों के बावजूद टेस्टिंग की रफ्तार बदस्तूर तेज बनी हुयी है।राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने आज शाम यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया पिछले 24 घंटे में 2,56,975 सैम्पल की जांच की गयी है। प्रदेश में अब तक कुल 6,13,38,782 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 90 नये मामले आये हैं। प्रदेश में विगत 24 घंटे में 134 लोग तथा अब तक कुल 16,83,453 लोग कोविड-19 से ठीक हो चुके हैं।

उन्होंने बताया कि कोविड-19 से ठीक होने वालों का प्रतिशत 98.6 प्रतिशत है। प्रदेश में कोरोना के कुल 1428 एक्टिव मामले हैं। प्रदेश में प्रतिदिन की पॉजिविटी दर 0.04 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक सर्विलांस टीम के माध्यम से 2,95,213 क्षेत्रों में 6,48,373 टीम दिवस के माध्यम से 3,58,59,159 घरों के 17,23,78,901 जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया है।

श्री प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में 24 घंटे में 6,39,217 लोगों को वैक्सीन की डोज दी गयी है। पहली डोज 3,24,68,531 लोगों को तथा दूसरी डोज 60,84,096 लोगों को तथा अब तक कुल 3,85,52,627 डोजें लगायी गयी हैं।

उप्र में सभी तटबन्ध सुरक्षित हैं कहीं भी चिन्ताजनक परिस्थिति नहीं-प्रसाद

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त रणवीर प्रसाद ने बताया कि प्रदेश के वर्तमान में सभी तटबन्ध सुरक्षित हैं और कहीं भी किसी प्रकार की चिन्ताजनक परिस्थिति नहीं है।

श्री प्रसाद ने आज शाम यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 24 घंटे में प्रदेश में तीन मिमी औसत वर्षा हुई है, जो सामान्य वर्षा से 10 मिमी के सापेक्ष 30 प्रतिशत है। इस प्रकार प्रदेश में एक जून से अब तक 176.7 मिमी औसत वर्षा हुई, जो सामान्य वर्षा 207.7 मिमी के सापेक्ष 85 प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि रोहिणी नदी, त्रिमोहिनी घाट पर तथा शारदा नदी पलियाकलॉ लखीमपुर खीरी खतरे के जलस्तर से ऊपर बह रही है। प्रदेश के वर्षा से प्रभावित जिलो में सर्च एवं रेस्क्यू के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ तथा पीएसी0 की कुल 37 टीमें तैनाती की गयी है, 291 नावें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगायी गयी है तथा 126 मेडिकल टीमें लगायी गयी है। बचाव टीमों ने अभी तक 152 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है।श्री प्रसाद ने बताया कि अब तक कुल 3675 ड्राई राशन किट वितरित किए गये हैं। अब तक कुल 11,701 फूड पैकेट वितरित किए गए हैं। प्रदेश में 330 बाढ़ शरणालय तथा 590 बाढ़ चैकी स्थापित की गयी है। प्रदेश में 24 घंटों में स्थापित किए गए पशु शिविर की संख्या 02 अब तक कुल 136 पशु शिविर स्थापित किये गये हैं।

योगी ने टोक्यों ओलम्पिक में भाग लेने वाले 10 खिलाड़ियों का बढ़ाया मनोबल

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टोक्यों ओलम्पिक 2020 में हिस्सा लेने वाले उत्तर प्रदेश के 10 खिलाड़ियों को वर्चुअल बातचीत कर उनका मनोबल बढाया।

मुख्यमंत्री बधवार को टोक्यों ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाले 10 खिलाडियों प्रियंका गोस्वामी, अन्नू रानी, सौरभ चौधरी, मेराज अहमद खान, अरविन्द सिंह, सीमा पुनिया, वंदना कट्यरिया, सतीश कुमार, शिवपाल सिंह एवं ललित कुमार उपाध्याय से वर्चुअल बाच कर उनका मनोबल बढ़ाया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के इस काल खण्ड में आपके प्रयासों से नई पीढ़ी को स्फूर्ति एवं प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल खण्ड में आप द्वारा देश एवं प्रदेश की मान बढ़ने के लिए किये जा रहे प्रयास नई पीढ़ी के लिए अनुकरणीय रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा ओलम्पिक में एकल खेल में स्वर्ण पदक लाने वाले खिलाड़ियों को छह करोड़ रजत पदक लाने वाले को चार करोड़ तथा कांस्य पदक लाने वाले खिलाड़ी दो करोड़ तथा प्रतिभा करने वाले खिलाड़ियों को 10 लाख रूपये तथा टीम खेल में स्वर्ण पदक लाने पर तीन करोड़, रजत पदक लाने पर दो करोड़, कांस्य पदक लाने पर एक करोड़ एवं प्रतिभाग करने पर 10 लाख रूपये सहयोग करती है।

आनलाइन स्थानांतरण, सरकारी झुनझुने के अलावा कुछ नहीं : रमेश सिंह

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश सिंह ने आज कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षकों के ऑनलाइन स्थानांतरण केवल सरकारी झुनझुने के अलावा और कुछ नहीं है ।कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बुधवार को हमारे संवाददाता से बात कर रहे थे । उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के उप-मुख्यमंत्री, जो माध्यमिक शिक्षा मंत्री भी हैं और अपने विभागों में नित नये-नये एवं अनूठे प्रयोगों के लिए भी जाने जाते हैं का एक नया प्रयोग सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में आनलाइन स्थानांतरण के रूप में सामने आया है। यद्यपि कि संगठन द्वारा आर्थिक शोषण रहित आनलाइन स्थानांतरण के लिए लम्बे समय से संघर्ष किया जा रहा है और जब सरकार इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ी तो यह आशा जगी थी कि कदाचित शिक्षकों का स्थानांतरण उनकी सुविधानुसार, भ्रष्टाचार मुक्त ढंग से सम्पन्न हो सकेगा। लेकिन शिक्षा विभाग और उसके अधिकारी गण ने सरकार की नीतियों को ही पलीता लगा दिया।श्री सिंह ने कहा कि विभाग द्वारा आनलाइन स्थानांतरण के लिए जो रिक्त पद दर्शाए गए हैं, वे सही नहीं हैं। अधिकांश जनपदों में विभागीय अधिकारियों और प्रबन्धकों की मिली भगत से रिक्त पदों की सही सूचना शासन को प्रेषित ही नहीं की गई है जिससे शिक्षकों का आनलाइन स्थानांतरण टेढ़ी खीर बनकर रह गया है।यदि सरकार वास्तव में आनलाइन स्थानांतरण के प्रति संवेदनशील है तो उसे सभी जनपदों से विगत 10 वर्षों में रिक्त होने वाले पदों, रिक्ति का कारण अधियाचन प्रेषण की स्थिति, पदोन्नति, स्थानांतरण एवं वर्तमान स्थिति का पूरा विवरण मंगाते हुए उनके परीक्षणोपरान्त ही वर्तमान में रिक्त पदों की सूचना शिक्षकों को उपलब्ध करायी जाये जिससे कि उन्हें मनचाहा /सुविधानुसार स्थानान्तरण की सुविधा मिल सके।

एसटीएफ ने किए चार तस्कर गिरफ्तार, 20 लाख की शराब बरामद

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अन्तर्राज्यीय स्तर पर अंग्रेजी शराब की तस्करी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को आज बारांबंकी के राम सनेही घाट इलाके से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 139 पेटी विभिन्न ब्राण्ड शराब बरामद की,जिसकी कीमत लगभग 20 लाख रुपये आंकी गई है।

एसटीएफ प्रवक्ता ने आज शाम यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विगत काफी समय से सूचना प्राप्त हो रही थी कि अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर गिरोहों दिल्ली, पंजाब व हरियाणा से अंग्रेजी शराब की तस्करी प्रदेश के रास्ते बिहार प्रान्त के विभिन्न जिलो में की जा रही है। इस सम्बन्ध में एसटीएफ की विभिन्न इकाईयों को अभिसूचना संकलन एवं कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया था।

उन्होंने बताया कि इसी क्रम में प्रयागराज फील्ड इकाई के पुलिस उपाधीक्षक नवेन्दु कुमार के पर्यवेक्षण में

शराब तस्करी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोहों के विरूद्ध अभिसूचना संकलन की कार्रवाई जा रही थी। इसी क्रम में आज

प्रयागराज एसटीएफ की फील्ड इकाई के उपनिरीक्षक रणेन्द्र कुमार सिंह की टीम को सूचना मिली कि शराब तस्कर हरियाणा से मिट्टी खोदने की मशीन में कैविटी बनाकर अंग्रेजी शराब विक्रय के लिए लखनऊ के रास्ते बाराबंकी होते हुए बिहार प्रान्त ले जा रहे है तथा रास्ते में पुलिस के मूवमेन्ट पर नजर रखने के लिए तस्करों द्वारा एक कार के जरिए आगे-आगे चलते हुए स्कोर्ट भी किया जा रहा है। इस सूचना पर एसटीएफ की टीम मुखबिर द्वारा बताये हुये स्थान पर पहुँचकर वाहन का इन्तजार करने लगी।

प्रवक्ता ने बताया कि थोड़ी देर में मुखबिर द्वारा बताये गये वाहन आते हुए दिखाई दिए, जिन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो स्कोर्ट कर रही कार व मशीन को खींच रहे टैक्टर चालक मौके से भागने का प्रयास करने लगे। एसटीएफ नेभाग रहे कार सवार व ट्रैक्टर चालकों को दिलौना मोड़ स्वास्तिक ढाबे के पास से पकड़ लिया गया। गिरफ्तार लोगों में बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी सन्तोष पासवान ,मोतिहारी, बिहार निवासी अशोक पासवान के अलावा हरियाण के भिवानी निवासी मनीष और ट्रैक्टर चालक विकास शामिल हैं। उनके वाहनों से 139 पेटी अंग्रेजी शराब के अलावा स्कोडा कार, ट्रैक्टर बिना नम्बर का और मिट्टी खोदने की मशीन के अलावा पांच मोबाइल फोन और कुछ नगदी बरामद की।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ पर बताया कि रोहतक हरियाणा से नरेन्द्र कुमार, ललित तेवतिया, प्रदीप, अमित माथुर, निवासीगण रोहतक, हरियाणा तथा नवी ग्रेवाल उर्फ लकी सिंह, निवासी चण्डीगण,पंजाब द्वारा अंग्रेजी शराब का एक गिरोह संचालित किया जाता है। इस गिरोह द्वारा विभिन्न राज्यों राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार प्रान्त में अवैध शराब की तस्करी का काम व्यापक पैमाने पर किया जाता है। इसी गिरोह ने इस अवैध अंग्रेजी शराब को बिहार प्रान्त के मोतिहारी जिले तक पहुँचाने के लिए भेजा था तथा बताया था कि मोतिहारी में अवैध शराब की तस्करी करने वाले गिरोह के कुछ लोग तुम लोगों से सम्पर्क करके स्वयं इस अवैध शराब को अपने अड्डे तक

लेकर जायेंगे। गिरफ्तार आरोपियों को राम सनेही घाट थाने में दाखिल करा दिया गया है। आगे की कार्रवाई स्थानीय पुलिस कर रही है।

इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना के तहत 12 के सापेक्ष 9 कार्य हुये पूरे

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश से लगी नेपाल सीमा से सुरक्षा व आवागमन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक निर्माण विभाग द्वारा इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना के तहत बारह में नौ कार्य पूरे हो गये हैं। जिसके तहत लखीमपुर-खीरी व श्रावस्ती में 02-02, बहराईच, पीलीभीत, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर व महाराजगंज में 01-01 कार्य पूर्ण हो गये हैं।सिद्धार्थनगर में 02 कार्य व महाराजगंज में01 कार्य प्रगति पर है जो अगले दिसम्बर तक पूरे कर दिये जायेंगे। इन कार्यों हेतु भारत सरकार से 713.99 करोड़ की धनराशि प्राप्त हुयी, जिसके सापेक्ष रू0 711.20 करोड़ की धनराशि व्यय की जा चुकी है।लोक निर्माण विभाग के विभागाध्यक्ष पी0के0 सक्सेना से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत सरकार द्वारा वर्ष 2017-18 तक रू0 582.49 करोड़ की धनराशि राज्य सरकार को उपलब्ध करायी गयी, वर्ष 2018-19 में रू0 50 करोड़, वर्ष 2019-20 में रू0 18.30 करोड़, वर्ष 2020-21 में रू0 43.20 करोड़, वर्ष 2021-22 में रू0 20 करोड़ का आवंटन विभाग को सीधे निर्गत किया गया है।

विद्युत संशोधन विधेयक के विरोध में दस अगस्त को हड़ताल करेंगे बिजली इंजीनियर

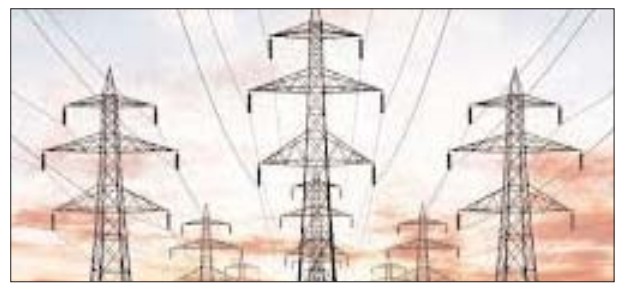

लखनऊ ब्यूरो। विद्युत संशोधन विधेयक के विरोध में देश भर के 15 लाख बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर 10 अगस्त को हड़ताल करेंगे।

ऑल इण्डिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने बुधवार को बताया कि बिजली कर्मचारियों और अभियंताओं की राष्ट्रीय समन्वय समिति नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी ऑफ़ इलेक्ट्रिसिटी इम्पलॉईस एन्ड इंजीनियर्स (एनसीसीओईई) के आह्वान पर देश भर के 15 लाख बिजली कर्मचारी व् इंजीनियर 10 अगस्त को एक दिन की हड़ताल / कार्य बहिष्कार करेंगे 7 एनसीसीओईई की ऑनलाइन हुई मीटिंग में हड़ताल का निर्णय लिया गया ।

मीटिंग में ऑल इण्डिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन,ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ़ पॉवर डिप्लोमा इंजीनियर्स, ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ़ इलेक्ट्रिसिटी इम्पलॉईस (एटक),इलेक्ट्रिसिटी इम्पलॉईस फेडरेशन ऑफ़ इण्डिया (सीटू), इंडियन नेशनल इलेक्ट्रिसिटी वर्कर्स फेडरेशन (इंटक) और ऑल इंडिया पावरमेन्स फेडरेशन के अध्यक्ष व् महामंत्री उपस्थित थे।

श्री दुबे ने बताया कि केंद्र सरकार ने संसद के मानसून सत्र में इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2021 संसद में रखने और पारित करने का एलान किया है जिसके विरोध में बिजली कर्मियों को राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर जाने का फैसला लेना पड़ा है ।

उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि बिजली क़ानून में व्यापक बदलाव वाले इस बिल को जल्दबाजी में पारित करने के बजाये इसे संसद की बिजली मामलों की स्टैंडिंग कमेटी को भेजा जाना चाहिए और कमेटी के सामने बिजली उपभोक्ताओं और बिजली कर्मियों को अपने विचार रखने का पूरा अवसर दिया जाना चाहिए।

बिजली इंजीनियर ने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 में उत्पादन का लाइसेन्स समाप्त कर बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन का निजीकरण किया गया जिसके परिणाम स्वरुप देश की जनता को निजी घरानों से बहुत महंगी बिजली की मार झेलनी पड़ रही है। अब इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2021 के जरिये बिजली वितरण का लाइसेंस लेने की शर्त समाप्त की जा रही है जिससे बिजली वितरण के सम्पूर्ण निजीकरण का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।इस बिल में प्राविधान है कि किसी भी क्षेत्र में एक से अधिक बिजली कम्पनियाँ बिना लाइसेंस लिए कार्य कर सकेंगी और बिजली वितरण के लिये यह निजी कम्पनियाँ सरकारी वितरण कंम्पनी का इंफ्रास्ट्रक्चर और नेटवर्क इस्तेमाल करेंगी। उन्होंने बताया कि निजी कम्पनियाँ केवल मुनाफे वाले औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को ही बिजली देंगी जिससे सरकारी बिजली कंपनी की वित्तीय हालत और खराब हो जाएगी। इस प्रकार नए बिल के जरिये सरकार बिजली वितरण का सम्पूर्ण निजीकरण करने जा रही है जो किसानों और गरीब घरेलू उपभोक्ताओं के हित में नहीं है ।

उन्होंने बताया कि इस बिल के विरोध में 19 जुलाई को देश भर में बिजली कर्मी विरोध सभाएं करेंगे। इसके बाद 27 जुलाई को नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी ऑफ़ इलेक्ट्रिसिटी इम्पलॉईस एन्ड इंजीनियर्स (एनसीसीओईई) के राष्ट्रीय पदाधिकारी केंद्रीय विद्युत् मंत्री आर के सिंह से दिल्ली में मिलकर उन्हें ज्ञापन देंगे। तीन अगस्त को उत्तरी क्षेत्र , चार अगस्त को पूर्वी क्षेत्र , 05 अगस्त को पश्चिमी क्षेत्र और 06 अगस्त को दक्षिणी क्षेत्र के बिजली कर्मी दिल्ली में श्रम शक्ति भवन पर सत्याग्रह करेंगे। इसके बाद 10 अगस्त को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि केंद्र सरकार ने 10 अगस्त के पहले संसद में बिल रखा तो देश भर के बिजली कर्मी उसी दिन हड़ताल करेंगे ।

संपादकीय

कृषि भूमि सुधार के लिए संघ की पहल को मिल रहा है अभूतपूर्व समर्थन

भारत वर्ष में प्राचीन काल से कृषि के साथ-साथ गौ पालन किया जाता था, जिसके प्रमाण हमारे ग्रंथों में प्रभु कृष्ण और बलराम हैं, जिन्हें हम गोपाल एवं हलधर के नाम से संबोधित करते हैं अर्थात् कृषि एवं गोपालन संयुक्त रूप से अत्यधिक लाभदायी था।इतिहास इस तथ्य का प्रामाणिक दस्तावेज है कि भारत की भूमि पर एक समय दूध की नदियां बहती थीं, वहीं भारत की कृषि भूमि भी सोना उपजाती थी। इसका तात्पर्य यही है कि भारत भूमि की उर्वरा शक्ति बहुत ही अच्छी थी। भारत हर क्षेत्र में इतना सम्पन्न था कि विश्व का कोई भी देश उसके समक्ष ठहर नहीं सकता था। लेकिन आज भारत की कृषि भूमि का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। हालांकि वर्तमान में देश में इस बात के लिए गंभीरता पूर्वक चिंतन होने लगा है कि रासायनिक खादों के चलते कृषि भूमि में जो हानिकारक बदलाव आए हैं, उसे कैसे दूर किया जाए। इस बारे में देश के हित में समर्पण और निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने भूमि सुधार का बहुत बड़ा और आज के लिए अत्यंत आवश्यक अभियान हाथ में लिया है, जिसके अंतर्गत संघ के स्वयंसेवक गांव-गांव जाकर किसानों से भूमि सुधार की दिशा में अभिनव पहल करेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा यह प्रयोग कोई नया नहीं है। संघ के अनेक कार्यकर्ता ग्रामीण उत्थान के कार्यों में लंबे समय से अपेक्षित परिणाम दे रहे हैं। देश के कई गांवों में खेती की दिशा में अभूतपूर्व परिवर्तन लाने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं की टोली ने मध्य प्रदेश के मोहद (नरसिंहपुर) और झिरी (राजगढ़) में ऐसे ही प्रयोग करके भूमि सुधार का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। इन गांवों के किसान जैविक पद्धति से खेती कर जहां भूमि को स्वस्थ बना रहे हैं, वहीं पर्यावरण के प्रदूषण को समाप्त करने में भी योगदान दे रहे हैं। इतना ही नहीं आसपास की गांवों में यह जागृति भी ला रहे हैं कि किसान जैविक पद्धति के आधार पर कृषि कार्य करें। इससे जहां भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी, वहीं मानव के लिए उत्पन्न होने वाले अनाज और सब्जियों की गुणवत्ता में भी व्यापक सुधार होगा। इतना ही नहीं जैविक खेती की अच्छाइयों से प्रभावित होकर देश के कई किसान इस ओर प्रवृत्त हुए हैं और अपेक्षा के अनुसार परिणाम भी प्राप्त हो रहे हैं। यह बात सही है कि कोई भी अच्छा काम करने के लिए समय भी लगता है, लेकिन अच्छे और सुव्यवस्थित रूप से काम किया जाए तो परिणाम अच्छे ही मिलेंगे। रासायनिक खादों के प्रयोग से हमें भले ही जल्दी फसल प्राप्त हो जाए, परंतु उस फसल को अधिक समय तक नहीं रखा जा सकता। रासायनिक खादों के प्रयोग के चलते जो फसल प्राप्त होती है, उसे अधिक धन प्राप्त करने की दृष्टि से ही किया जाता है।

जैविक खेती एक ऐसी पद्धति है, जिसमें रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों के स्थान पर जीवांश खाद के रूप में गोबर की खाद, हरी खाद, जैविक खाद आदि का उपयोग किया जाता है। इससे न केवल भूमि की उर्वरा शक्ति लंबे समय तक बनी रहती है, बल्कि पर्यावरण भी प्रदूषित नहीं होता और कृषि लागत घटने व उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ने से कृषक को अधिक लाभ भी मिलता है।

तरह-तरह के कीटनाशकों के प्रयोग के चलते जैविक और अजैविक पदार्थों के चक्र का संतुलन बिगड़ता जा रहा है और वातावरण प्रदूषित होकर, मानव जाति के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। अब हम रसायनिक खादों, जहरीले कीटनाशकों के उपयोग के स्थान पर जैविक खादों एवं दवाइयों का उपयोग कर अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं, जिससे भूमि, जल एवं वातावरण शुद्ध रहेगा और मनुष्य एवं प्रत्येक जीवधारी स्वस्थ रहेंगे।हरित क्रांति के समय से बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुए एवं आय की दृष्टि से उत्पादन बढ़ाना आवश्यक है। वर्तमान में जिस प्रकार से खेती से किसानों का मोह भंग हो रहा है, उसका एक मात्र कारण रासायनिक खेती ही है। प्राचीन काल में जब हमारे पूर्वज केवल जैविक आधार पर खेती करते थे, तब उत्पादन भी अच्छा होता था और लोगों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता था। यहां तक कि कई फसल और सब्जियां औषधि के नाम से जानी जाती थीं। वह समय फिर से वापस आ सकता है, इसके लिए किसान को पुरानी पद्धति से ही खेती करने के तरीके को अपनाना होगा।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जो भी कार्य हाथ में लेता है, उसमें पूर्णत: भारतीय दृष्टि का समावेश होता है। आशय यही है कि संघ का प्रत्येक कार्य भारत की जड़ों को सींचने वाला ही होता है। भूमि सुधार की दिशा में किए जा रहे अभियान के तहत भी जहां देश के किसानों की खेती लागत को कम करने वाला माना जा रहा है, वहीं इस अभियान से दूषित खाद्य पदार्थों के उपयोग से भी छुटकारा मिलेगा। संघ का यह अभियान ग्रामीण विकास में भी सहायक होगा, इसलिए यह अभियान केवल संघ का अभियान न होकर सम्पूर्ण देश का अभियान बनना चाहिए। यह समय की आवश्यकता है।

-सुरेश हिन्दुस्थानी

प्रसन्न देशों की सूची में आखिर हम नीचे क्यों खिसकते जा रहे हैं

प्रसन्नता से जुड़ी सूचनाओं से हमें अलग-जगहों पर लोगों की मनोदशा को लेकर कुछ जानकारी मिलती है, लेकिन ज्यादा बड़ी बात यह है कि कोरे धन से खुशी तलाशने वालों को ये तथ्य सावधान करते हैं, क्योंकि धन के अलावा खुशहाली के कुछ दूसरे कारक भी हैं।हाल ही में पंजाब विश्वविद्यालय की ओर से देश के 34 शहरों में खुशी का स्तर नापने के लिये एक महत्वपूर्ण सर्वे कराया गया, अब तक इस तरह के सर्वे एवं शोध विदेशों में ही होते रहे हैं, भारत में इस ओर कदम बढ़ाना जागरूक समाज का द्योतक है। इस किये गए सर्वे की रिपोर्ट में लुधियाना, अहमदाबाद और चंडीगढ़ को भारत के सबसे खुश शहरों का तमगा हासिल हुआ है। लोगों की खुशी का स्तर नापने के लिए इस अध्ययन में पांच प्रमुख कारक रखे गए थे- कामकाज, रिश्ते, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, लोकोपकार और धर्म-अध्यात्म। दुनिया के स्तर पर भी हैपिनेस इंडेक्स जारी किए जाने की खबरें हर साल आती रहती हैं। संयुक्त राष्ट्र की ओर से भी विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट जारी की जाती है, वर्ष 2019 में भारत का स्थान 133 से नीचे सरक कर 140वें पायदान पर आ गया था। इस तरह यह गंभीर चिंता की बात है कि हम प्रसन्न समाजों की सूची में पहले की तुलना और नीचे आ गये हैं।

प्रसन्नता से जुड़ी सूचनाओं से हमें अलग-जगहों पर लोगों की मनोदशा को लेकर कुछ जानकारी मिलती है, लेकिन ज्यादा बड़ी बात यह है कि कोरे धन से खुशी तलाशने वालों को ये तथ्य सावधान करते हैं, क्योंकि धन के अलावा खुशहाली के कुछ दूसरे कारक भी हैं, जिनको पंजाब विश्वविद्यालय ने अपने नये सर्वे में चुना है। सरकार के नीति निर्माताओं के अजेंडे पर ये कारण आने चाहिए। इस तरह के सर्वे का उद्देश्य ही प्रसन्न समाज की बाधाओं को सामने लाना एवं प्रसन्न-खुशी समाज निर्मित करना है।

इस तरह के सर्वे रिपोर्ट का आना जहां सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर देता है, वहीं नीति-निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार खुशहाल देशों की सूची में नीचे खिसक रहे हैं।

दुनिया में विकास के जो पैमाने स्थापित हैं क्या वे आम-जन की खुशी एवं प्रसन्नता की बुनियादी जरूरतों पर तय होते हैं? सरकारें खुद को कामयाब दिखाने के लिए जीडीपी के आंकड़े लगातार बढ़ाने की कोशिश करती हैं, उनकी आम लोगों के जीवन को खुशहाल बनाने में कितनी भूमिका है, इस पर अब दुनिया में गंभीर बहस की एवं अनुसंधान की जरूरत है। क्या दुनिया की सरकारें खुशी और प्रसन्नता को आधार बनाकर अपनी नीतियां बनाती हैं? दुनिया में भूटान वह अकेला देश है जहां सरकार बाकायदा जीएनएच (ग्रॉस नेशनल हैपिनेस) इंडेक्स को आधार बनाकर अपनी नीतियां तय करती है और लोगों के जीवन में खुशी लाना अपना लक्ष्य मानती है।ऐसे सर्वे का मकसद विभिन्न देशों के शासकों को आईना दिखाना है कि उनकी नीतियां लोगों की जिंदगी खुशहाल बनाने में कोई भूमिका निभा रही हैं या नहीं? आजादी के बाद के भारत के शीर्ष नेतृत्व ने निरन्तर आदर्शवाद और अच्छाई का झूठ रचते हुए सच्चे आदर्शवाद के प्रकट होने की असंभव कोशिश की है, इसी से जीवन की समस्याएं सघन होती गयी हैं, नकारात्मकता का व्यूह मजबूत होता गया है, खुशी एवं प्रसन्न जीवन का लक्ष्य अधूरा ही रहा है, इनसे बाहर निकलना असंभव-सा होता जा रहा है। दूषित और दमघोंटू वातावरण में आदमी अपने आपको टूटा-टूटा-सा अनुभव कर रहा है। आर्थिक असंतुलन, बढ़ती महंगाई, बिगड़ी कानून व्यवस्था, चरमराते रिश्ते, जटिल होती जीवनशैली, बिगड़ता स्वास्थ्य, महामारियां एवं भ्रष्टाचार उसकी धमनियों में कुत्सित विचारों का रक्त संचरित कर रहा है। ऐसे जटिल हालातों में इंसान कैसे खुशहाल जीवन जी सकता है?

आधुनिक समाज व्यवस्था का यह कटु यथार्थ है कि भौतिक सुविधाओं तक पहुंच एक ठोस हकीकत है जिसे देखा, समझा और नापा जा सकता है। उन सुविधाओं की बदौलत किसको कितनी खुशी मिलती है या नहीं मिलती, यह व्यक्ति की अपनी बनावट, मन:स्थिति एवं सरकार की नीतियों पर निर्भर करता है। इसे कैसे नापा जाए और सरकारें इसे नीति निर्धारण का आधार बनाएं तो उन नीतियों की सफलता-असफलता का आकलन कैसे हो? हालांकि यह व्यक्ति के मनोजगत की बात है, फिर भी इसके कुछ सूत्र पंजाब यूनिवर्सिटी की स्टडी में मिलते हैं। जैसे, आधुनिक पारिवारिक संरचना को लें तो रिपोर्ट में पाया गया कि शादीशुदा लोगों के मुकाबले अविवाहित लोग खुद को ज्यादा खुश बताते हैं। इसका मतलब यह लगाया गया कि स्थिरता की बजाय जिम्मेदारियों के झंझट से बचे रहना खुशी का एक जरिया हो सकता है। विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, सरकारी, पारिवारिक झंझट कम से कम हो, तभी वह खुशहाल हो सकेगा।

सवाल यह भी है कि आखिर वे कौन-सी जरूरतें या जिम्मेदारियां हैं जिनसे किसी को अपने जीवन की खुशी छिनती हुई जान पड़ती है। बच्चों की पढ़ाई की चिंता से मुक्ति एवं बीमार पड़ने पर किसी आर्थिक संकट में फंसे बगैर इलाज हो जाने का भरोसा ऐसे कारण हैं, जो आमजन की छिनती खुशी पर अंकुश लगा सकते हैं। बहरहाल, इस अध्ययन से इतना तो पता चलता ही है कि सरकारी नीतियों की दिशा ऐसी होनी चाहिए जो आम व्यक्ति को खुशी जीवन दे सके। जिसके लिये सरकार की सोच को एवं नीतियों में व्यापक बदलाव की जरूरत है, सरकार की नीतियों का लक्ष्य समाज में सुशासन, प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, जीवित रहने की उम्र, सुरक्षा का भरोसा, सामाजिक सहयोग, कम-से-कम सरकारी औपचारिकताएं एवं झंझट, स्वतंत्रता और उदारता आदि होना चाहिए। लेकिन विडम्बनापूर्ण स्थिति तो यह है कि हमारा भारतीय समाज एवं यहां के लोग पाकिस्तान और बांग्लादेश सहित अपने ज्यादातर पड़ोसी समाजों से कम खुश हैं।

यहां प्रश्न यह भी है कि आखिर हम खुशी और प्रसन्नता के मामलें क्यों पीछे हैं, जबकि पिछले कुछ समय से भारतीय अर्थव्यवस्था की तेजी को पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है। अनेक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संगठनों ने इस मामले में हमारी पीठ ठोकी है। यही नहीं, खुद संयुक्त राष्ट्र ने मानव विकास के क्षेत्र में भारतीय उपलब्धियों को रेखांकित किया है। बावजूद इसके, खुशहाली में हमारा मुकाम नीचे होना आश्चर्यकारी है। दरअसल पिछले तीन-चार दशकों में भारत में विकास प्रक्रिया अपने साथ हर मामले में बहुत ज्यादा विषमता लेकर आई है। जो पहले से समर्थ थे, वे इस प्रक्रिया में और ताकतवर हो गए हैं। यानी लखपति करोड़पति हो गए और करोड़पति अरबपति बन गए। एकदम साधारण आदमी का जीवन भी बदला है लेकिन कई तरह की नई समस्याएं उसके सामने आ खड़ी हुई हैं। नौकरी-रोजगार, अर्थव्यवस्था, महंगाई, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम, रुपया का अवमूल्यन, किसानों की दुर्दशा, भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था, महिलाओं पर बढ़ते अपराध, शिक्षा, चिकित्सा, महामारियां ऐसे अनेक ज्वलंत मुद्दे हैं जिनका सामना करते हुए व्यक्ति निश्चित ही तनाव में आया है, उसकी खुशियां कम हुई हैं, जीवन में एक अंधेरा व्याप्त हुआ है। क्यों होता है ऐसा? कभी महसूस किया आपने? यह स्थितियां एक असंतुलित एवं अराजक समाज व्यवस्था की निष्पत्ति है। ऐसे माहौल में व्यक्ति खुशहाल नहीं हो सकता। एक महान विद्वान ने कहा था कि जब हम स्वार्थ से उठकर अपने समय को देखते हुए दूसरों के लिए कुछ करने को तैयार होते हैं तो हम सकारात्मक हो जाते हैं। सरकार एवं सत्ताशीर्ष पर बैठे लोगों को निस्वार्थ होना जरूरी है। उनके निस्वार्थ होने पर ही आम आदमी के खुशहाली के रास्ते उद्घाटित हो सकते हैं।

खुशहाल भारत को निर्मित करने के लिये आइये! अतीत को हम सीख बनायें। उन भूलों को न दोहरायें जिनसे हमारी रचनाधर्मिता एवं खुशहाल जीवन जख्मी हुआ है। जो सबूत बनी हैं हमारे असफल प्रयत्नों की, अधकचरी योजनाओं की, जल्दबाजी में लिये गये निर्णयों की, सही सोच और सही कर्म के अभाव में मिलने वाले अर्थहीन परिणामों की। एक सार्थक एवं सफल कोशिश करें खुशहाली को पहचानने की, पकड़ने की और पूर्णता से जी लेने की।

-ललित गर्ग

सबको साथ नहीं रख सके अखिलेश, मुलायम अस्वस्थ क्या हुए पूरा समाजवादी परिवार ही बिखर गया

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने पैतृक गांव सैफई में अपने आवास पर होली का मंच सजाया। वहीं, शिवपाल सिंह यादव ने सैफई में ही अपने एक स्कूल में मंच सजा कर होली मनाई। इस दौरान दोनों ही नेताओं के साथ होली मनाने वाले लोगों की भीड़ रही।तमाम गिले-शिकवे भुलाकर गले मिलने का त्यौहार होली इस बार मुलायम सिंह यादव कुनबे को करीब नहीं ला सका और परिवार के दो अहम सदस्यों सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव ने सोमवार को अलग-अलग मंचों से होली मनाई। ऐसे में जबकि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में अब एक साल से भी कम समय रह गया है तब भी समाजवादी परिवार में इस तरह का बिखराव बना रहना पार्टी की चुनावी संभावनाओं को बड़ा नुकसान पहुँचा सकता है। देखा जाये तो अखिलेश और शिवपाल के बीच मतभेद चरम स्तर पर पहुंचने पर भी यह परिवार हमेशा होली के मौके पर सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के सानिध्य में एकजुट नजर आता था, मगर इस बार नजारा बिल्कुल उलट था।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने पैतृक गांव सैफई में अपने आवास पर होली का मंच सजाया। वहीं, शिवपाल सिंह यादव ने सैफई में ही अपने एक स्कूल में मंच सजा कर होली मनाई। इस दौरान दोनों ही नेताओं के साथ होली मनाने वाले लोगों की भीड़ रही। दोनों ही कार्यक्रमों में परंपरागत लोकगीत, फाग गायन और लोक परंपराओं का प्रदर्शन हुआ लेकिन वह नहीं हो सका जिसका लोगों को इंतजार था। दोनों नेताओं के अलग-अलग मंच सजे रहे। एक ओर जहां शिवपाल अपने मंच पर अपने समर्थकों के साथ मौजूद थे तो दूसरी ओर सपा के मुख्य महासचिव रामगोपाल यादव अखिलेश यादव के मंच पर फाग गाते नजर आए।

गौरतलब है कि वर्ष 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और उनके चाचा तथा तत्कालीन कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव के बीच सरकार और पार्टी में वर्चस्व की जंग छिड़ गई थी जो 2017 के विधानसभा चुनाव आते-आते चरम पर पहुंच गई थी। शिवपाल सिंह यादव ने सपा में अपनी उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाते हुए प्रगतिशील समाजवादी पार्टी-लोहिया नाम से एक अलग दल बना लिया था। हालांकि तब भी होली के मौके पर पूरा परिवार एकजुट नजर आता था। लेकिन इस बार यह दूरी चर्चा का विषय बन गयी है।मुलायम सिंह यादव के आंगन में होली के जश्न के दौरान जहाँ अखिलेश यादव, रामगोपाल यादव, धर्मेंद्र यादव, तेज प्रताप यादव, अक्षय यादव, अभिषेक यादव, अनुराग यादव और कार्तिकेय दिखाई दिये वहीं शिवपाल अपने बेटे आदित्य और समर्थकों के साथ होली मनाते दिखे। अखिलेश यादव ने अपने पैतृक घर इटावा के सैफई में होली मनाने के लिए विशाल मंच बनवाया था। यहां प्रो. रामगोपाल यादव पहुंचे तो परिवार के सबसे बड़े सदस्य होने के नाते अखिलेश यादव ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं और परिवार के साथ फूलों की होली खेली, वहीं मंच पर रामगोपाल ने फागुन गीत गाया। अखिलेश ने समस्त जनता को होली की शुभकामनाएं दीं। सबसे बड़ी और खास बात तो यह रही कि इससे पहले हमेशा सपा प्रमुख अखिलेश यादव और महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव का संबोधन हुआ करता था लेकिन इस बार वह संबोधन नहीं हुआ।लंबे अरसे से अपने भतीजे अखिलेश यादव से वैचारिक मतभेद के चलते अलग पार्टी का गठन कर चुके शिवपाल सिंह यादव ने होली के मौके पर इस दफा एक नई इबारत लिख डाली है। उन्होंने अपने पिता सुधर सिंह के नाम पर स्थापित किए एस.एस. मेमोरियल स्कूल में होली का जश्न अपने समर्थकों के साथ मनाया। पंचायत चुनाव को लेकर जहां एक ओर शिवपाल सिंह यादव ने अपने भतीजे और निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक यादव को एक बार फिर से जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने का आशीर्वाद दिया है ऐसे में शिवपाल सिंह यादव की मुलायम परिवार की होली से दूरी, कहीं न कहीं बड़ा संकेत माना जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल तक अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह होली के दौरान एक मंच पर थे और उस दौरान मुलायम भी मौजूद थे। लेकिन इस बार मुलायम सिंह की गैर-मौजूदगी में अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह का अलग-अलग होली मिलन हुआ।

-अजय कुमार

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं बल्कि उसमें सुधार किया है

मंत्रिमंडल विस्तार में बड़े राज्यों का ज्यादा ख्याल रखा गया। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र आदि राज्यों से ज्यादा मंत्री बनाए गए हैं। केंद्र सरकार एनडीए गठबंधन की है तो बाकी सहयोगी दलों के नेताओं की भी भागीदारी सुनिश्चित की गई।

15 कैबिनेट और 28 राज्य मंत्रियों के साथ बड़े अनोखे और निराले अंदाज में मोदी सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। शपथ ग्रहण का समय छह बजे मुकर्रर था, लेकिन उससे पहले मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा से ज्यादा इस बात की होने लगी कि किन मंत्रियों को हटाया जायेगा। सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री ने अपने आवास पर अमित शाह, राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा के साथ मीटिंग की, तब लोगों को लगा मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मंथन किया जा रहा है। लेकिन मीटिंग में कई मौजूदा मंत्रियों को मंत्री पद से हटाने की पटकथा लिखी जा रही थी। बैठक जैसे ही खत्म हुई तड़ातड़ इस्तीफों की झड़ी लग गई। स्वास्थ्य, शिक्षा व रोजगार की अगुवाई करने वाले सभी मंत्रियों को एक साथ निपटा दिया गया। दर्जन भर मंत्रियों के औसत परफॉर्मेंस को देखते हुए उनकी छुट्टी कर दी गई। कुछों को इनाम भी मिला। कुल 43 मंत्रियों को शामिल किया गया। नई कैबिनेट में कई पूर्व चिकित्सक, आईएएस, इंजीनियर व उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों का जबरदस्त समावेश है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार के कामकाज के लिहाज से बीते सात वर्षों के दरम्यान चर्चा मोदी मंत्रिमंडल की कम, बल्कि मोदी मॉडल की ज्यादा हुई और लगातार हो रही है। क्योंकि सरकार के दोनों कार्यकालों की परस्पर संरचना, अब तक के सभी प्रधानमंत्रियों से अलहदा और जुदा भी रही है। उनके काम करने के अंदाज से तो सभी भली भांति परिचित हैं ही। क्योंकि उनके निर्णय सभी को चौंकाते रहे हैं। इससे पहले भी कई मर्तबा मीडिया में खबरें तैरीं कि मोदी कैबिनेट में फेरबदल होगा। पर, सभी खबरें अफवाह और हवा हवाई साबित हुईं। आम लोगों के अलावा राजनीतिक पंड़ितों के सभी कयास धराशायी हुए। दरअसल, मोदी शुरू से ही अपने काम करने के अंदाज और नीति, नियमों और निर्णयों से देशवासियों को चकित करते रहे हैं। उनके फैसले की किसी को कानों कान भनक तक नहीं लगने देते। यहां तक कि उनके मंत्रियों को भी आभास नहीं हो पाता कि मोदी क्या करने वाले हैं। मीटिंग में मंत्रियों को बुलाया तो जाता है, पर मुद्दा मीटिंग में ही पता चलता है। बेहद गुप्त होते हैं मोदी के फैसले।बहरहाल, मोदी ने शुरू से ही मंत्रिमंडल विस्तार पर ज्यादा विश्वास नहीं किया। पहला कार्यकाल भी ऐसे ही बीता। उन्होंने हमेशा मंत्रियों को अपने पदों पर बने रहने का उपयुक्त और भरपूर वक्त दिया। इसका एक कारण यह भी रहा कि मंत्रियों को ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्रता मिली और उनके कार्य की गुणवत्ता में निखार भी देखने को मिला। इस फॉर्मूले से कई मंत्रियों ने बेहतरीन काम भी करके दिखाया। यही वजह है कुछ विभाग ऐसे हैं जो पिछले कार्यकाल में जिन मंत्रियों के पास थे, वह मौजूदा कार्यकाल में भी यथावत हैं। जबकि, पिछली हुकूमतों में मंत्रियों के विभाग साल के भीतर ही बदल दिए जाते रहे हैं। काबिलेगौर है कि इतनी अल्प अवधि में कोई भी मंत्री अपना परफॉर्मेंस नहीं दे पाएगा और ना दिखा पाएगा। समय और स्वतंत्रता देने के मामले में सभी मंत्री मोदी की तारीफ भी करते हैं। फिलहाल अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल करने के बाद प्रधानमंत्री की कोशिश यही है कि जिन नए मंत्रियों को अपनी टीम में उन्होंने जोड़ा है। वह नवीनतम मंत्री दिए गए पद को रेवड़ियां नहीं समझेंगे, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी समझकर अपने दायित्वों का निर्वाह करेंगे और जनता की सेवा में तनमन से जुटेंगे। विस्तार के रूप में युवाओं से सजाई गई मोदी टीम में भूपेंद्र यादव, ज्योतिरादित्य सिंधिया, हिना गावित, अजय भट्ट, सर्वानंद सोनोवाल, अनुप्रिया पटेल, अश्विनी वैष्णव, अजय मिश्रा जैसे ऊर्जावान मंत्रियों से खुद प्रधानमंत्री बड़ी उम्मीद लगाए बैठे हैं। उन्हें उम्मीद ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि नए मंत्रियों की जिम्मेदारियां कुछ ही समय में परिणामोन्मुख के रूप में दिखाई देंगी। साथ ही शासन व्यवस्था में बदलाव लाने में लक्षित भी होंगी। इस बात से सभी वाकिफ हैं कि प्रधानमंत्री की टीम का हिस्सा बनने का मतलब काम करना होगा, न कि मंत्री बनकर रौब दिखाना और जलवा दिखाना।शासन व्यवस्था में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री ने एक और नए मंत्रालय को बनाया है, मिनिस्ट्री ऑफ को-ऑपरेशन। इस मंत्रालय को बनाने का खास उद्देश्य 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करना होगा। मंत्रिमंडल विस्तार को ज्यादातर लोग आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। पर एक वर्ग इसे बदलाव का बड़ा कदम मानकर देख रहा है। नवीनतम मंत्रालय के जरिए प्रत्येक विभागों में निगरानी के तौर पर प्रशासनिक, कानूनी और नीतिगत ढांचे का प्रसार किया जाना बताया जा रहा है। हालांकि नफा-नुकसान एकाध वर्ष बीत जाने के बाद ही पता चलेगा। मोदी कार्यकाल के सात सालों में पहली मर्तबा मोदी कैबिनेट अब तक की सबसे युवा टीम है, जिसमें महिलाओं का प्रतिनिधित्व भी ठीक-ठीक बढ़ा है। विस्तार से पहले तक मंत्रियों की संख्या 53 मात्र थी, कई विभाग बिना मंत्रियों के रिक्त थे, उन्हें भी भरा गया है। कम मंत्रियों से कैबिनेट चलाने का एक खास मकसद मोदी का खर्चों में बचत करना भी था।मंत्रिमंडल विस्तार में बड़े राज्यों का ज्यादा ख्याल रखा गया। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र आदि राज्यों से ज्यादा मंत्री बनाए गए हैं। केंद्र सरकार एनडीए गठबंधन की है तो बाकी सहयोगी दलों के नेताओं की भी भागीदारी सुनिश्चित की गई। पर, दो नाम ऐसे हैं जिन पर आने वाले समय में परेशानियां हो सकती हैं। नारायण राणे और पशुपति कुमार पारस। नारायण राणे के नाम पर शिवसेना को आपत्ति है। कुछ समय से धीरे-धीरे भाजपा और शिवसेना के रिश्ते मधुरता की तरफ बढ़े हैं, इस बीच राणे को मंत्री बनाना दोनों के रिश्तों में खलल भी डाल सकता है। वहीं, एलजेपी के बागी सांसद और स्वंयभू पार्टी अध्यक्ष पशुपति पारस के नाम पर सांसद चिराग पासवान को घोर एतराज है। उनका कहना है कि उनकी बिना इजाजत के उनकी पार्टी से कोई मंत्री कैसे बन सकता है। इसके लिए उन्होंने कोर्ट तक जाने की धमकी दे डाली है।वैसे, बीते मंत्रिमंडल विस्तार के अनुभव तो यही कहते हैं कि केंद्र सरकारों में फेरबदल का मतलब सियासी जरूरतों का पूरा करना और चुनावों में फायदा उठना ही होता है। लेकिन इस बार ऐसा कुछ दिखाई नहीं पड़ता। कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिनके हालात कोरोना संकट में खराब हुए हैं। मोदी टीम में विस्तार करने का मुख्य मकसद यही है कि उन क्षेत्रों में टीमवर्क के जरिए कठिन समस्याओं से निबटा जाए। हालांकि टाइमिंग कुछ ऐसी है जो सीधे आरोप लगाती है कि आगामी कुछ महीनों में पांच राज्यों में चुनाव होने हैं, उनको ध्यान में रखकर मोदी मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया है। विपक्षी पार्टियां खासकर कांग्रेस तो यही कह रही है। बाकी आने वाला समय बताएगा, मंत्रिमंडल विस्तार फायदे के लिए किया गया या जनता की भलाई के लिये।

-डॉ. रमेश ठाकुर

संक्षिप्त खबरें

पहली बारिश में ही झबरेड़ा में घरों में घुसा पानी

रुड़की वार्ता। पहली बारिश में ही मुख्य बाजार और कई मोहल्लों में लोगों के घरों में पानी घुस गया। इससे नगर पंचायत की नाले सफाई की पोल खुल गई। नगर पंचायत ने सफाई व्यवस्था और नाले की सफाई दुरुस्त रखने के दावे किए थे लेकिन नालों की सफाई ठीक से नहीं होने और पानी की उचित निकासी नहीं होने से बारिश में मुख्य बाजार, मोहल्ला बनजारान, तेलीयान और हरिजनान में सड़क पर पानी भर गया। इससे लोगों के घरों में पानी घुस गया। घरों में गंदा पानी घुसने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर पंचायत अध्यक्ष चौधरी मानवेंद्र सिंह का कहना है कि अधिक बारिश होने से कुछ मोहल्ले में पानी भरा जरूर लेकिन कुछ देर बाद ही पानी आगे निकल गया।

मुकीम के गुर्गे की तलाश में ताबड़तोड़ दबिश जारी

रुड़की वार्ता। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुख्यात मुकीम काला के गुर्गे की तलाश को पुलिस ने पश्चिमी यूपी में डेरा डाल लिया है। घर और रिश्तेदारों के अलावा संभावित ठिकानों पर गंगनहर पुलिस की ताबड़तोड़ दबिश जारी है। बीते रविवार सुबह करीब दस बजे पूर्वावाली निवासी सुनीता स्कूटी पर सवार होकर दुकान पर जा रही थी। इस बीच गणेशपुर अभिलाषा नर्सिंग होम के सामने वाली गली में साजिद उर्फ पिस्टल निवासी गली नंबर. 23 लख्खीपुरा थाना लिसाड़ी गेट मेरठ और गुड्डू उर्फ गुड्डन निवासी चाकपुरी बिजनौर ने सुनीता को आतंकित कर 55 हजार रुपये, फोन और सोने के जेवरात लूट लिए थे। वारदात को अंजाम देकर दोनों बदमाश वहां से फरार हो गए थे। इस बीच सूचना मिली थी कि तांशीपुर-पाडली गुर्जर रोड से होकर बदमाश फरार हो रहे हैं। रविवार रात करीब दस बजे के आसपास पुलिस ने बदमाशों को घेर लिया था। खुद को घिरता देख बदमाश वहां से भागे और गन्ने के खेत में छिपकर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी थी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की और फायरिंग की। जिसमें साजिद उर्फ पिस्टल को गोली लगी थी। जबकि गुड्डू बाइक लेकर फरार हो गया था। साजिद उर्फ पिस्टल से एक पिस्टल, दो मैगजीन, पांच जिंदा कारतूस, दो खोखे, दो ईयर रिंग, दो कड़े, एक चेन, एक फोन और नौ हजार रुपये बरामद हुए थे। इंस्पेक्टर अमरजीत सिंह ने बताया कि मुठभेड के दौरान फरार गुड्डू उर्फ गुड्डन निवासी चाकपुरी बिजनौर की तलाश को कोतवाली पुलिस की टीम पश्चिमी यूपी के इलाकों में दबिश दे रही है।

पालिका की करोड़ों की भूमि पर हुए अवैध कब्जे को कराया खाली

रुड़की वार्ता। नगर पालिका की करोड़ों की भूमि पर एक व्यक्ति द्वारा टीन शेड आदि डालकर कब्जा कर लिया गया था। इसकी शिकायत नागरिकों द्वारा पालिका प्रशासन के साथ-साथ से ज्वाइंट मजिस्ट्रेट से भी की गई थी। मंगलवार को पालिका प्रशासन ने अवैध कब्जे को हटाकर वहां पर बने एक नलकूप भवन को भी ध्वस्त कर दिया। यहां पर पालिका शॉपिंग कंपलेक्स बनाए जाने की तैयारी कर रही है। नगर पालिका भवन के पास अभी भी काफी भूमि पड़ी हुई है। जिस भूमि में शहर चौकी स्थापित है वह भूमि भी नगरपालिका की है। नगर पालिका की भूमि पर एक व्यक्ति द्वारा पिछले दिनों अवैध रूप से टीन शेड आदि डालकर कब्जा कर लिया गया था। नागरिकों द्वारा इस संबंध में पालिका प्रशासन तथा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट से शिकायत की गई थी।

ठेकेदार की गैरहाजिर में अधिकारियों ने निरीक्षण दौरे में औपचारिक खानापूर्ति

शामगढ़। सुवासरा रोड पर 28 करोड़ की लागत से सेतु विकास निगम का ब्रिज 6 माह में ही धँस गया मामले में सोमवार को भोपाल से शामगढ़ पहुँचे सेतु विकास निगम के एसी एमपी. सिंह द्वारा ब्रिज का निरीक्षण किया लगभग 40 मिनिट का दौरा औपचारिक रहा और खाना पूर्ति कर इतिश्री कर ली । ब्रिज धसने की घटना के 4 दिन बाद भी ठेकेदार मौके देखने नही आया। भोपाल से विभाग के इतने बडे अधिकारी ब्रिज धँसने की सूचना के बाद निरीक्षण करने पहुंचे लेकिन फिर भी ठेकेदार नदारद रहा। ठेकेदार की खानापूर्ति भी सेतु विकास निगम के एसडीओ प्रवीण नरवरे करते दिखाई दिए। भोपाल से पहुंचे अधिकारियों का रुख देखकर ऐसा नहीं लगता कि वह किसी प्रकार की कोई बड़ी कार्रवाई अधिकारियों पर या ठेकेदार पर करेंगे।

केस दर्ज: घर तोड़ा तो अधिवक्ता ने, टाटा स्टील के एमडी नरेंद्रन व कर्मियों पर किया डकैती का केस

रांची वार्ता। जुस्को कंपनी द्वारा गोलमुरी नामदा बस्ती विकास कॉलोनी में अधिवक्ता की जमीन पर मोहरी के रहने के लिए बनाए मकान और उनके कार्यालय को तोडने के मामले में टाटा स्टील व जुस्को के एमडी समेत कईयों पर डकैती का केस दर्ज किया है। बाउंड्रीवाल तोडने के मामले में कोर्ट के आदेश पर कुल तीन मामले दर्ज हुए हैं। बाउंड्रीवाल तोडने के मामले में कोर्ट के आदेश पर कुल तीन मामले दर्ज हुए हैं। आशियाना इन्क्लेव डिमना रोड नीलगिरी अपार्टमेंट निवासी अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह ने टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन, जुस्को के प्रबंध निदेशक तरुण डागा, संजय मुखी, तहसीलदार सुनील कुमार, भूमि पदाधिकारी समेत 20-30 अन्य पर (धारा 395/120बी) मामला दर्ज कराया है। पुलिस जांच में जुट गई है।अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह के मामले के मुताबिक 13 अक्टूबर 2020 को अधिवक्ता की गोलमुरी नामदा बस्ती विकास नगर में जुस्को की जमीन पर बने मकान को बिना जानकारी तोडने के बाद मलबे में दबे तीन लाख रुपए के सामान की डकैती का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं होने पर कोर्ट में शिकायतवाद दर्ज कराया था। गोलमुरी नामदा बस्ती निवासी बबीता सिंह ने जुस्को एमडी तरुण डागा, भूमि अधिकारी सुनील सिंह, जीके साहू, तसीलदार संजय मुखी समेत 50 अन्य पर मारपीट, गाली गलौज, छेडखानी व जेवर रुपए लेने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने धारा 452/323/341/354/509/379/506/504 के तहत केस दर्ज किया है। घटना 25 अक्टूबर 2020 की है।

अधिवक्ता ने दर्ज शिकायतवाद में कहा - 25 अक्टूबर 2020 को जुस्को के भूमि अधिकारी सुनील सिंह और तसीलदार संजय मुखी जेसीबी और 50 लोगों के साथ पहुंचे। बिना नोटिस मोहरी का घर और कार्यालय तोड़ दिया। पूछने पर गलत नोटिस थमाया। इसके बाद गोलमुरी थाना में एफआईआर दर्ज कराया। जेम्को आजादबस्ती निवासी बबीता कल्याण के बयान पर जुस्को एमडी, भूमि पदाधिकारी, तहसीलदार और 40-50 अन्य लोगों पर घर में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज व छेडखानी का मामला दर्ज किया है। घटना 25 अक्टूबर 2020 की है। मामले में थाना में धारा 452/323/341/354/509/379/506/504/34 के तहत केस दर्ज किया है। झारखंड के लोहरदगा शहर से आठ युवक जन्मदिन मनाने चितरी कोयल नदी गए थे, जहां एक युवक नदी में डूब गया. उसकी खोजबीन जारी है. लोहरदगा शहर के हटिया गार्डन निवासी 21 वर्षीय कमलेश कुमार कोयल नदी में नहाने घुसा, लेकिन वह पानी से वापस नहीं निकला. तमाम प्रयास के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका है।

बाइक सवार को बचाने के चक्कर में दुकान में घुसी बेकाबू कार

रुड़की वार्ता। रुड़की में मंगलवार सुबह शेर सिंह राणा चौक से रामनगर की ओर जाने वाले मार्ग पर एक बेकाबू कार एक दुकान में जा घुसी। गनीमत यह रही की इस दौरान दुकान के आसपास कोई मौजूद नहीं था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक बाइक को बचाने के चक्कर में यह दुर्घटना हुई। रुड़की के शेर सिंह राणा चौक से सौ मीटर की दूरी पर रामनगर को जाने वाले मार्ग पर मंगलवार सुबह अचानक बहुत जोर की आवाज हुई। आसपास के लोग अपनी दुकान से बाहर आए तो देखा एक कार नाई की दुकान का दरवाजा तोड़ कर दरवाजे पर फंसी हुई थी। जिसको देखेते ही लोगों की भीड़ मौके पर लग गयी। लोगों ने मिलकर कार को दुकान से बाहर किया। जबकि इस दौरान कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार चालक एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में कार का नियंत्रण खो बैठा। जिसके चलते यह दुर्घटना हुई।

पुलिस ने दो गांवों में वृहद पौधरोपण अभियान चलाया

रुड़की वार्ता। कोतवाली की पुलिस ने मंगलवार को लक्सर के खड़ंजा कुतुबपुर व खेड़ी कलां गांव में वृहद पौधरोपण अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने दोनों गांवों में दो सौ पौधे रोपे। साथ ही ग्रामीणों को पेड़ों का महत्व समझाकर उनसे हर महीने एक पेड़ लगाने के साथ ही इसकी देखभाल करने की अपील की। हरेला पर्व के तहत लक्सर पुलिस कई दिन से पौधरोपण कर रही है। मंगलवार को कोतवाल प्रदीप चौहान व एसएसआई मनोज सिरोला के नेतृत्व में दो टीमों ने लक्सर के खड़ंजा कुतुबपुर व खेड़ी कलां गांव में अभियान चलाकर नीम, आंवला, शीशम, अमरूद, आम, पीपल व बरगद के दो सौ पेड़ लगाए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों का पेड़ों का महत्व बताया। कहा कि धरती पर जब तक हरियाली है, तभी तक मनुष्य का जीवन भी सुरक्षित है। यदि पेड़ नहीं रहेंगे तारे मानव जीवन के लिए जरुरी ऑक्सीजन भी नहीं मिल पाएगी। उन्होंने ग्रामीणों ने अपील की कि वे अपने घर के आसपास, खेतों में या फिर सार्वजनिक स्थल पर हर महीने कम से कम एक पेड़ लगाए और व्यस्क होने तक उसकी देखभाल भी करें। अभियान में एसआई अशोक कश्यप, उमेश नेगी, एकता ममगाई, डिंपल जोशी आदि ने भी सहयोग दिया।

पूर्व वैदिक रीति से किया अंतिम संस्कार

रुड़की वार्ता। रोटरी क्लब रुड़की सेंट्रल के सदस्य अतुल शर्मा के पिता नारायण दास शर्मा का स्वर्गवास मंगलवार को हो गया। अतुल शर्मा ने स्वेच्छा से क्लब के मोक्ष कार्यक्रम के अंतर्गत अपने पिता का अंतिम संस्कार लकड़ी के साथ-साथ गोबर के उपले से कराना चाहा। जिसका सम्मान करते हुए क्लब के अध्यक्ष पीयूष गर्ग, सचिव वैभव सिंह, डॉ. अचल मित्तल, डॉ. एल पी सिंह, धनंजय गर्ग एवं अनिल चड्ढा ने तुरंत गोबर के उपयोग की व्यवस्था कर अंतिम संस्कार को पूर्व वैदिक रीति से कराने की व्यवस्था की। रोटरी क्लब रुड़की सेंट्रल की इस पहल को संस्कार में शामिल सभी व्यक्तियों द्वारा सराहा गया तथा सभी ने पेड़ों की लकड़ी बचाने की इस मुहिम का स्वागत किया। इस कार्य में मालवीय चौक श्मशान घाट समिति के धर्मवीर पिंकी ने दाह संस्कार में पूर्ण सहयोग दिया गया। सोलानी नदी शमशान घाट समिति के अध्यक्ष अमित अग्रवाल व राजीव ने भी इस प्रोजेक्ट को अपना पूर्ण सर्मथन दिया।

मुख्य शिक्षा अधिकारी ने किया मूल्यांकन केंद्र का निरीक्षण

रुड़की। मंगलवार को मुख्य शिक्षा अधिकारी हरिद्वार आनंद भारद्वाज ने परिषदीय परीक्षाफल के लिए कॉलेज में बनाए गए मूल्यांकन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य शिक्षा अधिकारी ने नेशनल इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य विजेंद्र कुमार एवं शिक्षकों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली व समय से कार्य को निस्तारण करने के दिशा निर्देश दिए।

धनबाद के मेडिकल कॉलेज में मूक-बधिर लड़की से रेप, आरोपी एंबुलेंस ड्राइवर फरार, साथी गिरफ्तार

रांची वार्ता। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के फीमेल मेडिसिन वार्ड में भर्ती 20 वर्षीय दिव्यांग युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना रविवार रात 11-12 बजे के बीच की है। युवती बोल नहीं पाती है। उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं है। दुष्कर्म का आरोप निजी एंबुलेंस चालक सरायढेला कोचाकुल्ही निवासी संजय दास पर लगा है। दुष्कर्म में अस्पताल के बाहर चाय बेचनेवाला बी पॉलीटेक्निक आईटीआई कॉलेज निवासी सगुन कुमार वर्मा भी शामिल था। पुलिस ने सगुन को दबोच लिया है। अस्पताल के कर्मचारियों की मानें तो एंबुलेंस चालक युवती को बहला फुसला कर वार्ड से बाहर मोर्चरी वाले भवन के पास झाडियों के बीच ले गया और उसके साथ गलत किया। अस्पताल के सुरक्षाकर्मी जब मौके पर पहुंचे तो वहां युवती के साथ एंबुलेंस चालक संजय दास और चाय दुकानदार सगुन को देखा था। संजय मौके से फरार हो गया। मामले के संबंध में सोमवार की शाम एसएनएमएमसीएच के अधीक्षक डॉ. एके

फरार हो गया। मामले के संबंध में सोमवार की शाम एसएनएमएमसीएच के अधीक्षक डॉ. एके चौधरी ने दो अज्ञात के खिलाफ युवती के साथ अप्रिय घटना करने की शिकायत की है। पुलिस मामले में एफआईआर दर्ज कर पीड़ित का मेडिकल कराने की तैयारी में है। महिला थाना की काउंसिलर की टीम ने युवती की काउंसिलिंग की है। जून से फीमेल मेडिसिन वार्ड में भर्ती युवती रविवार की रात 11 बजे से अपने बेड पर नहीं थी। वहां नाइट शिफ्ट में ड्यूटी कर रही नर्स प्रियंका साह, संगीता मुंडा और वार्ड अटेंडेंट नवीन कुमार ने पूरे वार्ड में युवती को खोजा लेकिन वह नहीं मिली। इसके बाद वार्ड अटेंडेंट ने इमरजेंसी के पास तैनात होमगार्ड जवानों और जिला बल के जवानों को जानकारी दी। सूचना मिलते ही होमगार्ड जवानों ने अस्पताल कर्मचारियों के साथ युवती को खोजना शुरू कर दिया। अस्पताल में युवती को नहीं पाकर लोग मोर्चरी वाले भवन के पास झाडियों की तरफ गए तो वहां युवती मिली। उसके साथ अस्पताल में चाय बेचने वाला युव पास झाडियों की तरफ गए तो वहां युवती मिली। उसके साथ अस्पताल में 26 जून से फीमेल मेडिसिन वार्ड में भर्ती युवती रविवार की रात 11 बजे से अपने बेड पर नहीं थी। वहां नाइट शिफ्ट में ड्यूटी कर रही नर्स प्रियंका साह, संगीता मुंडा और वार्ड अटेंडेंट नवीन कुमार ने पूरे वार्ड में युवती को खोजा लेकिन वह नहीं मिली। इसके बाद वार्ड अटेंडेंट ने इमरजेंसी के पास तैनात होमगार्ड जवानों और जिला बल के जवानों को जानकारी दी। सूचना मिलते ही होमगार्ड जवानों ने अस्पताल कर्मचारियों के साथ युवती को खोजना शुरू कर दिया। अस्पताल में युवती को नहीं पाकर लोग मोर्चरी वाले भवन के पास झाडियों की तरफ गए तो वहां युवती मिली। उसके साथ अस्पताल में चाय बेचने वाला युवक सगुन और एंबुलेंस चालक संजय दास भी था। दोनों वार्ड की तरफ आ रहे थे। होमगार्ड जवानों को देख एंबुलेंस चालक वहां से भाग निकला।

दिल्ली सहित मेट्रो शहरों पर हो सकता है आतंकी हमला, टारगेट किलिंग का अंदेशा

नई दिल्ली वार्ता। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई दिल्ली सहित देश के मेट्रो शहरों समेत कई शहरों पर हमला करा सकती है। आतंकियों को मानव बम बनाकर या फिर टारगेट किलिंग के जरिए वारदातों को अंजाम दिया जा सकता है।

देश के खुफिया विभाग व दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को इस तरह के इनपुट्स मिले हैं। इस तरह के इनपुट्स के बाद दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दिल्ली में कई जगहों पर अर्धसैनिक बलों को तैनात कर दिया गया है।

दिल्ली पुलिस की आतंकी निरोधी सेल स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लाहौर के जौहर हाउस में राजस्व बोर्ड हाउसिंग सोसाइटी में देश के सबसे बड़े दुश्मन हाफिज सईद के आवास के बाहर 23 जून को बम धमाका हुआ था। इस धमाके से भारत का कोई लेना-देना नहीं है।मगर आईएसआई व हाफिज सईद इस धमाके का बहाना बनाकर आतंकी हमला करवा सकते हैं। आईएसआई आतंकियों को मानव बम या फिर टॉरगेट किलिंग करवा सकती है।

इनपुट्स में कहा गया है कि देश की महत्वपूर्ण इमारत व भीड़भाड़ वालों जगहों को निशाना बताया जा सकता है। भीड़भाड़ जगहों पर छोटे-छोटे बम धमाके करवाए जा सकते हैं। देश के मेट्रो शहरों में ड्रोन से हमला करवाया जा सकता है। ये भी इनपुट्स मिले हैं कि आईएसआई ने इसके लिए रणनीति तैयार कर ली है और देश में स्लीपर सेल व गैंगस्टर का आतंकी वारदातों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

खुफिया विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जम्मू में ड्रोन हमला व लखनऊ , यूपी से पकड़े आतंकियों को हाफिज सईद के आवास पर हुए बम धमाके के बदले के रूप में देखा जा रहा है। दिल्ली पुलिस आतंकी वारदातों को रोकने लिए सभी कदम उठा रही है। समय-समय पर मॉक ड्रिल की जा रही हैं।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल पूछताछ करने के लिए लखनऊ, यूपी रवाना हो गई है। स्पेशल सेल क टीम यूपी एटीएस द्वारा गिरफ्तार किए गए अलकायदा के आतंकियों से पूछताछ करेगी। स्पेशल सेल ने वर्ष 2015 में भी अलकायदा के पैन इंडिया मॉड्यूल का खुलासा किया था और छह आतंकियों को गिरफ्तार किया था। स्पेशल सेल के पुलिस अधिकारियों के अनुसार यूपी एटीएस द्वारा गिरफ्तार आतंकी उमर अल मंडी का असली नाम सैयद अख्तर है। उसने अब अपना नाम बदल लिया है और अपना नाम उमर अल मंडी रख लिया है। ये आतंकी दिल्ली के केस में वांछित है। अली मंडी अलकायदा के आतंकी मोहम्मद शर्जील इस्मान का करीबी बताया जा रहा है। ये दोनों आपस में कई बार मिल चुके हैं।

अगले 24 घंटे के लिए येलो अलर्ट जारी, चिन्यालीसौड़ बाईपास रोड की सुरक्षा दीवार का 30 मीटर हिस्सा ढहा

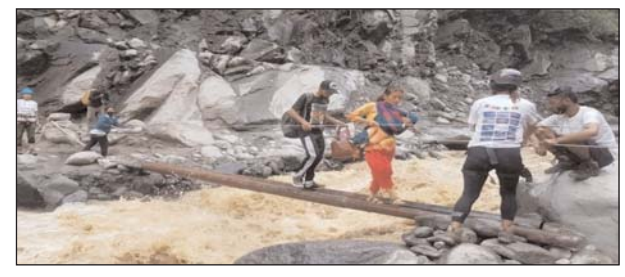

देहरादून वार्ता। मानसून की सक्रियता बढ़ने से सोमवार देर रात से मंगलवार को पूरे दिन राजधानी दून के साथ पहाड़ी जिलों में झमाझम बारिश हुई। इससे पिछले कई दिनों से गर्मी से जूझ रहे लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम विभाग ने अगले 24 घटों में अल्मोड़ा, नैनीताल व पिथौरागढ़ आदि जिलों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है। देहरादून में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। चमोली जनपद में मंगलवार देर रात से हो रही बारिश जारी है, बारिश से मौसम में ठंडक आ गई है। जनपद में बदरीनाथ हाइवे सुचारू है। वहीं 21 संपर्क मार्ग मलबा आने से अवरुद्ध पड़े हैं। गंगोत्री हाईवे के लिए महत्वपूर्ण चिन्यालीसौड़ बाईपास रोड की सुरक्षा दीवार 30 मीटर हिस्सा बुधवार की सुबह ढह गया। दो दिनों से लगातार बारिश के चलते यहां दीवार भर-भराकर गिर गई। मलबे के चलते यातायात बाधित हो गया। जिसे खुलवाने पहुंची बीआरओ की टीम का ग्रामीणों ने घेराव कर दिया। लोगों ने ऑलवेदर रोड निर्माण के चलते ध्वस्त खेती और पशु चुगान के रास्तों का पुनर्निर्माण न होने पर नाराजगी जताई। इस दौरान दीवार के पुननिर्माण से पहले रास्तों के पुननिर्माण की मांग उठाई गई। आश्वासन पर ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ। उत्तरकाशी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हर्षिल में खतरे की जद में आए बैली ब्रिज को बचाने के लिए सुरक्षा एवं बचाव कार्य शुरू हो गया है। बुधवार सुबह ही लोनिवि और लोनिवि विश्व बैंक के अफसरों की टीम पहुंची। बैली ब्रिज को बचाने के लिए सुरक्षा दीवार निर्माण का कार्य शुरू किया गया। बता दें कि बैली ब्रिज के निकट नए आरसीसी पुल निर्माण की नींव के लिए खोदाई करने से हर्षिल पुल के एबटमेंट पर दरारें आई हैं। जोरदार बारिश से मंगलवार को राजधानी दून का मिजाज पूरी तरह बदल गया।

ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए आयोजित गया विशेष टीकाकरण कैम्प

जिला उपायुक्त, एसडीएम धालभूम, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शिविर में रहे

रांची वार्ता। समाहरणालय परिसर स्थित भवन सभागार में आज ट्रांसजेडर समुदाय के लिए विशेष कोविड टीकाकरण कैम्प का आयोजन किया गया । जिला उपायुक्त श्री सूरज कुमार की पहल पर आयोजित इस शिविर को लेकर ट्रांसजेडर समुदाय के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि काफी संवेदनशील होकर जिला उपायुक्त ने कोविड टीका लेने को लेकर उनकी परेशानियों को समझा एवं आज टीका उपलब्ध कराया गया । इस मौके पर ट्रांसजेडर समुदाय की अन्य समस्याओं जैसे पेंशन, राशन कार्ड, आवास आदि से जिला उपायुक्त को अवगत कराया गया जिसपर उन्होनें यथोचित कार्रवाई सुनिश्चित करने को लेकर उन्हें आश्वस्त किया

जिला उपायुक्त श्री सूरज कुमार ने इस मौके पर कहा कि भारतीय संविधान के मुताबिक केन्द्र एवं राज्य सरकार समावेशी नीति पर काम करती है । इसके तहत समाज के हरेक वर्ग को बराबरी का महत्व दिया जाता है । उन्होने बताया कि किन्नर समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर टीकाकरण के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग में आ रही परेशानियों से अवगत कराया था । किन्नर समुदाय के लोगों में तकनीकि जानकारी का अभाव एवं पर्याप्त संख्या में स्मार्ट फोन की कमी के कारण ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग में समस्या आ रही थी तथा इस वर्ग का पब्लिक इंटरैक्शन भी ज्यादा है जिसको देखते हुए जिला प्रशासन ने निर्णय लिया की किन्नर समुदाय के लिए विशेष कैम्प लगातर टीकाकरण से आच्छादित किया जाएगा ताकि समावेशी व्यवस्थायें को प्रतिमूर्ति के रूप में स्थापित किया जा सके । जिला उपायुक्त ने बताया कि किन्नर समुदाय के सामने आने वाली अन्य समस्याओं से भी वे अवगत हुए । किन्नर समुदाय ने सामुदायिक भवन बनाने की मांग रखी जिसपर जिला उपायुक्त ने जल्द ही इसे मूर्त रूप देने को लेकर आश्वस्त किया ।

साथ ही साथ पेंशन एवं राशन कार्ड से वंचित इस समुदाय के लोगों को इसका लाभ देने के लिए जिला उपायुक्त ने कैम्प लगाकर आच्छादित करने की बात कही । उन्होने बताया कि कैम्प लगाकर एक-दो दिनों के भीतर ही समस्त जनों तक पेंशन-राशन का लाभ पहुंचायेंगे । वहीं आवास उपलब्ध कराने को लेकर कहा कि कुछ अन्य राज्यो में जहां इस समुदाय को आवास उपलब्ध कराया गया है वहां की नीतियों को देखते हुए इनकी आवाज को पूर्वी सिंहभूम जिला से सक्षम उच्च अधिकारी तक पहुंचाएंगे ।

चार साल का बच्चा कोरोना वायरस से संक्रमित, खांसी जुकाम के साथ पेट में भरा पानी

नोएडा वार्ता। करीब एक माह के बाद मंगलवार को नोएडा के चाइल्ड पीजीआई में चार वर्षीय बच्चे को कोरोना संक्रमित होने पर भर्ती कराया गया है। बच्चे में लक्षण दिखने के बाद परिजनों ने जांच कराई तो रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इसके बाद उसे सेक्टर-29 स्थित भारद्वाज अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में हालत नाजुक होने से उसे सेक्टर-30 स्थित सुपर स्पेशियलिटी पीडियाट्रिक एंड पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग इंस्टीट्यूट (चाइल्ड पीजीआई) में रेफर कर दिया गया।

लंबे समय बाद कोरोना का बाल रोगी मिलने के बाद अस्पताल एवं स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क हो गए हैं। मरीज का सैंपल दोबारा जांच के लिए भी भेजा गया है। साथ ही, उसके माता-पिता व संपर्क में आए लोगों की भी आरटीपीसीआर जांच कराई जा रही है।

चाइल्ड पीजीआई की निदेशक डॉ. ज्योत्सना मदान ने बताया कि बच्चा दोपहर करीब एक बजे अस्पताल में लाया गया, जिसके बाद उसकी तात्कालिक स्थिति को देखते हुए वार्ड में भर्ती करा दिया गया। बच्चे को तेज बुखार, खांसी-जुकाम है। साथ ही, पेट में पानी भर गया है।

राहत की बात यह है कि बच्चे का ऑक्सीजन लेवल नियंत्रण में है। बच्चे की देखभाल के लिए विशेष टीम लगाई गई है। बच्चे कोराना के वैरिएंट का पता लगाने के लिए नमूना इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की जांच लैब में भेजा जाएगा।

कांग्रेस की टीम ने शोक व्यक्त किया, परिवार को बंधाया ढांढस

छतरपुर वार्ता। बीते रोज बिजावर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम महुआझाला से दुखद घटना सामने आई थी जिसमें एक ही परिवार के 6 लोगों की करंट लगन से मौत हो गई थी। सोमवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के लिए कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ के निर्देशन में छतरपुर के संगठन प्रभारी नारायण प्रजापति द्वारा कांग्रेस जिलाध्यक्ष लखन लाल पटेल के नेतृत्व में गठित की गई कमेटी के सदस्य महुआझाला पहुंचे।कांग्रेस आईटी सेल एवं सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष दीपांशु यादव ने बताया कि कमेटी के सदस्यों ने दुर्घटना पर अपनी संवेदानाएं व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और परिवार को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। साथ ही जिलाध्यक्ष श्री पटेल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर महुआझाला के पीड़ित परिवारों को 10-10 लाख सहायत राशि देने तथा परिवार के एक व्यक्ति को शासकीय नौकरी दिए जाने की मांग की है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष लखन लाल पटेल, पूर्व टीकमगढ़ लोकसभा प्रत्याशी किरण अहिरवार, कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष अनीश खान, राजेश सिंह ठाकुर, सिद्धार्थ शंकर बुंदेला, जिला महामंत्री संतोष तिवारी, आईटी सेल के जिलाध्यक्ष दीपांशु यादव के अलावा यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र वर्मा, राजेश शर्मा सटई, वरुण पटना, महेश राय, लाला भाई अहिरवार, मुकेश लोधी, हीरादेवी अहिरवार, सौरभ भटनागर, विवेक सोनी आदि मौजूद रहे।जमुनया पुरवा भी पहुंची कांग्रेस कमेटी बीती रात बिजावर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जमुनया पुरवा में रहने वाले एक कुशवाहा परिवार के तीन युवकों की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई थी। विधानसभा क्षेत्र में पहुंची कांग्रेस कमेटी जमुनया पुरवा में कुशवाहा परिवार से भी मुलाकात करने पहुंची। हादसे पर अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए कमेटी के सदस्यों ने परिवार को हर संभव मदद दिलाने का भरोसा दिलाया है।

कंगना रनोट रिएलिटी शो से करने वाली हैं ओटीटी डेब्यू

इस अमेरिकन शो पर है आधारित

नई दिल्ली, जेएनएन। कंगना रनोट जल्द ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने वाली हैं, मगर बतौर एक्टर नहीं, बल्कि शो की होस्ट के रूप में। कंगना एक रिएलिटी शो से ओटीटी पारी शुरू करेंगी। यह शो मशहूर अमेरिकन शो टेम्प्टेशन आइलैंड का भारतीय रूपांतरण है। यह शो विपरीत परिस्थितियों में जोड़ियों और अकेले कंटेस्टेंट्स के संबंधों को टेस्ट करता था। शो को लेकर जारी की गयी जानकारी के अनुसार, कंगना ने शो के लिए अपनी रज़ामंदी दे दी है। कंगना ने अपनी इंस्टा स्टोरी में भी इस ख़बर को शेयर करके इसकी पुष्टि कर दी है।

अमेरिकन शो टेम्प्टेशन आइलैंड भी डच टीवी शो से प्रेरित है। बॉलीवुड में कई सेलेब्रिटीज़ टीवी शो होस्ट करते रहे हैं। हाल ही में रणवीर सिंह एक क्विज़ शो के लिए कलर्स टीवी से जुड़े हैं। वहीं, अमिताभ बच्चन, शाह रुख़ ख़ान, सलमान ख़ान, आमिर ख़ान जैसे कलाकार करियर के किसी ने किसी मोड़ पर टीवी शोज़ से जुड़ते रहे हैं। अमिताभ तो आज भी केबीसी होस्ट कर रहे हैं, वहीं सलमान ख़ान बिग बॉस का पर्याय बन चुके हैं। आमिर ख़ान ने सोशल इशू पर आधारित शो सत्यमेव जयते होस्ट किया था।

ओटीटी प्लेटफॉर्म का खुलासा अभी नहीं किया गया है, मगर जल्द शूटिंग शुरू होने की ख़बर है। कंगना ने मंगलवार को ही अपनी प्रोडक्शन कम्पनी मणिकर्णिका फ़िल्म्स के पहले ओटीटी प्रोजेक्ट टीकू वेड्स शेरू से नवाजुद्दीन सिद्दीकी के जुड़ने का एलान किया था।

कंगना फ़िल्मों के साथ मनोरंजन के इस नये माध्यम को एक्सप्लोर कर रही हैं। फ़िल्मों की बात करें तो कंगना अभी धाकड़ की शूटिंग कर रही हैं। जयललिता की बायोपिक फ़िल्म थलाइवी रिलीज़ के लिए तैयार है। तेजस निर्माणाधीन है, जिसमें कंगना फाइटर पायलट के किरदार में हैं। इमरजेंसी पर कंगना ने एक फ़िल्म का एलान किया है। इस फ़िल्म के अलावा कश्मीर की वॉरियर क्वीन दिद्दा पर भी कंगना ने एक फ़िल्म की घोषणा की थी। हालांकि, इसको लेकर कॉपीराइट का विवाद चल रहा है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी को लेकर फिल्म बनायेंगी कंगना रनौत

मुंबई, 14 जुलाई (वार्ता) बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत, नवाजउद्दीन सिद्दिकी को लेकर वेबसीरीज फिल्म बनाने जा रही हैं।कंगना रनौत बतौर निर्माता वेब स?पेस में एंट्री ले रही हैं। कंगना वेबसीरीज %टीकू वेड्स शेरू% बनाने जा रही हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी इस फिल्म में काम करते नजर आयेंगे।

कंगना ने अपने पहले डिजिटल प्रॉजेक्ट टीकू वेड्स शेरू का अनाउंसमेंट किया। इस खबर को शेयर करते हुए कंगना ने इंस्टाग्राम पर नवाजुद्दीन की तस्वीर शेयर की। इसके साथ उन्होंने कैप्शन दिया, वेलकम टू द टीम सर।

कंगना के प्रॉडक्शन हाउस मणिकर्णिका फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, हमारी जेनरेशन के बेस्ट ऐक्टर ने टीकू वेड्स शेरू की टीम को जॉइन किया है। हम अपने शेर को पाकर सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। जल्द ही शूटिंग शुरू होगी।

कार्तिक आर्यन ने बिखरे बालों में कराया फोटोशूट, फैंस ने कहा 'कातिलाना पिक्चर भाई'

नई दिल्ली, जेएनएन। अभिनेता कार्तिक आर्यन अपनी पोस्ट को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहते हैं। वो अक्सर फैंस के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर जानकारी भी शेयर करते रहते हैं। इसी बीच उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रतनानी के कैलेंडर के लिए कराए फोटोशूट की तस्वीर को शेयर किया है।फोटो में अभिनेता कार्तिक आर्यन ब्लैक एंड व्हाइट फोटो में बिखरे हुए बालों के साथ बेहद चार्मिंग दिख रहे हैं। इस ब्लैक एंड व्हाइट फोटो में भगवान बुद्ध के शांति प्रतिक बनाकर पोज देते नजर आ रहे हैं। इस फोटो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, 'द नंबर वन शूट।' फोटो को सोशल मीडिया पर उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं, साथ ही कमेंट कर उनके इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

वहीं बॉलीवुड कोरियोग्राफर फराह खान ने लिखा, 'कुछ लेते क्यों नहीं' वही डब्बू रतनानी ने तस्वीर पर कमेंट कर लिखा, 'सेक्सी मुंडा।' वहीं सुमित कदेली नाम के एक यूजर ने लिखा, 'कातिलाना पिक्चर भाई।' बता दें कि उनसे पहले फोटोग्राफर डब्बू रतनाना के कैलेंडर 2021 के लिए कृति सेनन, सनी लियोनी, कियारा आडवाणी, विद्या बालन जैसी अभिनेत्रीयां फोटोशूट करा चुकी हैं। वहीं अभिनेत्रीयों के फोटोशूट के दौरान की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी।बात अगर उनके वर्कफ्रंट की बता करें त वो ज्लाद ही हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 2 में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री कियारा आडवाणी, परेश रावल, राजपाल यादव के साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी कर रहे हैं। ये फिल्म साल 2009 में आई अक्षय कुमार की फिल्म का सीक्वल है।

इसके अलावा वो फिल्म धमाका में भी नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वो एक प्राइम टाइम एंकर की भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म में लाइव कवरेज के दौरान टीवी चैनल के अंदर के माहौल को दिखाया जाएगा।

भारी बारिश में ड्राइवर को भीगता छोड़ चली गईं ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान

ट्रोलर्स ने जमकर सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली, जेएनएन। बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई हैं। सुजैन खान पूर्व पति की तरह अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। वह अक्सर मुंबई में स्पॉट होती रहती हैं। सुजैन खान हाल ही में मुंबई में स्पॉट हुई जिसके बाद उन्हें बहुत से लोग ट्रोल कर रहे हैं। लोग उनके व्यवहार को देखते हुए उन्हें ट्रोल कर रहे हैं।सुजैन खान मंगलवार को मुंबई में ब्यूटी पार्लर पहुंची।

इस दौरान पूरी मुंबई में भारी बारिश हो रही थी। भारी बारिश के बीच सुजैन खान पार्लर पहुंचीं। इस दौरान वह लेदर की जैकेट और पेंट में नजर आईं। बारिश के बीच जब सुजैन खान अपनी कार से उतरीं तो उनके ड्राइवर ने तुरंत उनके लिए छाता खोला, जिसके बाद सुजैन खान उस छाते को लेकर आगे पार्लर की ओर चलीं गईं। जबकि ड्राइवर बारिश में भीगता हुआ कार मे जाकर बैठ गया।

सुजैन खान का यह व्यवहार लोगों को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया है। बहुत से सोशल मीडिया यूजर्स ने सुजैन खान पर ड्राइवर को ऐसे बारिश में भीगता छोड़कर जाने पर गुस्सा जाहिर किया है और उन्हें जमकर ट्रोल भी किया है। सुजैन खान के इस वीडियो को फोटोग्राफर विरल भियानी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया है। इस वीडियो पर नाम के यूजर ने कमेंट कर सुजैन खान के ट्रोल करते हुए लिखा, बेचारा ड्राइवर। अपने कमेंट में लिखा, यार कम से कम खुद के लिए छाता तो खोल ही सकते हो ना। बेचारे वह बॉडीगार्ड/ड्राइवर जो भी था उसको ऐसी ही भीगते हुए छोड़ दिया। यह देखकर बुरा लग रहा है कि ड्राइवर ने उनकी मदद की और अपना काम होते ही वह उसको छोड़कर चली गईं। कोई दया नहीं, सब मतलबी हैं।

किम शर्मा और लिएंडर पेस ने डेटिंग की अफवाहों के बीच रोमांटिक अंदाज में दिया पोज, लीक तस्वीरें हुईं वायरल

नई दिल्ली, जेएनएन। किम शर्मा लगता है इन दिनों टेनिस प्लेयर लिएंडर पेस को डेट कर रही हैं। हाल ही में उनकी गोवा की कुछ तस्वीरें लीक हुई है जो कि बड़ी तेजी से वायरल हो रही हैंद्य तस्वीरों में लिएंडर पेस को किम शर्मा को कमर से पकड़े हुए देखा जा सकता है। इसके अलावा दोनों कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रहे हैं। वहीं किम शर्मा ने एक कुत्ते के सिर पर हाथ भी रखा हुआ हैद्य फोटो में पीछे समुद्र भी देखा जा सकता है।

तस्वीरों को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि किम शर्मा इन दिनों लिएंडर पेस को डेट कर रही हैं। दरअसल दोनों को कई बार एक साथ स्पॉट किया गया है। इसके बाद दोनों के अफेयर की खबरें तेज हुई थी। हालांकि दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते को सार्वजनिक नहीं किया है लेकिन

गोवा की तस्वीरें कुछ और ही कह रही हैंद्य किम शर्मा और लिएंडर पेस की तस्वीरें गोवा के रेस्टोरेंट की है जो कि इंटरनेट पर वायरल हो गई हैं।

एक अन्य फोटो में किम शर्मा को लिएंडर पेस के साथ खाना खाते हुए देखा जा सकता हैद्य फोटो में उन्होंने वाइट कलर का शर्ट और ब्लू कलर की शॉर्ट डेनिम ड्रेस पहन रखी है। तस्वीर में दोनों को एक टेबल पर बैठकर खानों के साथ पोज करते हुए देखा जा सकता हैद्य दोनों काफी खुश नजर आ रहे हैं। हालांकि दोनों ने अभी तक अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर एक भी तस्वीर शेयर नहीं की हैद्य किम शर्मा गोवा के बीच पर नजर आई हैं। किम शर्मा और लिएंडर पेस दोनों गोवा में एंजॉय कर रहे हैं।

हाल ही में किम शर्मा का हर्षवर्धन राने से ब्रेकअप हुआ है। लिएंडर पेस पत्नी रिया पिल्लई के साथ अलग हो गए हैंद्य उन्हें एक बेटी भी है । लिएंडर पेस भारत के लिए टेनिस खेल चुके हैंद्य किम शर्मा का नाम इसके पहले युवराज सिंह के साथ भी जुड़ चुका था।

मानसून वेडिंग हो या पार्टी, लंबे समय तक मेकअप को टिकाए रखने के लिए ट्राय करें ये टिप्स एंड ट्रिक्स

बारिश का सीज़न जहां तन और मन को सुकून देता है वहीं मौसम में नमी की वजह से पसीने की प्रॉब्लम भी होती है। ऐसे में मेकअप करना किसी चैलेंज से कम नहीं होता तो यहां बताए गए टिप्स आ सकते हैं आपके बहुत काम।

बारिश के मौसम में नमी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है ऐसे में पसीना आपका पूरा मेकअप खराब कर सकता है। तो बारिश के मौसम में मेकअप करने का तरीका थोड़ा बदल जाता है जिससे ये लंबे वक्त तक टिका रहे। तो आइए जानते हैं ऐसे ही मेकअप टिप्स और हैक्स के बारे में जो आएंगे ऐसे मौसम में आपके बहुत काम।

1. बारिश के मौसम में मेकअप प्रोडक्ट्स वॉटरप्रूफ हों इसका ध्यान रखें। आप चाहें तो टू-वे कॉम्पैक्ट पाउडर और फाउंडेशन भी इस्तेमाल कर सकती हैं। हलके गीले स्पॉन्ज से इसे लगाया जा सकता है।

2. टोनर का इस्तेमाल जरूर करें, जिसका काम स्किन को

क्लियर रखना है। यह स्किन पोर्स को बंद करता है और पीएच बैलेंस को बनाए रखने में मदद करता है।

3. इस सीज़न में हवा लगने की वजह से प्रोडक्ट्स में नमी आ जाती है, तो लगाने से पहले चेक कर लें कि इनमें सीलन तो नहीं आ गई है। सीलन वाले प्रोडक्ट्स को गलती से भी इस्तेमाल न करें क्योंकि ये स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है।

4. आई मेकअप में लाइट शेड जैसे गुलाबी और पीच शेड्स इस्तेमाल करना मौसम के अनुकूल रहेगा।

5. मानसून सीज़न में लिपस्टिक अप्लाई करने से पहले वॉटरप्रूफ लाइनर के दो कोट ज़रूर लगाएं, इसके बाद वॉटरप्रूफ लिपस्टिक लगाएं जिससे बारिश में भी लिप शेड फीका न पड़े। मैट लिपस्टिक अप्लाई करना ऐसे मौसम में अच्छा रहता है।

6. बारिश में पाउडर ब्लश की जगह क्रीम ब्लश इस्तेमाल करें। एक और तरीका है लिपस्टिक को उंगलियों पर लगाकर हल्के से गालों पर रब कर लें। क्रीम ब्लश के ऊपर से पाउडर ब्लश भी लगा सकती हैं इससे यह गालों पर ज़्यादा देर तक टिका रहेगा।

7. लिक्विड फाउंडेशन की जगह ऑयल फ्री फाउंडेशन लगाएं। बीबी क्रीम, मैट या ऑयल फ्री फाउंडेशन भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

8. मानसून में क्रीम बेस्ड कंसीलर का इस्तेमाल करना अवॉयड करें। पिंपल्स और डार्क सर्कल्स को छिपाने के लिए क्रेयॉन कंसीलर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

पाचन दुरुस्त रखना चाहते हैं तो इन 5 आदतों को जिंदगी में करें शामिल

नई दिल्ली, लाइफस्टाइल डेस्क। हमारा पाचन तंत्र हमारे शरीर के पॉवर हाउस की तरह है, इसी से हमारी पूरी बॉडी को काम करने की ताकत मिलती है। आप जानते हैं कि पाचन क्या है? दरअसल भोजन के जटिल पोषक पदार्थों और बड़े अणुओं को विभिन्न रासायनिक क्रियाओं और एंजाइमों की मदद से सरल, छोटे और घुलनशीनल अणुओं में बदलना पाचन कहलाता है। जो तंत्र यह काम करता है वो पाचन तंत्र कहलाता है। पाचन तंत्र द्वारा पूरे शरीर में भेजी गई ऊर्जा से ही हम अपने छोटे से लेकर बड़े कामों को अंजाम देते हैं। अगर आपका पाचन तंत्र अच्छा नहीं होगा तो आपकी सेहत कभी अच्छी नहीं रहेगी और आपको हमेशा किसी ना किसी बीमारी से जूझना पड़ेगा। बॉडी के इस पावर हाउस का दुरुस्त रहना बेहद जरूरी है। आप भी चाहते हैं कि आपका पाचन तंत्र ठीक रहे तो आप इन पांच आदतों को फौरन अपनाएं।

हेल्दी डाइट है जरूरी-

पाचन को ठीक रखने के लिए डाइट में ताज़े फल और सब्जियों का सेवन करें। जई का चोकर, जौ, नट्स, बीज और बीन्स जैसे फूड्स पाचन तंत्र को ठीक रखते हैं। गेहूं की भूसी, सब्जियां और साबुत अनाज में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को ठीक रखते है।

प्रोबायोटिक्स भी सेहत के लिए है जरूरी-

प्रोबायोटिक्स ऐसे हेल्दी बैक्टीरिया हैं जो पाचन तंत्र में मौजूद होते हैं। दही, किण्वित फूड्स खाकर उन्हें अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है।

बॉडी को हाइड्रेट रखें-

पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने के लिए लिक्विड चीज़ों का सेवन बेहद जरूरी है। एक दिन में 3 से 5 लीटर पानी जरूर पीएं। पानी शरीर के लिए सबसे जरूरी चीजों में से एक है। शरीर का हाइड्रेट रखने के लिए पानी का अधिक सेवन करें। पानी शरीर के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। ठंडा पानी पीने से बेहतर है कि आप गुनगुना पानी पिएं, इससे पाचन शक्ति मजबूत करने में मदद मिलती है।

एक्सरसाइज भी है जरूरी-

पाचन को दुरुस्त रखने के लिए एक्सरसाइज भी जरूरी है। नियमित व्यायाम कब्ज की समस्या से निजात दिलाता है।

तनाव को कम करें-

जिंदगी की मसरूफियत में तनाव होना लाज़मी है, लेकिन आप जानते हैं तनाव आपके पाचन को भी बिगाड़ सकता है। इसलिए तनाव कम करने वाली गतिविधियों को अपनाएं।

निवेश और रोजगार गुजरात नहीं जाएंगे, 18 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगी कंपनी

मुंबई वार्ता। कार बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी ने कहा है कि वह हरियाणा से अपना कोई भी निवेश और रोजगार गुजरात लेकर नहीं जा रही है। साथ ही वह नए प्लांट पर 18 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इसके जरिए सालाना वह 7.50 से 10 लाख कारों को हरियाणा के प्लांट में बनाने में सफल होगी। दरअसल कांग्रेस के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मारुति सुजुकी के प्लांट शिफ्टिंग को लेकर हरियाणा सरकार की खिंचाई की थी। इसका जवाब देते हुए कंपनी के चेयरमैन आर.सी. भार्गव ने कहा कि मारुति न तो अपना कोई निवेश और न ही कोई रोजगार हरियाणा से गुजरात ले जा रही है। कंपनी की सबसे अधिक प्रोडक्शन की क्षमता इसके हरियाणा और गुजरात के प्लांट में हैं। वह इन्हीं प्लांट में अपने ढेर सारे मॉडल की मांग को पूरा करने के लिए उपयोग करती है।

यह गुरुग्राम में पहली और पुरानी फैक्ट्री के बदले में होगा

इस निवेश से कंपनी सालाना 7.5 से 10 लाख कारों का निर्माण करेगी

मारुति देश की सबसे बड़ी कार प्रोडक्शन करने वाली कंपनी है

भार्गव ने कहा कि हरियाणा का प्लांट लगातार बना रहेगा। यह पूरी क्षमता के साथ काम करेगा। रोजगार भी पूरी तरह से यहां ही होगा। इंप्लॉयमेंट में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम से कोई भी प्रोडक्शन दूर नहीं जाएगा। अगर इसके डिजायर मॉडल को कहीं और ले जाया जाता है तो दूसरे मॉडल यहां पर बनेंगे। भार्गव ने कहा कि मारुति सुजुकी के पास 15 से ज्यादा मॉडल हैं। इसलिए समय-समय पर यह तय करना होता है कि कौन सा प्रोडक्ट कहां बनेगा और कैसे वह सही रहेगा। कंपनी डिजायर की रोजाना 1,000 कारें औसतन बनाती है। यह तीसरा मॉडल है जो गुजरात से बनेगा। इसके पहले बलेनो और स्विफ्ट भी यहां से बने हैं। कंपनी का हरियाणा प्लांट पूरी क्षमता के साथ चल रहा है। यहां की क्षमता सालाना 15 लाख कारों की है। इस साल अप्रैल में तीसरी यूनिट शुरू होने के बाद से सुजुकी मोटर गुजरात सालाना 7.5 लाख कारों का निर्माण करती है। भार्गव ने कहा कि ग्रीन फिल्ड लोकेशन 700 से 1,000 एकड़ में रह सकता है। यह इसकी पुरानी फैक्ट्री को रिप्लेस करेगा जो गुरुग्राम में है। हालांकि कंपनी को राज्य के नए नियम के अनुसार 75त्न रोजगार स्थानीय लोगों को देना होगा। उन्होंने कहा कि हम 17 से 18 हजार करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रहे हैं। कंपनी की यह योजना पिछले साल कोरोना की वजह से देरी से शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना के अलावा हमारे पास कुछ अतिरिक्त मुद्दे भी हैं, जिन्हें सुलझाना है। भार्गव ने कहा कि हरियाणा की स्थानीय रोजगार की नीति इसमें प्रमुख है। हमें इस बात की चिंता है। हम सरकार के साथ बात कर रहे हैं। उनसे सोल्यूशन के बारे में बात हो रही है, जो हर किसी को खुश कर सके। यह मुद्दा इंडस्ट्री के टॉप चेंबर्स के साथ भी शेयर किया गया है। पूरी इंडस्ट्री इस नियम को लेकर चिंतित है।

जून में होलसेल महंगाई दर 12.07 प्रतिशत हुई, रसोई गैस 31.44प्रतिशत और पेट्रोल 60 प्रतिशत महंगा हुआ

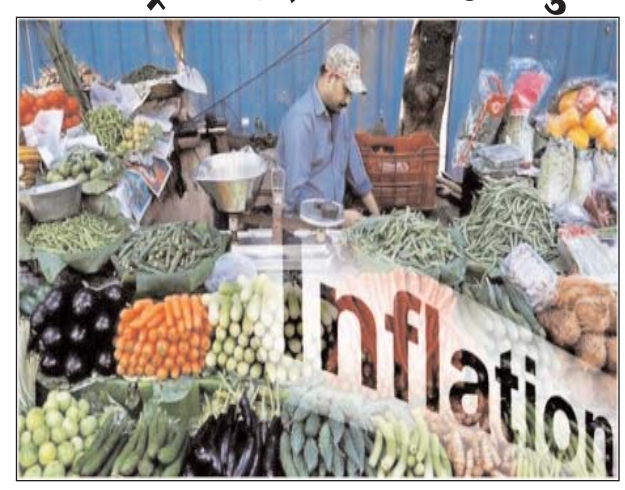

मुंबई वार्ता। सरकार ने बुधवार को जून के थोक महंगाई के आंकड़े जारी कर दिए हैं। जून में होलसेल प्राइस इंडेक्स घटकर 12.07प्रतिशत पर आ गई, जो मई में लगातार 5वें महीने बढ़कर रिकॉर्ड 12.94प्रतिशत पर पहुंच गई थी। वहीं, जून 2020 में थोक महंगाई दर 1.81त्न थी।

कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के मुताबिक जून में थोक महंगाई दर 12प्रतिशत से ज्यादा होने की सबसे बड़ी वजह मिनरल ऑयल का महंगा होना है। इसमें पेट्रोल, डीजल, नेफ्ता समेत जेट फ्यूल शामिल हैं। इसके अलावा मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट जैसे बेसिक मेटल और फूड प्रोडक्ट के भाव भी बढ़े हैं।

जारी रिपोर्ट के मुताबिक सालाना आधार पर फ्यूल और पावर सबसे ज्यादा 32.83 प्रतिशत महंगे हुए। इसी तरह मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स 10.88प्रतिशत महंगा हुए। जबकि प्राइमरी आर्टिकल जून में 7.74प्रतिशत महंगे हुए हैं। हालांकि, खानपान की चीजें सस्ती होने से फूड इंडेक्स में महंगाई दर 6.66 प्रतिशत पर आ गई, जो मई में 8.11प्रतिशत पर थी।

सरकार ने इससे पहसे सोमवार को रिटेल महंगाई और इंडस्ट्रियल आउटपुट के आंकड़े जारी किए थे। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित रिटेल महंगाई दर जून में घटकर 6.26 प्रतिशत रही, जो मई में 6.30 प्रतिशत थी। मई में महंगाई दर का यह आंकड़ा पिछले 6 महीनों में सबसे ज्यादा रही। इंडस्ट्रियल आउटपुट की बात करें तो सालाना आधार पर यह 29.2 प्रतिशत बढ़ा, जो मई 2020 में 33.4 प्रतिशत गिर गई थी।

महामारी में दिल्ली-एनसीआर में 50 फीसदी बढ़ गई मकानों की बिक्री

नई दिल्ली वार्ता। कोरोना महामारी में दूसरी लहर के चलते दिल्ली-एनसीआर में मांग बढ़ने की वजह से 2021 की दूसरी यानी अप्रैल-जून तिमाही में मकानों की बिक्री सालाना आधार पर 50 प्रतिशत बढ़कर 2,830 इकाई पहुंच गई। हालांकि महामारी की दूसरी लहर की वजह से बिक्री में तिमाही आधार पर 54 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई। ऑनलाइन रियल एस्टेट ब्रोकरेज कंपनी प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के मुताबिक, इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में दिल्ली-एनसीआर में कुल 6,190 मकान बिके थे। 2020 की समान तिमाही में मकानों की बिक्री 1,890 इकाई रही थी। दूसरी

तिमाही के दौरान दिल्ली-एनसीआर में मकानों की कुल बिक्री में 36 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ गुरुग्राम सबसे आगे रहा। यहां 1,020 मकान बिके। नोएडा-ग्रेटर नोएडा की हिस्सेदारी 34 फीसदी, फरीदाबाद के 18 फीसदी और गाजियाबाद की हिस्सेदारी 12 फीसदी रही। महामारी की दूसरी लहर के कारण अप्रैल और मई में मांग लगभग खत्म हो गई थी। जून तिमाही में दिल्ली-एनसीआर, अहमदाबाद और हैदराबाद में बिक्री बढ़ी। जबकि मुंबई, पुणे, बंगलूरू में तेज गिरावट दिखी। ब्रोकरेज कंपनी का कहना है कि दूसरी लहर के बीच बिल्डर नई परियोजनाएं लांच करने या मौजूदा परियोजनाओं के नए फेज शुरू करने से बचते रहे। इस कारण अप्रैल-जून 2021 के दौरान नए मकानों की आपूर्ति पिछले साल की समान तिमाही के 2,016 इकाई से 59 फ़ीसदी घटकर महज 818 इकाई रह गई। तिमाही आधार पर आपूर्ति में 83 फीसदी गिरावट दर्ज की गई।

मुंबई एयरपोर्ट की कमान अब गौतम अडाणी के हाथ में आई, हजारों नई नौकरियां देने का किया वादा

मुंबई वार्ता। अडाणी ग्रुप ने मंगलवार को मुंबई एयरपोर्ट का अधिग्रहण पूरा कर लिया। मुंबई एयरपोर्ट चलाने वाली कंपनी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में अडाणी ग्रुप की कंपनी का 74त्न हिस्सा होगा। मुंबई एयरपोर्ट को तैयार करने वाली और पुरानी मालिक त्नङ्क्य ग्रुप मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से निकल गई है। त्नङ्क्य ग्रुप की पूरी 50.5त्न हिस्सेदारी और दूसरी दो विदेशी कंपनियों की 23.5त्न हिस्सेदारी अडाणी एंटरप्राइजेज की सब्सिडियरी कंपनी अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने अपने नाम कर लिया है। बची हुई 26त्न हिस्सेदारी एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के पास रहेगी। मुंबई एयरपोर्ट

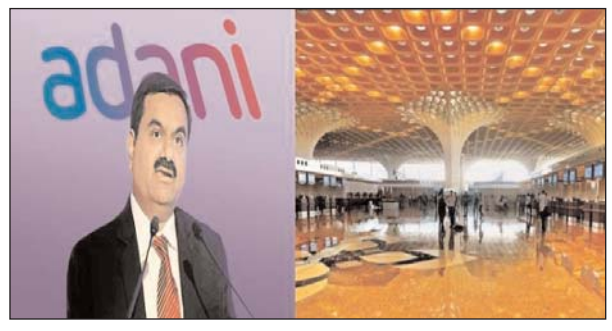

देश का दूसरा सबसे बिजी एयरपोर्ट है। यहां भारत का लगभग एक तिहाई एयर ट्रैफिक होता है। अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि अब यह एयरपोर्ट देश का 33त्न एयर कार्गो ट्रैफिक भी कंट्रोल करेगा। इस डेवलपमेंट पर गौतम अडाणी ने ट्वीट करके कहा कि वर्ल्ड क्लास मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के मैनेजमेंट का अधिग्रहण करके काफी खुशी हो रही है। हम वादा करते हैं कि मुंबई को नए मैनेजमेंट पर गर्व होगा। अडाणी ग्रुप मुंबई एयरपोर्ट को और आरामदायक बनाएगा। हम एंटरटेनमेंट के मोर्चे पर भी नई इबारत लिखेंगे। साथ ही बेहतर बिजनेस करने की कोशिश करेंगे। हमारा पूरा फोकस हजारों नए रोजगार पैदा करने पर है। अडाणी ग्रुप देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट ऑपरेटर हो गया है। अब उसके पास देश के 7 एयरपोर्ट की कमान है। अडाणी के पास मुंबई एयरपोर्ट के अलावा 6 अन्य प्रमुख एयरपोर्ट भी है, जिसमें अहमदाबाद, लखनऊ, जयपुर, मंगलुरू, गुवाहाटी और तिरुवंतपुरम एयरपोर्ट शामिल हैं। इनके मैनेजमेंट अडाणी ग्रुप के पास ही है। 2019 में बिडिंग में मिली जीत के बाद ग्रुप के पास इन एयरपोर्ट को ऑपरेट करने की जिम्मेदारी अगले 50 सालों तक की है।

ऑक्सीमीटर सहित पांच चिकित्सा उपकरण सस्ते होंगे

नई दिल्ली वार्ता। केंद्र सरकार ने मंगलवार को ऑक्सीमीटर व डिजिटल थर्मामीटर सहित पांच चिकित्सा उपकरणों पर अधिकतम ट्रेड मार्जिन 70 फीसदी तय कर दिया है। यह कदम महामारी को देखते हुए कीमतें घटाने के लिए उठाया गया है। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने बताया कि ऑक्सीमीटर, ग्लूकोमीटर, बीपी मॉनिटर, नेबुलाइजर और डिजिटल थर्मामीटर पर ट्रेड मार्जिन की अधिकतम सीमा 70 फीसदी रहेगी। एनपीपीए ने ट्वीट कर बताया कि अभी इन उपकरणों पर 3-709 फीसदी तक मार्जिन होता है। कोविड-19 संकट को देखते हुए इन उत्पादों की कीमतें घटाने के लिए यह कदम उठाया गया है।

मिताली का राज खत्म, टॉप पर पहुंची वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर

दुबई वार्ता। भारतीय महिला टेस्ट व वनडे टीम की कप्तान व स्टार बल्लेबाज मिताली राज को आइसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में नुकसान हुआ और वो पहले स्थान से खिसककर दूसरे नंबर पर आ गई हैं। मिताली राज पिछले सप्तान नंबर एक बल्लेबाज बनी थीं, लेकिन इस बार वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर ने उन्हें नीचे धकेल दिया और रैंकिंग में नंबर एक महिला बल्लेबाज बन गईं। कूलिज मैदान पर पहले वनडे मैच में पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टइंडीज की पांच विकेट की जीत में शानदार प्रदर्शन की बदौलत टेलर बल्लेबाजों के अलावा ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी शीर्ष पर काबिज हो गई। पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 105 रन और 29 रन देकर तीन विकेट चटकाने के लिए मैन ऑफ द मैच बनीं स्टेफनी टेलर को तीनों रैंकिंग में फायदा हुआ है। उन्होंने बल्लेबाजों की सूची में चार स्थान की छलांग के साथ मिताली को शीर्ष स्थान से हटाया। गेंदबाजों की सूची में भी वह तीन स्थान के फायदे से 16वें पायदान पर पहुंच गई हैं। ऑलराउंडरों की सूची में टेलर ने दो स्थान के फायदे से आस्ट्रेलिया की एलिस पैरी को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। गेंदबाजों की सूची में भारत की अनुभवी झूलन गोस्वामी पांचवें जबकि दीप्ति शर्मा ऑलराउंडरों की सूची में पांचवें स्थान पर हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में इंग्लैंड की नैट स्किवर बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान के फायदे से नौवें स्थान पर हैं, उन्होंने पहले टी-20 में भारत के खिलाफ 55 रन की पारी खेली। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा दो स्थान के फायदे से 37वें स्थान पर है। वहीं गेंदबाजों की सूची में पूनम यादव पांच स्थान के फायदे से सातवें और शिखा पांडे आठ स्थान के फायदे से 27वें स्थान पर है। इंग्लैंड की फ्रेया डेविस दो स्थान के फायदे से 64वें पायदान पर हैं।

आयरलैंड की टीम का धमाका, साउथ अफ्रीका को वनडे में हराकर रचा इतिहास

नई दिल्ली वार्ता। आयरलैंड क्रिकेट टीम ने वनडे में एक और बड़ा उलटफेर करते हुए ऐतिहासिक जीत हासिल की है। इंग्लैंड की टीम को विश्व कप में पटखनी देने वाली इस टीम ने अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे जीत दर्ज की। मंगलवार को तीन मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में आयरिश टीम ने 43 रन से जीत हासिल कर 1-0 की बढ़त हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 5 विकेट पर 290 रन बनाए थे जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 247 रन पर ही ढेर हो गई।

आयरलैंड की टीम ने पिछले साल इंग्लैंड की टीम को हराते हुए सबको हैरान किया था अब साउथ अफ्रीका को हराकर एक और बड़ी जीत दर्ज की है। तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे में आयरलैंड ने कप्तान एंडी बालबर्नी के शानदार शतकीय पारी के दम पर 50 ओवर में 5 विकेट पर 290 रन का स्कोर खड़ा किया। कप्तान ने 117 गेंद पर 10 चौके और 2 छक्के की सहायता से शतक जमाया। हैरी टेक्टर ने 68 गेंद पर 79 रन की पारी खेली जबकि जॉर्ज डॉकरेल ने 23 गेंद पर तेज 45 रन की पारी खेली। साउथ अफ्रीका की टीम को आयरिश गेंदबाजों ने कस कर रखा और एक के बाद एक विकेट चटकाते हुए ऑलआउट कर इतिहास रच दिया। एडेन मारक्रम महज 5 रन पर आउट हुए और इसके बाद लगातार अंतराल पर टीम के विकेट गिरते रहे। ओपनर जानेमन मलान ने एक छोर थामे रखा और 96 गेंद पर 84 रन की पारी खेली। इसके अलावा वान डेर डुरेन ने 49 रन की पारी खेली। कोई और बल्लेबाज ज्यादा कुछ नहीं कर पाया जिसकी वजह से पहली बार वनडे में आयरलैंड के हाथों टीम को हार मिली। आयरलैंड की तरफ से मार्क एडेर, जोस लिटिल, एंडी मैकब्रिनी ने 2-2 विकेट चटकाए। सिमी सिंह, डॉकरेल और क्रेग यंग को एक एक सफलता मिली।

भारतीय टीम की कप्तानी मिलने पर शिखर धवन ने कहा- ये मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है

नई दिल्ली। ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन को श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। राहुल द्रविड़ श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के कोच होंगे, क्योंकि इस समय नियमित कप्तान विराट कोहली और कोच रवि शास्त्री इंग्लैंड के दौरे पर हैं, जहां 4 अगस्त से टेस्ट शुरू हो रही है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ ने श्रीलंका के साथ अपनी द्विपक्षीय प्रतिबद्धताओं को देखते हुए दूसरे दर्जे की टीम श्रीलंका भेजी है, जिसके कप्तान शिखर धवन और उपकप्तान भुवनेश्वर कुमार है।

बाएं हाथ के बल्लेबाज शिखर धवन ने टीम इंडिया के कप्तान बनाए जाने को लेकर कहा कि उनके लिए ये बड़ी उपलब्धि है। गब्बर ने स्टार स्पोर्ट्स के शो फॉलो द ब्ल्यूज में बात करते हुए कहा, यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है कि मैं भारतीय टीम का कप्तान बना हूं। एक नेता के रूप में, मेरा विचार है कि सभी को एक साथ और खुश रखा जाए - यही सबसे महत्वपूर्ण बात है। हमारे पास खिलाड़ियों का एक अच्छा समूह है, बहुत अच्छा सहयोगी स्टाफ है, और हमने पहले भी काम किया है। जब मैं भारत ए का कप्तान था, राहुल द्रविड़ कोच थे, और मैं कई बार एनसीए गया हूं, इसलिए एक अच्छा रिश्ता है। मुझे यकीन है कि हमारे पास काफी ऊर्जा होगी और यह तब दिखेगा जब हम खेलेंगे।

उन्होंने राहुल द्रविड़ के साथ अपने संबंध को लेकर कहा, राहुल भाई से मेरे अच्छे संबंध हैं। जब मैंने रणजी ट्रॉफी खेलना शुरू किया था, मैं उनके खिलाफ खेला था और तब से मैं उन्हें जानता हूं। जब मैं इंडिया ए मैच खेलने गया तो मैं कप्तान था, और वह कोच थे, इसलिए बातचीत हुई। जब वे एनसीए के निदेशक बने तो हम वहां करीब 20 दिनों के लिए जाते थे, इसलिए हमारे बीच काफी बातचीत होती थी और अब हमारे बीच अच्छी केमिस्ट्री है। और अब जब हमारे पास एक साथ छह मैच खेलने का मौका है, तो यह बहुत मजेदार होगा, और मुझे लगता है कि हम सभी अच्छी तरह से तालमेल बिठाते हैं।

वहीं, शिखर धवन ने श्रीलंका दौरे पर उनके साथ आए युवा खिलाड़ियों को लेकर कहा, युवाओं को टीम में पाकर और उनके सपनों को साकार होते देख खुशी हो रही है। यह बड़ी बात है कि ये युवा अपने-अपने गृहनगर से कुछ सपने लेकर आए हैं, और उनके सपने पूरे हो रहे हैं। और अब, उन्हें उस यात्रा का आनंद लेना चाहिए जिसने उन्हें टीम इंडिया में उतारा, और उन्हें अपनी ताकत का मूल्य पता होना चाहिए और इसे कैसे सुधारना चाहिए। टीम में सीनियर हैं, इसलिए युवा उनसे सीखेंगे और इसके विपरीत, हमें युवाओं से सीखने को मिलेगा। जब भी मैं युवाओं से मिलता हूं तो अक्सर उनके सोचने के नए तरीके होते हैं, और मैं उन चीजों को सीखने की कोशिश करता हूं जो हमारी मदद करेंगी, और यह दोनों तरह से सीखना है।

विवादित वर्ल्ड कप फाइनल जो बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन इंग्लैंड की टीम ने उठाई ट्रॉफी

नई दिल्ली वार्ता। नियमों के फेर में फंसकर न्यूजीलैंड की टीम ने पहली बार विश्व कप चैंपियन बनने का सपना गंवा दिया था। जी हां, ये सच है, क्योंकि वर्ल्ड कप 2019 का फाइनल मुकाबला, जो आज ही के दिन यानी 14 जुलाई को खेला गया था, वो बराबरी पर रहा था, लेकिन नियमों के कारण इंग्लैंड की टीम को विजेता घोषित कर दिया गया और कीवी टीम बराबरी की लड़ाई लड़ने के बावजूद उपविजेता के रूप में संतुष्ट रही।

क्रिकेट के इतिहास के शायद सबसे खराब पल किसी टीम के लिए रहे होंगे तो वो न्यूजीलैंड के लिए रहेंगे, जब 14 जुलाई 2019 को विश्व कप का फाइनल बिना हारे टीम को खिताब हारना पड़ा। इस विवादित विश्व कप फाइनल में पेचीदा नियमों के कारण इंग्लैंड को विजेता घोषित किया गया था।

हालांकि, बाद में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आइसीसी ने नियमों में बदलाव किया, लेकिन वर्ल्ड कप नहीं जीत पाने की कसक कीवी टीम को हमेशा रहेगी। दरअसल, लंदन के लॉर्ड्स में 14 जुलाई 2019 को विश्व कप के 12वें सीजन का फाइनल मुकाबला खेला गया था। इस मैच में मेजबान इंग्लैंड के सामने न्यूजीलैंड की टीम थी। न्यूजीलैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर 50 ओवर में 241 रन बनाए थे। कीवी टीम की तरफ से हेनरी निकोल्स ने 55 रन की पारी खेली थी, जबकि 47 रन टॉम लाथम ने बनाए थे। कप्तान केन विलियमसन 30 रन बनाकर आउट हुए थे, जबकि कई और बल्लेबाजों ने भी सहयोग दिया था।

उधर, इंग्लैंड की टीम जब 242 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो टीम को ठीकठाक शुरुआत मिली, लेकिन इसके बाद कुछ विकेट गिर गए और फिर बेन स्टोक्स और जोस बटलर के बीच 110 रन की साझेदारी हुई, जिसने इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। हालांकि, बाजी आखिरी के कुछ ओवरों में पलटी, जब लगातार विकेट गिरते चले गए। इंग्लैंड की टीम 242 रन ही बना सकी और मुकाबला टाई हो गया, क्योंकि आखिरी गेंद पर 2 रन बनाने थे, लेकिन मार्क वुड रन आउट हो गए। इंग्लैंड की पारी में सबसे ज्यादा हैरान करने वाला वाकया वो रहा, जब आखिरी ओवर की चौथी गेंद पर बिना छक्का जड़े, 6 रन मिले। जी हां, ये सच है, क्योंकि बेन स्टोक्स दो रन के लिए दौड़े और जब मार्टिन गप्टिल ने थ्रो किया तो गेंद स्टोक्स के बल्ले से लगकर बाउंड्री के पार चली गई।

लीडरशीप की भूमिका में उत्कृष्ट रहूंगी: दीप्ति

होव वार्ता। मिताली राज और हरमनप्रीत कौर के बाद भारतीय महिला टीम की कप्तान के रूप में मजबूत दावेदार बनकर उभरीं ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का कहना है कि वह लीडरशीप की भूमिका में उत्कृष्ट रहेंगी। 38 वर्षीय भारती महिला वनडे और टेस्ट की कप्तान मिताली किसी भी वक्त अपनी जिम्मेदारी छोड़ सकती हैं जबकि हरमनप्रीत के पास अभी कुछ समय है।

दीप्ति ने 27 गेंदों पर 24 रन बनाकर इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई थी।

दीप्ति ने कहा, मुझे दबाव भरी स्थिति में खेलना पसंद है, वो कोई भी पॉजिशन हो, बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग। एक ऑलराउंडर के नाते मैं सभी विभाग में ज्यादा से ज्यादा योगदान देने की कोशिश करती हूं।

उन्होंने कहा, मैं टीम का नेतृत्व करना पसंद करती हूं। घरेलू टूर्नामेंट में भी मैंने टीम को आगे ले जाने के लिए लीड किया है। इससे मेरा मनोबल अतिरिक्त बढ़ता है।

दीप्ति ने कहा, जब आत्मविश्वास आप घरेलू क्रिकेट से बढ़ाते हो उसे आपको यहां दिखाना होता है। यह प्लेटफॉर्म आसान नहीं है लेकिन आपको इससे पार पाना होचा है। मुझे पता है कैसे हैंडल करना है।

web: www.sindhutimes.in

Email: sindhutimes99@gmail.com

8 सिन्धु टाइम्स

देश-दुनिया

लखनऊ, गुरुवार, 15 जुलाई 2021

गांवों में पशुओं के लिए शुरु होगी एम्बुलेंस सेवा

नयी दिल्ली वार्ता।सरकार ने किसानों के पशुओं को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए उसे एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है ।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज यहां हुयी मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक में पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी ।

सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अब इंसानों की तरह पशुओं के लिए भी एंबुलेंस सेवा शुरू की जाएगी । दूर दराज के गांवों और दुर्गम क्षेत्रों में अब पशुपालकों को अपने पशुओं के इलाज के लिए भटकना नहीं होगा । उनके लिए भी एंबुलेस सेवा को शुरू किया जाएगा । यह पशुपालन और डेयरी क्षेत्र के विकास के लिए एक बड़ा कदम है ।

श्री ठाकुर ने बताया कि सरकार ने विशेष पशुधन सेक्टर पैकेज के क्रियान्वयन को पांच वर्षो के लिए मंजूरी दे दी। इसके तहत योजनाओं के कई घटकों को संशोधित किया गया और उन्हें दुरुस्त बनाया गया। यह कदम अगले पांच वर्षों के लिये है, जो 2021-22 से शुरू होगा। इससे पशुधन क्षेत्र में विकास को प्रोत्साहन मिलेगा जिसके कारण 10 करोड़ किसानों के लिये पशुपालन फायदेमंद हो सकेगा। इस पैकेज के तहत केंद्र सरकार अगले पांच वर्षों के दौरान 54,618 करोड़ रुपये का कुल निवेश जुटाने के लिये 9800 करोड़ रुपये की सहायता देगी। कुल निवेश राज्य सरकारों, राज्य सहकारिताओं, वित्तीय संस्थानों, बाहरी वित्तीय एजेंसियों और अन्य हितधारकों के माध्यम से किया जायेगा।

नयी व्यवस्था के तहत विभाग की सभी योजनाओं को तीन वृहद विकास योजनाओं की श्रेणी में शामिल कर दिया जायेगा। इनमें राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी), राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) और पशुधन की गणना तथा एकीकृत नमूना सर्वेक्षण (एलसी-एंड-आईएसएस) को उप-योजनाओं के तौर पर शामिल किया गया है। रोग नियंत्रण कार्यक्रम का नाम बदलकर पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी)कर दिया गया है। इसमें मौजूदा पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण के साथ राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम और अवसंरचना विकास निधि को शामिल किया गया है।

उल्लेखनीय है कि पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ) और डेयरी अवसंरचना विकास निधि (डीआईडीएफ) को आपस में मिला दिया गया है। इस तरह अवसंरचना विकास निधि तैयार की गई है। डेयरी गतिविधियों में संलग्न डेयरी सहकारिता और किसान उत्पादक संगठनों को भी इस तीसरी श्रेणी में शामिल कर लिया गया है ताकि डेयरी सहकारिताओं को सहायता मिल सके।राष्ट्रीय गोकुल मिशन से स्वदेशी प्रजातियों के विकास और संरक्षण को मदद मिलेगी। इससे गांव के गरीब लोगों की आर्थिक हालत में भी सुधार होगा।

राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम योजना (एनपीडीडी) का लक्ष्य थोक में लगभग 8900 कूलरों को लगाने का है, जिसमें दूध रखा जा सके। इस कदम से आठ लाख से अधिक दुग्ध उत्पादकों को फायदा होगा । देश की कृषि अर्थव्यवस्था में डेयरी सेक्टर का योगदान 28 प्रतिशत है तथा इसका सालाना करीब आठ लाख करोड़ रुपयों का कारोबार है ।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है । यहां प्रतिदिन प्रति व्यक्ति 400 ग्राम से अधिक दूध उपलब्ध है । भारत में हर रोज करीब 50 करोड़ लीटर दूध का उत्पादन होता है । इसमें से लगभग 20 प्रतिशत संगठित और 40 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र खरीदता है । लगभग 40 फीसदी दूध का इस्तेमाल किसान खुद करता है ।20वीं पशुधन गणना के अनुसार कुल पशुधन आबादी 535.78 मिलियन है ।

न्यायपालिका के बुनियादी ढांचे के विकास की योजना पांच वर्ष बढ़ायी गयी

नयी दिल्ली वार्ता। केन्द्रीय मंत्रिमण?डल ने न्यायपालिका के लिए बुनियादी ढांचे से जुड़ी सुविधाओं के विकास के लिए केन्द्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) को अगले पांच वर्षों के लिए जारी रखने को बुधवार को मंजूरी दे दी ।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इस बाबत फैसला किया गया। यह योजना एक अप्रैल 2021 से लेकर 31 मार्च 2021 तक पांच वर्षों के लिए जारी रखी जाएगी।

इस पर आने वाली कुल 9,000 करोड़ रुपये की लागत में केन्द्र सरकार की हिस्सेदारी 5,357 करोड़ रुपये की होगी, जिसमें न्याय दिलाने एवं कानूनी सुधार से जुड़े एक राष्ट्रीय मिशन के जरिये ग्राम न्यायालय योजना को मिशन मोड में लागू किया जाएगाकेन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने 50 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ पांच वर्षों की अवधि के लिए आवर्ती और अनावर्ती अनुदानों को प्रमाणित करके ग्राम न्यायालयों को समर्थन देने ककके निर्णय को भी मंजूरी दी हालांकि, अधिसूचित ग्राम न्यायालयों का संचालन शुरू होने और न्याय विभाग के ग्राम न्यायालय पोर्टल पर न्यायाधिकारियों की नियुक्ति किये जाने और इस बारे में रिपोर्ट दिए जाने के बाद ही र०ाज्यों को धन जारी किया जाएगा।

एक वर्ष के बाद इस बात का आककककलन किया जाएगा कि ग्राम न्यायालय योजना ने ग्रामीण इलाकों में हाशिये पर रहने वाले लोगों को त्वरित और किफायती न्याय प्रदान करने के अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया है या नहीं ।न्यायपालिका के लिए बुनियादी ढांचे से जुड़ी सुविधाओं के विकास के लिए सीएसएस 1993-94 से चल रही है। न्यायालयों में लंबित और बकाया मामलों को कम करने के लिए पर्याप्त न्यायिक बुनियादी ढांचे की व्यवस्था बेहद महत्वपूर्ण है। अधीनस्थ न्यायपालिका के लिए बुनियादी ढांचे के विकास की प्राथमिक जिम्मेदारी भले ही राज्य सरकारों की होती है, लेकिन केन्द्र सरकार इस सीएसएस के जरिये सभी राज्यों/केन्द्र-शासित प्रदेशों में न्यायिक अधिकारियों के लिए न्यायालय भवनों और आवासीय क्वार्टरों के निर्माण के लिए राज्य सरकारों के संसाधनों में वृद्धि करती है। वर्तमान प्रस्ताव में वकीलों के लिए हॉल, शौचालय परिसरों और डिजिटल कंप्यूटर कक्षों के निर्माण जैसी अतिरिक्त गतिविधियों कका प्रावधान है।

सेना ने चीनी सैनिकों के साथ झड़प की रिपोर्ट का खंडन किया

नयी दिल्ली वार्ता।सेना ने लद्दाख से लगती सीमा पर चीन के साथ समझौतों के टूटने और दोनों देशों की सेनाओं के बीच झड़पों की रिपोर्ट से संबंधित लेख को गलत तथ्यों पर आधारित और भ्रमित करने वाला करार देते हुए इसका खंडन किया है।

सेना ने आज एक वक्तव्य जारी कर कहा कि उसने एक अंग्रेजी दैनिक में बुधवार को छपे इस लेख, भारत-चीन के बीच दोबारा भिड़ंत पूर्वी लद्दाख में पीएलए की वापसी का संज्ञान लिया है। सेना ने कहा है कि यह लेख गलतियों और भ्रामक जानकारी से भरा है। सेना ने दोहराया कि चीन के साथ समझौतों के टूटने की खबर झूठी तथा आधारहीन है।

सेना ने कहा है कि इस वर्ष फरवरी में जब से सैनिकों के पीछे हटने का समझौता हुआ है दोनों ही पक्षों ने खाली किए गए क्षेत्रों पर दोबारा कब्जा करने की कोशिश नहीं की है। गलवान घाटी या किसी अन्य क्षेत्र में सैनिकों के बीच झड़प नहीं हुई है जैसा कि इस लेख में रिपोर्ट किया गया है। पत्रकार की मंशा गलत है और उसका लेख सच्चाई पर आधारित नहीं है।

सेना की ओर से इस वक्तव्य में कहा गया है कि दोनों पक्ष बाकी बचे मुद्दों के समाधान के लिए बातचीत जारी रखे हुए हैं और अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से गश्त कर रहे हैं। जमीनी स्तर पर स्थिति पहले जैसी ही है और भारतीय सेना चीन के सैनिकों की सभी गतिविधियों पर निरंतर नजर रखे हुए हैं

सेना ने कहा है कि यह लेख सही तथ्यों पर आधारित नहीं है और वह इसका जोरदार शब्दों में खंडन करती है।

रिपोर्टों के अनुसार मीडिया में छपे एक लेख में दावा किया गया है कि चीन की सेना ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कुछ जगहों से घुसपैठ की है और कम से कम एक जगह पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प भी हुई है।

भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के नाम घोषित

नयी दिल्ली वार्ता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भाजपा युवा मोर्चा की नयी कार्यकारिणी में दार्जलिंग से सांसद राजू बिष्टा, दिल्ली से रोहित चहल और उत्तर प्रदेश से वैभव सिंह को महासचिव नियुक्त किया है। युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या की ओर से बुधवार को यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की सहमति से युवा मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के नामों कककककककी घोषणा की गयी। युवा मोर्चा की नयी कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष के तौर पर पश्चिम बंगाल से विधायक अनूप कुमार साहा और महाराष्ट्र से विधायक राम सतपुते, मधुकेश्वर देसाई, मनीष सिंह, अर्पिता अपराजिता बड़जेना, अभिनव प्रकाश और नेहा जोशी को जगह मिली है।युवा मोर्चा की टीम में सचिव के तौर पर श्याम राज, शहज़ादी सैय्यद, रवि भगत, तेजिन्दर पाल सिंह बग्गा, गौरव गौतम, अरुण ज्योति हज़ारिका और निंग्थोंजम मौगपोकंगनबा कककी नियुक्ति की गयी है। इसके अलावा साईं प्रसाद को कोषाध्यक्ष का दायित्व मिला है।

सेना की 147 महिला अधिकारियों को मिला स्थायी कमीशन

नयी दिल्ली वार्ता।सेना ने 147 और महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन दिया है जिससे स्थायी कमीशन पाने वाली महिला अधिकारियों की संख्या बढकर 424 हो गयी है।

सेना ने आज एक वक्तव्य जारी कर कहा कि उच्चतम न्यायाल के आदेश के मद्देनजर महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने की प्रक्रिया शुरू की गयी थी। इसके तहत अब तक 615 में से 424 महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन दिया गया है।

दरअसल सेना के स्क्रीनिंग बोर्ड ने नवम्बर 2020 में कुछ महिला अधिकारियों की छटनी कर दी थी जिसके बाद उच्चतम न्यायालय ने गत मार्च में सेना से इन अधिकारियों के मामले में फिर से विचार करने को कहा था। सेना के बोर्ड ने दोबारा स्क्रीनिंग के दौरान 147 और अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने का निर्णय लिया है। कुछ अधिकारियों का परिणाम प्रशासनिक कारणों के चलते रोका गया है और इस मामले में स्पष्टीकरण याचिका के निपटारे का इंतजार किया जा रहा है। स्थायी कमीशन पाने वाली सभी अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण और कोर्स पूरे करने होंगे।

मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति ने द्विपक्षीय संबंधों पर की बात

ननयी दिल्ली वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग से संबंधित मुद्दों पर आज बातचीत की ।टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान राष्ट्रपति सोलिह ने कोरोना महामारी से निपटने में भारत के सहयोग तथा समर्थन के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया ।दोनों नेताओं ने बातचीत के दौरान मालदीव में भारत के समर्थन से चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और कोरोना महामारी के बावजूद इनके क्रियान्वयन की तेज गति पर संतोष व्यक्त किया ।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मालदीव भारत की 'पडोसी पहले' की नीति तथा क्षेत्र में सभी की सुरक्षा एवं विकास संबंधी समुद्री सुरक्षा के विजन 'सागर' का मजबूत स्तंभ है । प्रधानमंत्री ने मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद के संयुक्त राष्ट्र महासभा का अध्यक्ष चुने जाने पर श्री सोलिह को बधाई भी दी। बातचीत में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के तमाम पहलुओं तथा सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में चर्चा की।

डेनमार्क एवं रूस के साथ समझौतों को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नयी दिल्ली वार्ता। सरकार ने भारत एवं डेनमार्क के बीच स्वास्थ्य एवं औषधि के क्षेत्र में सहयोग के एक करार तथा भारत एवं रूस के बीच कोकिंग कोल के उपयोग को लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जाने को आज स्वीकृति दे दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ये निर्णय लिये। मंत्रिमंडल ने स्वास्थ्य और औषधि के क्षेत्र में सहयोग करने पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा डेनमार्क साम्राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन को अपनी मंजूरी दी।

?यह द्विपक्षीय करार संयुक्त पहलों और प्रौद्योगिकी के माध्यम से अनुसंधान एवं विकास के लिये स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा डेनमार्क साम्राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करेगा। यह समझौता ज्ञापन भारत और डेनमार्क के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाएगा। ?इससे दोनों देशों के लोगों के सार्वजनिक स्वास्थ्य की स्थिति को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

इसी प्रकार से इस्पात मंत्रालय और रूस के ऊर्जा मंत्रालय के बीच कोकिंग कोल के संबंध में आपसी सहयोग के एक समझौता ज्ञापन को भी मंजूरी दी गयी। कोकिंग कोल का उपयोग इस्पात निर्माण में किया जाता है। इस करार से पूरे इस्पात क्षेत्र को इनपुट लागत कम होने का लाभ मिलेगा। इससे देश में इस्पात की लागत में कमी आयेगी और समानता तथा समावेशिता को बढ़ावा मिलेगा।

राजद्रोह की संवैधानिकता के खिलाफ नयी याचिका पर गुरुवार को सुनवाई

नयी दिल्ली वार्ता। उच्चतम न्यायालय भारतीय दंड संहिता आईपीसी) की धारा 124 (राजद्रोह) की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली एक नयी याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करेगा।मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) एस जी वोम्बाटकेरे को याचिका की प्रति एटर्नी जनरल के. के. वेणुगोपाल को सौंपने का निर्देश दिया और सुनवाई के लिए कल की तिथि मुकर्रर की ।न्यायालय इसी मसले पर दो पत्रकारों की याचिका पर पहले से ही सुनवाई कर रहा है। उस याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित, न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी और न्यायमूर्ति के एम जोसेफ की खंडपीठ कर रही है, जिसने गत अप्रैल में केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था ।सेवानिवृत्त मेजर जनरल वोम्बाटकेरे ने संबंधित धारा को संदिग्ध और अभिव्यक्ति की आजादी के खिलाफ बताया है ।याचिकाकर्ता की ओर से वकील पी बी सुरेश पेश हुए।

कांवड़ यात्रा पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान, नोटिस जारी

नयी दिल्ली वार्ता। उच्चतम न्यायालय ने कांवड यात्रा की अनुमति देने के उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए बुधवार को नोटिस जारी किया ।न्यायमूर्ति रोहिंगटन एफ नरीमन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार के इस फैसले पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की और राज्य सरकार को नोटिस जारी करके जवाब तलब किया ।न्यायालय इस मामले की सुनवाई 16 जुलाई (शुक्रवार) को करेगा ।न्यायमूर्ति नरीमन ने नोटिस जारी करने से पहले एक अंग्रेजी दैनिक में छपी संबंधित खबर का हवाला दिया और कहा कि भारत के नागरिक घरों से निकलने के लिए पूरी तरह बैचेन हैं, वे नहीं जानते कि क्या चल रहा है? और यह सब तब हो रहा है जब प्रधानमंत्री खुद कोरोना की तीसरी लहर के आने की बात कर रहे हैं।

न्यायालय ने यह कहते हुए नोटिस जारी किया कि वह कोरोना महामारी के मद्देनजर इस तरह के किसी भी प्रयास पर अंकुश लगायेगा।

गौरतलब है कि कांवड़ यात्रा 25 जुलाई से शुरू होनी है। उत्तराखंड सरकार ने कोरोना की विभीषिका को देखते हुए कांवड़ यात्रा रोक लगा दी है, जबकि उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे जारी रखने का फैसला किया है।

पाकिस्तान में बस दुर्घटना नौ चीनी नागरिकों समेत 12 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, वार्ता। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहिस्तान जिले में बुधवार को एक बस के विस्फोट के बाद गड्ढे में गिरने से नौ चीनी कामगारों सहित कम से कम 12 लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये।

दुर्घटना उस समय हुई जब बस में तकनीकी खराबी के कारण गैस के रिसाव होने से विस्फोट हो गया। बस में पहले विस्फोट हुआ और इसके बाद यह बड़े गड्ढे में गिर गयीहादसे के समय बस में दसू बांध परियोजना के कामगार और कई अन्य यात्री सवार थे। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने दुर्घटना में 12 लोगों के मरने की पुष्टि की है। उपायुक्त आरिफ खान ने मरने वाले लोगों की संख्या 13 बताई हैविदेश कार्यालय के प्रवक्ता जाहिद हफीज चौधरी के अनुसार मामले की जांच जारी है। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय समन्वय और सहयोग के लिए चीनी दूतावास के साथ संपर्क में है।श्री चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार और लोगों ने दुर्घटना में मरने वाले चीनी और पाकिस्तानी नागरिकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की है।इस बीच, चीन ने पाकिस्तान से घटना की विस्तृत जांच करने के लिये कहा है।चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा कि पाकिस्तान को इसके लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा देनी चाहिए तथा देश में चीन के नागरिकों, संगठनों और परियोजनाओं की गंभीरता से सुरक्षा करनी चाहिए।

तालिबान ने प्रमुख पाकिस्तान जाने वाले मार्ग पर कब्जा करने का किया दावा

काबुल, वार्ता। तालिबान ने बुधवार को अफगानिस्तान से पाकिस्तान जाने वाले प्रमुख मार्ग पर कब्जा करने का दावा करते हुए कहा कि उसका अफगानिस्तान के 85 प्रतिशत भू-भाग पर अधिकार हो गया है।तालिबानी नेता जबिहुल्ला मुजाहिद ने कहा,मुजाहिद्दीन ने कंधार में वेश नामक महत्वपूर्ण सीमा पर कब्जा कर लिया है।

उन्होंने कहा, स्पिन बोल्डाक, चमन तथा कंधार के यह महत्वपूर्ण क्षेत्र अब मुजाहिदों के नियंत्रण में आ गया है।उन्होंने कहा कि मुजाहिद व्यापारियों तथा नागरिकों को उनकी सुरक्षा का आश्वासन देता है।उधर अफगानिस्तान के गृह मंत्री ने कहा कि तालिबानी हमले को विफल कर दिया गया है तथा सरकारी बलों ने मार्ग को अपने नियंत्रण में ले लिया है। उधर, चमन के सहायक आयुक्त आरिफ ककार ने कहा कि सुरक्षा बल सतर्क हैं। उन्होंने कहा, चमन सीमा पर फ्रेंडशिप गेट बंद कर दिया गया है।इस संबंध में पाकिस्तान में अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

पाकिस्तान में हमला, छह चीनी अभियंताओं सहित 10 लोगों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद,वार्ता।पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा के ऊपरी कोहिस्तान जिले में जलविद्युत संयंत्र के पार बुधवार सुबह हुए हमले में छह चीनी अभियंताओं सहित 10 लोगों की मौत हो गयी तथा कई अन्य लोग हो गए। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों के बयान में विरोधाभास है। संसदीय मामलों पर प्रधानमंत्री के सलाहकार बाबर अवान ने संसद में इस हमले को कायरतापूर्ण वारदात करार दिया और कहा कि इससे पाकिस्तान तथा पड़ोसी मुल्कों के बीच विशेष पहल से ध्यान नहीं हटेगा।इस हमले की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि वह गृह मंत्री शेख राशिद अहमद से बात करेंगे और कहेंगे कि वह देश की सुरक्षा की स्थिति के बारे में जानकारी दें तथा इस घटना के संबंध में सदन को विश्वास में लें ।पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री के विशेष सहायक कमरान खान बंगश ने कहा कि इस घटना में चीन के छह अभियंताओं के साथ दो फ्रंटलाइन श्रमिकों की मौत हुयी है। उन्होंने बताया कि एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ऊपरी कोहिस्तान के लिए रवाना हो गया है। इस घटना के संबंध में अधिकारी जल्द ही लोगों को तथा मीडिया को जानकारी देंगे।श्री बंगश ने कहा, मीडिया से अपील है कि वह इस मामले में कयास न लगायें।उन्होंने बताया कि चीन नागरिकों की सुरक्षा के लिए काफी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। जिन लोगों की हालत नाजुक है, उन्हें हेलिकॉप्टर के जरिये बेहतर उपचार के लिए दूसरे जगह ले जाया जा रहा है।

रूस ने अफगानिस्तान में प्रांतीय गठबंधन प्राधिकरण के गठन का किया आह्वान

मास्को, वार्ता। रूस ने अफगानिस्तान में प्रांतीय गठबंधन प्राधिकरण की स्थापित करने का आह्वान करते हुए कहा है कि शांति प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु अस्थायी सरकार का गठन करना ही सिर्फ एक रास्ता है ताकि वहां युद्धरत पक्ष राजनीतिक वार्ता शुरू कर हिंसा को समाप्त करें ।अफगानिस्तान के लिए रूस के राष्ट्रपति के विशेष प्रतिनिधि जमीर काबुलोव ने स्पूतनिक को दिए साक्षात्कार में कहा,किसी भी तरह की देरी होने से पहले युद्धरत पक्षों को सचेत होना चाहिए तथा प्रमुखता से बातचीत शुरू करनी चाहिए।

पद्म पुरस्कारों के लिए 15 सितम्बर तक करें नामांकन

नयी दिल्ली वार्ता। कला, साहित्य , शिक्षा , खेल और चिकित्सा आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिये जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन तथा सिफारिश आगामी 15 सितम्बर तक की जा सकती है ।केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि वर्ष 2022 में गणतंत्र दिवस के मौके पर दिये जाने वाले इन पुरस्कारों के लिए नामांकन तथा सिफारिश पद्म पुरस्कार पोर्टल पर केवल ऑनलाइन की जा सकती हैं ।वर्ष 1954 में शुरू किए गए इन पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों के जरिए विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के 'उत्कृष्ट कार्य या योगदान' को सराहा जाता है। ये पुरस?कार सभी क्षेत्रों तथा विषयों जैसे कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान व इंजीनियरिंग, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार और उद्योग, इत?यादि में विशिष्ट एवं असाधारण उपलब्धियों एवं सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं ।जाति, पेशा, पद या महिला-पुरुष के आधार पर भेदभाव किए बिना सभी व्यक्ति ये पुरस्कार पाने के पात्र हैं। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों को छोड़ सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत लोगों सहित समस?त सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कारों के लिए पात्र नहीं हैं ।सरकार पद्म पुरस्कारों को 'जन पद्म' के रूप में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। अत=सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे स्व-नामांकन के साथ साथ अन्य व्यक्तियों का नामांकन तथा अनुशंसा भी करें। उन प्रतिभाशाली व्यक्तियों की पहचान करने के लिए ठोस प्रयास किए जा सकते हैं जिनकी उत्कृष्टता और उपलब्धियां वास्तव में महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांग व्यक्तियों के बीच सराहे जाने के योग?य हैं और जो निस्स्वार्थ भाव से समाज की सेवा कर रहे हैं ।नामांकन या अनुशंसा में पद्म पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में निर्दिष्ट सभी विवरण होने चाहिए जिसमें एक विवरणात्मक या अनुशंसित उद्धरण (अधिकतम 800 शब्द) भी शामिल होना चाहिए।

तेलंगाना में माओवादी नेता ने डीजीपी के सामने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद वार्ता। माओवादी नेता रावुला रंजीत उर्फ श्रीकांत ने बुधवार को यहां तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक महेंद्र रेड्डी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

रावुला रंजीत ने संगठन की वन बटालियन समिति के प्रमुख के रूप में भी कार्य किया। वह संगठन के वर्तमान कामकाज से नाखुश थे और उन्होंने पार्टी को आत्मसमर्पण करने के अपने फैसले के बारे में सूचित कर दिया।

उन्होंने श्री रेड्डी के माध्यम से अन्य माओवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की ।डीजीपी महेंद्र रेड्डी ने पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्लाटून पार्टी कमांडर रंजीत ने यह महसूस करने के बाद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने का फैसला किया है कि वर्तमान डिजिटल क्रांति के युग में क्रांतिकारी राजनीति और क्रांतिकारी रणनीति के लिए कोई जगह नहीं है।

उन्होंने रंजीत को उनके पुनर्वास के लिए चार लाख रुपये और तत्काल खर्च के लिए 5000 रुपये का डिमांड ड्राफ्ट सौंपा।

श्री रेड्डी ने बताया रंजीत के जन्म के समय उसके माता-पिता भूमिगत थे। वह वर्ष 1998 में दंडकारण्य जंगल में क्रांतिकारी विचारधारा से जुड़ा और छत्तीसगढ़ राज्य के दक्षिण बस्तर संभाग में पला-बढ़ा। बचपन से ही उसे बंदूक की बैरल के माध्यम से नयी लोकतांत्रिक क्रांति (एनडीआर) की स्थापना के उद्देश्य से क्रांतिकारी विचारधारा और राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बारे में सिखाया गया था।

पश्चिम बंगाल में गहरे समुद्र में डूबा ट्रॉलर, 10 मछुआरे लापता

नामखाना,वार्ता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में बुधवार सुबह करीब पांच बजे मछली पकड़ने वाला एक ट्रॉलर अचानक गहरे समुद्र में पलट गया। हादसे के बाद दो लोगों को बचा लिया गया है, बाकी 10 अब भी लापता हैं। ट्रॉलर को तट तक खींचने की व्यवस्था की गयी है ।स्थानीय सूत्रों ने बताया कि जिले के नामखाना के एक ट्रॉलर एफ.बी. हेमबती गहरे समुद्र में मछली पकड़ने गया था। ट्रॉलर में कुल 12 मछुआरे सवार थे। बुधवार को मछली पकड़ने के बाद ट्रॉलर किनारे पर लौट रहा था। उसी दौरान ट्रॉलर अचानक रक्केश्वरी नामक चट्टान के पास पलट गया ।काकद्वीप मछुआरा कल्याण संघ के सचिव बिजन मैती ने बताया कि तट पर लौटते समय फ्रेजरगंज से करीब चार घंटे की दूरी पर रक्केश्वरी नामक चट्टान के पास ट्रॉलर पलट गया ।स समय ट्रॉलर पर सवार नाविक और उसका सहायक नाविक नदी

सिन्धु टाइम्स (हिन्दी दैनिक), स्वामी, प्रकाशक / मुद्रक-उरूषा इमरान द्वारा विशनू ऑफसेट,वैसी की मस्जिद,भानमती चौराहा हुसैनगंज,लखनऊ से मुद्रित कराकर 126/21/1, राना होटल, इस्लामिया कालेज के सामने, लालबाग लखनऊ (उ.प्र.)- 226001 से प्रकाशित।

*संपादक - इमरान हसन सिद्दीकी, R.N.I. No.ÙPHIN/2010/39063, MOB.- 9935403111, प्रबंध संपादक- एस.वी.सिंह उजागर, मो- 9451988443, E-Mail : sindhutimes99@gmail.com फोन 05224029211 (नोट- किसी भी वाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।)